नई दिल्ली

रविवार, 2 नवंबर 2025

कार्तिक मास शुक्ल पक्ष,
द्वादशी वर्ष : 29, अंक : 199
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32.0
न्यून. 17.0

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक के अंतिम दिन पत्रकार वार्ता में संघ की गतिविधियों का ब्योरा दिया

संघ पर बैन लगाने वाले बयान पर बोले सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले

खरगे को इतिहास से सीखना चाहिए, किसी के चाहने भर से बैन नहीं लगाया जा सकता

पत्रकारों के सवालों के जवाब देते दत्तात्रेय होसबाले। साथ में प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर।

आज के समाज ने संघ को स्वीकार कर लिया

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि जातिगत जनगणना वहीं तक उचित है जहां तक इसके दुष्परिणाम जातिगत सामाजिक बुराई को न बढ़ाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन वाले बयान को लेकर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बड़ा पलटवार किया है। जबलपुर में अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक के अंतिम दिन पत्रकार वार्ता में होसबाले ने कहा कि किसी के चाहने भर से किसी पर बैन नहीं लगाया जा सकता। आज के समाज ने संघ को स्वीकार कर लिया है। ऐसे में इस तरह की बात करना गलत है।

होसबाले ने इस बात पर जोर दिया कि संगठन पर प्रतिबंध लगाने का कोई कारण तो होना चाहिए, क्योंकि आरएसएस नियमित रूप से राष्ट्र निर्माण में लगा रहता है और जनता ने इसे स्वीकार किया है। संघ पर प्रतिबंध लगाने से क्या हासिल होगा? गौर हो कि शेष पेज 5 पर

» ***खरगे ने संघ प्रमुख गोलवलकर को लिखे सरदार पटेल के पत्र का भी हवाला दिया था***

» ***होसबाले ने कहा कि आरएसएस नियमित रूप से राष्ट्र निर्माण में लगा रहता है***

भाजपा से इसलिए नजदीकी क्योंकि वहां हमारे स्वयंसेवक पदाधिकारी

पत्रकार वार्ता में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कार्यकारी मंडल बैठक तथा संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त विजयादशमी के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संघ जाति आधारित चुनाव को उचित नहीं मानता। नशामुक्त युवा हो इसके लिए संघ प्रयासरत है। स्वस्थ और शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि दोनों विषय संघ की प्राथमिकता में हैं। इस पर लगातार मंथन और कार्य किया जा रहा शेष पेज 5 पर

हिंदू सम्मेलनों में पंच परिवर्तन पर होगा फोकस

बैठक में शताब्दी वर्ष के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हुई। होसबाले ने बताया कि संघ का कार्य समाज, राष्ट्र का कार्य है। आगे बस्ती और मंडल स्तर पर हिंदू सम्मेलन करने वाले हैं। हिंदू सम्मेलनों के माध्यम से मंडल, बस्ती स्तर तक पंच परिवर्तन के विषयों को लेकर पहुंचेंगे। 45000 ग्रामीण और 35000 नगरीय स्थानों पर सम्मेलन आयोजित होंगे। वंदेमातरम राष्ट्रगीत के 150 वर्ष हो रहे हैं। 1975 में राष्ट्रगीत के 100 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में समितियां बनाई थीं। वंदेमातरम केवल गीत नहीं है, भारत की आत्मा का मंत्र है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की सराहना की

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत तीन 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' खिताब हासिल करने पर पहल की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के जन आंदोलन महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को और गति प्रदान करते हैं। पीएम मोदी ने कहा, इस तरह की पहल बेहद सराहनीय है। ये महिला सशक्तिकरण प्रयासों को गति प्रदान करते हैं।

पीएम मोदी फॉलो किए जाने वाले वैश्विक नेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर 100 मिलियन फॉलोअर्स को पार करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मोदी अब एक्स पर दुनिया के सबसे ज़्यादा फ़ॉलोअर वाले नेता होने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं। पीएम मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित अन्य विश्व नेताओं से काफ़ी आगे हैं, जिनके 38.1 मिलियन फ़ॉलोअर्स हैं।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.95 लाख करोड़

नई दिल्ली। 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू हुई थीं। जिसमें रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली अधिकतर चीजें सस्ती हो गईं थी। शनिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में भारत का ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 4.6% बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपए हो गया जबकि अक्टूबर 2024 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपए था।

दिल्ली में 1590.50 रु. में मिलेगा गैस सिलेंडर

नई दिल्ली। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम घट गए हैं। नई कीमत 1 नवंबर 2025 यानी से लागू हो गई है। आईओसीएल की वेबसाइट के मुताबिक 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की रिवाइज्ड कीमत दिल्ली में 1590.50 रुपए हो गई है, जो पहले 1595.50 रुपए थी। रसोई गैस सिलेंडर या 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमतों पर कोई असर नहीं हुआ।

पीएम ने किया छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन

प्रदेश को दी 14,260 करोड़ रु. की सौगात

छत्तीसगढ़ बढ़ेगा तो देश भी प्रगति करेगा

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल जी की प्रतिमा का किया अनावरण

विधानसभा का सफर अब 51 एकड़ में फैले विशाल भवन तक पहुंचा

रायपुर। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री, स्पीकर, लोकसभाध्यक्ष की मौजूदगी में नए विधानसभा का उदघाटन किया।

आदिवासी संग्रहालय प्रदेश के लोगों को मिला, बीज आज वटवृक्ष बन गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रजत जयंती वर्ष मना रहे छत्तीसगढ़ को शनिवार को पीएम मोदी ने बड़ी सौगात दी। पीएम मोदी ने बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कुल 14,260 करोड़ की सौगात दी। पीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। बीते 25 सालों में छत्तीसगढ़ जिस तेजी से आगे बढ़ा है उसका मैं साक्षी भी रहा हूं। अब अगले 25 सालों में एक नया सूर्योदय होने वाला है, जो विकास का सूर्योदय होगा।

पीएम ने लोगों से कहा कि वो अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट चालू करें और बताएं कि आपके हाथों में नए संकल्प की रोशनी और विकास के सूर्योदय का आगाज हो चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य की नीव रखी। आज 25 साल बाद जब मैं छत्तीसगढ़ को देखता हूं तो मेरा माथा गर्व से ऊंचा हो जाता है। जो बीज हम लोगों ने बोया था आज वो विकास का वट वृक्ष बन चुका है। पीएम ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर मिला है। आदिवासी संग्रहालय प्रदेश के शेष पेज 5 पर

रजत जयंती के उत्सव पर लोगों को बधाई

एक कार्यकर्ता के रूप में मैंने यहां बहुत समय व्यतीत किया, यहां से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मेरे जीवन को गढ़ने में यहां के लोगों का, यहां की भूमि का बहुत बड़ा आशीर्वाद रहा है। इसके निर्माण का संकल्प और उस संकल्प की सिद्धि, हर एक क्षण पर मैं यहां के परिवर्तन का साक्षी रहा हूं। आज मुझे इस क्षण का भी सहभागी बनने का अवसर मिला। इस रजत जयंती के उत्सव पर मुझे राज्य के लोगों के लिए इस नई विधानसभा का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं।

अटलजी का सपना साकार हो रहा

पीएम मोदी ने कहा कि जब भव्य और आधुनिक विधानसभा का लोकार्पण कर रहे हैं तो ये केवल एक इमारत का समारोह नहीं है बल्कि 25 वर्षों की जन आकांक्षा, जन संघर्ष और जन गौरव का उत्सव बन गया है। मैं उन महापुरुष को नमन करता हूं। वे हैं, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी। सअटल जी की प्रतिमा का भी अनावरण हुआ। उनका सपना साकार हो शेष पेज 5 पर

500 दर्शक क्षमता का और 100 लोगों की बैठक व्यवस्था

अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा भवन में 500 दर्शक क्षमता का आधुनिक ऑडिटोरियम और 100 लोगों के बैठने की क्षमता वाला सेंट्रल हॉल शेष पेज 5 पर

'देव से देश' और 'राम से राष्ट्र' का संकल्प लिया था

पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का नाम लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक जंग का जिक्र किया। उन्होंने 'राम से राष्ट्र' का मंत्र दिया और इसका अर्थ भी बताया। 'राम से राष्ट्र' का एक अर्थ यह भी है कि हम मानवता विरोधी ताकतों के शेष पेज 5 पर

तीजनबाई के परिजन से की बात

पीएम ने सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका और पद्मविभूषण से सम्मानित तीजनबाई के परिजनों से फोन पर बात कर उनका हालचाल जाना है। तीजनबाई की बहू वेणु देशमुख ने बताया कि करीब 1 मिनट 18 सेकंड तक बात हुई है। उन्होंने हाल चाल शेष पेज 5 पर

आज नवादा में करेंगे रोड शो

बिहार के नवादा में पीएम मोदी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सभास्थल पर पुलिस, एसपीजी और सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाएगी। लगभग 1200 पुलिसकर्मी और 200 पुलिस अधिकारी तैनात शेष पेज 5 पर

आंध्रप्रदेश के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में देव प्रबोधन एकादशी पर बड़ा हादसा

यह एक निजी मंदिर... मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' के तहत मामला दर्ज

सीढ़ियों की रैलिंग टूटने से श्रद्धालु एक दूसरे पर गिरते गए, 9 की मौत

एजेंसी ⏭ श्रीकाकुलम

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में शनिवार को एक काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हादसा हो गया। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिसमें से 8 महिलाएं हैं। इसके पहले श्रीकाकुलम के जिला कलेक्टर स्वप्निल दिनकर पुंडकर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी। हालांकि, बाद में श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने 9 मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति की हालत थोड़ी गंभीर है, लेकिन उसकी शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया

पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार अनुग्रह राशि का ऐलान

काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को 4 महीने पहले अगस्त में दर्शन के लिए खोला गया था। मंदिर 13 एकड़ में फैला है। इसके निर्माण में 10 साल लगे

महिलाओं के खाते में 109 करोड़ रुपये से की राशि ट्रांसफर

हरियाणा की पारदर्शी भर्ती व्यवस्था बनी मिसाल, अब तक 3 लाख युवाओं को मिला रोजगार : सैनी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को पूरे प्रदेश में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था से रजिस्ट्री करवाने की पुरानी जटिल प्रक्रियाओं से नागरिकों को राहत मिलेगी, अनावश्यक देरी समाप्त होगी तथा भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि दीनदयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना की पहली किस्त के तहत 5,22,162 पात्र महिलाओं के खातों में 109 करोड़ 65 लाख 40 हजार 200 रुपये की राशि भी स्थानांतरित की। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों के कार्यकाल में 3 लाख युवाओं को पूरी पारदर्शिता के आधार पर सरकारी सेवाओं में नियुक्ति का अवसर प्रदान किया है। इनमें से 1,80,000 शेष पेज 5 पर

क्वालालंपुर में 12वें एडीएमएम-प्लस सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भारत के रुख को दुनिया के सामने रखा

किसी देश के खिलाफ नहीं भारत का हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता पर जोर देना: राजनाथ

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दिनोंदिन बढ़ते चीन के आक्रामक तेवरों के बीच शनिवार को मलेशिया की राजधानी क्वालालंपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने क्षेत्र को लेकर भारत के रुख को दुनिया के सामने जोरदार अंदाज में स्पष्ट किया।

मौका था 'एडीएमएम-प्लस के 15 वर्षों पर चिंतन और आगे का रास्ता तैयार करना' विषय शेष पेज 5 पर

» भारत संवाद, साझेदारी और व्यावहारिक सहयोग से रचनात्मक योगदान के लिए तैयार

खतरों से मुकाबला कर सके सुरक्षा ढांचा

उन्होंने कहा कि सुरक्षा में समावेशिता का मतलब ये सुनिश्चित करना है कि आकार या क्षमता पर ध्यान दिए बगैर तमाम देशों की क्षेत्रीय व्यवस्था को आकार देने और उससे लाभ प्राप्त करने में भूमिका हो। वहीं, स्थिरता के मायने ऐसे सुरक्षा ढांचे को तैयार करना है। जो झटकों के प्रति लचीले हों, शेष पेज 5 पर

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
के सहयोग से
दिल्ली यातायात पुलिस
द्वारा आयोजित

विशेष लोक अदालत
08.11.2025 को इन सात कोर्ट परिसरों में

कोर्ट परिसर
पटियाला हाउस | कड़कड़डूमा | तीस हजारी | साकेत | रोहिणी | द्वारका | राउज एवेन्यू

1. केवल दिल्ली यातायात पुलिस पोर्टल पर लंबित और 31.07.2025 तक वर्चुअल कोर्ट को भेजे गए समझौता योग्य यातायात चालान/नोटिस ही इस लोक अदालत में सुनवाई के लिए रखे जाएँगे।
2. नोटिस/चालान डाउनलोड करने और प्रिंटआउट लेने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर लॉग इन करें: https://traffic.delhipolice.gov.in/notice/lokadalat या क्यूआर कोड स्कैन करें।
3. नोटिस/चालान का प्रिंटआउट साथ लेकर आना अनिवार्य है। न्यायालय परिसर में प्रिंटआउट की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

यह लिंक 03.11.2025 को सुबह 10:00 बजे से सक्रिय होगा और चालान/नोटिस की सीमा 2,00,000 समाप्त होने तक उपलब्ध रहेगा। प्रतिदिन अधिकतम 50,000 चालान/नोटिस डाउनलोड किए जाएंगे।

अधिक जानकारी के लिए
हमें फॉलो करें:- व्हाट्सएप : 8750871493 @dtptraffic @dtptraffic @dtptraffic
24X7 यातायात हेल्पलाइन:- 011-25844444 / 1095

वेबसाइट : www.traffic.delhipolice.gov.in
ई-मेल : Info.traffic@delhipolice.gov.in

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
राउज़ एवेन्यू जिला कोर्ट्स काम्प्लेक्स,
तीसरा तल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
हेल्प लाइन 1516

एक यातायात प्रहरी बनें
यातायात प्रहरी ऐप डाउनलोड करें
App Store व Google Play

DP/9815/2025

सी.पी., दिल्ली को cpdelhi@delhipolice.gov.in पर ई-मेल करें। सी.पी., दिल्ली को पो.ऑ. बॉक्स नं. 171, जी.पी.ओ., नई दिल्ली पर लिखें।
तुरंत पुलिस सहायता के लिए कॉल करें 112 | पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 14547

तीन महिलाओं समेत पांच अरेस्ट

फर्जी नौकरी दिलाने वाले कॉल सेंटर का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

साउथ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने कोटला मुबारकपुर से चलाए जा रहे एक बड़े फर्जी नौकरी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपी कॉल सेंटर के जरिये भोले-भाले बेरोजगारों को नामी कंपनियों में नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके, उनसे बड़ी रकम ऐंठते थे और फिर बिना नौकरी दिए या पैसे वापस किए गायब हो जाते थे। इस सिलसिले में तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को पकड़ा गया है।

डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार स्पेशल स्टाफ कार्रवाई से रैकेट के मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया गया और अहम सबूत बरामद किए गए। मामले की शिकायतकर्ता मनीषा पत्नी रोहित सिंह निवासी शालीमार गार्डन थी। उन्हें 22 सितंबर को अमरदीप नाम के एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने झूठा दावा किया कि उसका प्रोफाइल Naukri.com के जरिए डेलॉइट में शॉर्टलिस्ट हो गया है। उसे कोटला मुबारकपुर में स्किल इनोवेशन सॉल्यूशन में इंटरव्यू के लिए बुलाया गया, जहां आरोपियों ने उसे नौकरी दिलाने के बहाने Google Pay के जरिए कई किस्तों में 24,000 देने के लिए मजबूर किया। इसके बाद न तो कोई नौकरी दी गई और न ही पैसे वापस किए गए। जांच के दौरान पता चला कि मास्टरमाइंड तारिक खान, अपने साथियों तन्नू, कपिल, अदीबा और शाहना उर्फ जोया के साथ मिलकर एक फर्जी नौकरी रैकेट चला रहा था और उसने 100 से ज्यादा नौकरी ढूंढने वालों को धोखा देकर लगभग 15 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया है। स्पेशल स्टाफ की टीम ने विश्वसनीय जानकारी जुटाई और एक नकली ग्राहक कॉल सेंटर में भेजा। कोटला मुबारकपुर में मकान नंबर 101, पहली मंजिल, 1898, ए/1 पर छापा मारा गया, जहां एक पूरी तरह से चालू फर्जी प्लेसमेंट ऑफिस व कॉल सेंटर मिला। तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को अरेस्ट किया गया। तारिक खान इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड है। कॉल सेंटर में 10 टेलीकॉलर को महीने की सैलरी पर रखा गया था। इन टेलीकॉलर का काम अलग-अलग ऑनलाइन पोर्टल के जरिए नौकरी ढूंढने वालों से संपर्क करना और उन्हें कोटला मुबारकपुर ऑफिस में इंटरव्यू के लिए बुलाना होता था। इसके बाद सिक्योरिटी या प्रोसेसिंग फीस जमा करने के लिए कहा जाता था। पैसे मिलने के बाद पीड़ितों को कभी भी कोई अपॉइंटमेंट लेटर या असली नौकरी का ऑफर नहीं मिला। रैकेट से जुड़े अन्य पीड़ितों, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और साथियों का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं। संबंधित डिजिटल सबूत जब्त कर लिए गए हैं और आगे की जांच चल रही है।

सीलमपुर मर्डर केस में शामिल एक आरोपी किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सीलमपुर में आपराधिक प्रवृत्ति के युवक की गोलियां बरसाकर हत्या केस में लोकल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। फायरिंग और मर्डर की इस घटना को सुलझाते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से हत्या के इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद हुआ है।

पुलिस ने शनिवार को जानकारी दी कि अब्दुल्ला (23) पुत्र हाजी गुलफाम, निवासी न्यू सीलमपुर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुये। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी अब्दुल्ला ने अपना जुर्म कबूल किया है और बताया कि उसने यह वारदात पुरानी दुश्मनी के चलते अंजाम दी थी। जांच में पता चला कि आरोपी का पहले से क्रिमिनल रिकॉर्ड है और वह पहले भी हत्या की कोशिश, फायरिंग और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन से जुड़े तीन मामलों में शामिल रहा है। गौरतलब है कि हाशिम बाबा और छेनू गिरोह में लंबे समय से दुश्मनी व गैंगवार चल रही है। मरने वाला मिस्बाह का संबंध हाशिम बाबा गिरोह से था। उस पर दर्जनभर से ज्यादा गोलियां चलाई गई थी। मिस्बाह पर भी सात से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें हत्या, लूट और हथियारों का अवैध उपयोग शामिल है। छेनू मंडोली जेल में बंद है। मिस्बाह की हत्या गैंगवार का हिस्सा मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक इस हत्याकांड को छेनू के भाई रिजवान ने प्लान किया और अंजाम दिलवाया। रिजवान छेनू गैंग का मुख्य ऑपरेटर है, जिसके खिलाफ भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या के बाद रिजवान भूमिगत हो गया है और पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

11 साल के लापता बच्चे को शकूरपुर से ढूंढा, कूड़ा बीनने को था मजबूर

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के शकूरपुर में पुलिस ने करीब एक माह से लापता 11-वर्षीय एक लड़के को ढूंढ निकाला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक महिला ने कथित तौर पर प्रसाद का लालच देने के बाद लड़के का शारीरिक उत्पीड़न किया और उसे भूखा रखकर कूड़ा बीनने के लिए मजबूर किया। सुभाष प्लेस थाने में लड़के के माता-पिता द्वारा उसके लापता होने की शिकायत किए जाने के बाद पांच अक्टूबर को पुलिस ने मामला दर्ज किया और तलाश शुरू की। लड़के के माता-पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। बच्चे के लापता होने के बाद उसके माता-पिता को एक अज्ञात नंबर से संक्षिप्त कॉल आई थी। लापता लड़के की मां द्वारा दिये गये सुराग की जांचकर्ताओं ने पड़ताल की। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि कॉल के दौरान उसने एक बच्चे की आवाज सुनी, जो 'मम्मी' बोल रहा था। बाद में उस नंबर पर संपर्क करने की कोशिशें नाकाम रहीं। अधिकारी ने बताया कि सुराग के आधार पर पुलिस ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ की, तकनीकी आंकड़ों का विश्लेषण किया और कुछ संदिग्धों की सूची तैयार करने से पहले क्षेत्र के निवासियों से पूछताछ की। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने तकनीकी निगरानी और जांच के आधार पर लड़के को शकूरपुर में ढूंढ निकाला, जहां से उसे सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि लड़के के अनुसार, शकूरपुर में रहने वाली एक महिला ने उसे प्रसाद का लालच दिया और बाद में उसे कूड़ा बीनने के लिए मजबूर किया। आरोपी ने कथित तौर पर उसका शारीरिक उत्पीड़न किया और भूखा रखा।

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त कर्मचारी 4 नवंबर को करेंगे खुली चौपाल का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने घोषणा की है कि वह अपनी मांगों के समर्थन में आगामी 4 नवंबर 2025 को डीटीसी मुख्यालय पर एक खुली चौपाल का आयोजन करेंगे। इस बारे में संबंधित संगठन डीटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के महामंत्री बाला दत्त ने बताया कि संघ के नेतृत्व में 4 नवंबर 2025 को प्रातः 11:00 बजे से डीटीसी मुख्यालय पर खुली चौपाल आयोजित की जाएगी। जिसमें मुख्य रूप से अपनी मांगों को रखकर अपील की जाएगी कि पूरा किया जाए। बाला दत्त ने बताया कि हमारी मांगों में डीटीसी पेंशनधारियों की मासिक पेंशन का भुगतान बिना देरी किया जाना चाहिए। सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल योजना बनाकर लागू की जानी चाहिए। मेडिकल अलाउंस 2017 से 1000 प्रतिमाह की दर से कोर्ट के निर्णय के बावजूद भुगतान नहीं किया जा रहा उसे तुरंत जारी करें।

वजीरपुर में बर्तन के कारखाने में लगी आग कोई हताहत नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के वज़ीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार अपराह्न एक बर्तन निर्माण इकाई में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि कारखाने में आग लगने की सूचना अपराह्न 2.19 बजे मिली जिसके बाद दमकल की 13 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

इमारत में कई मीटर बोर्ड में लगी आग

नई दिल्ली। वेस्ट दिल्ली के सुभाष नगर स्थित एक इमारत में बिजली के कई मीटर बोर्ड में शनिवार सुबह आग लग गई। दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि सूचना सुबह सात बजकर 50 मिनट पर मिली थी। छह से सात बिजली के बोर्ड में आग लगने की सूचना थी। अधिकारी ने कहा कि हमने दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच लाल किला चांदनी चौक के पास यातायात प्रतिबंधित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली यातायात पुलिस ने लाल किले पर एक कार्यक्रम के आयोजन और यहां भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान रात 10 बजे तक कुछ क्षेत्रों में यातायात प्रतिबंध तथा मार्ग परिवर्तन की जानकारी देते हुए यात्रियों के लिए शनिवार को परामर्श जारी किया। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती तथा दिल्ली स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली सरकार के शिक्षा और संस्कृति विभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रम के तहत लाल किले पर विशाल सभा हुई। पुलिस ने कहा कि लाल किले से दोपहर के समय ही भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भी शुरू हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रमों के बीच नेताजी सुभाष मार्ग और आसपास के इलाकों में दिन भर भारी भीड़ रहने के आसार हैं। परामर्श में कहा गया ह है कि यातायात सुचारू रखने, पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन के कदम लागू रहेंगे। दरियागंज की ओर से आने वाली बसों और वाणिज्यिक वाहनों को सुभाष मार्ग स्थित 'टी-प्वाइंट' से शांति वन की ओर मोड़ दिया गया जबकि जीपीओ और कोडिया पुल से लाल किले की ओर जाने वाले वाहनों का छत्ता रेल चौक होते हुए रिंग रोड की ओर मार्ग परिवर्तित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि यातायात की स्थिति के आधार पर शांति वन चौक, दिल्ली गेट चौक और जीपीओ चौक पर मार्ग परिवर्तन की अतिरिक्त व्यवस्था की जा सकती है। चांदनी चौक और आसपास के बाजारों में आने वाले यात्रियों से आग्रह किया गया कि वे केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों जैसे एएसआई पार्किंग (निषाद राज मार्ग), दंगल मैदान पार्किंग (एसपीएम मार्ग), ओमेक्स मॉल पार्किंग (एचसी सेन रोड) और आदी मैदान पार्किंग पर ही वाहन खड़ें करें। परामर्श में कहा गया, ''छत्ता रेल चौक और सुभाष मार्ग पर 'टी-प्वाइंट' से आगे किसी भी ई-रिक्शा, ऑटो-रिक्शा या साइकिल रिक्शा को अनुमति नहीं दी जाएगी।'' इसके साथ ही कहा गया कि पैदल यात्रियों को केवल फुटपाथ और निर्दिष्ट क्रॉसिंग का ही उपयोग करना चाहिए।

दिवाली पर पिता की लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग की बनाई रील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

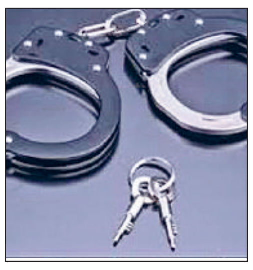

- पिता पुत्र दोनों गिरफ्तार पिस्टल जब्त की गई
- इंस्टाग्राम पर पोस्ट रील पर पुलिस ने लिया संज्ञान

नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट की एंटी नारकोटिक्स सेल ने आर्म्स एक्ट के उल्लंघन के आरोप में पिता पुत्र को गिरफ्तार किया है। बेटे ने दिवाली के दिन हवा में पिस्टल से फायरिंग करते हुए एक रील इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। पिस्टल उसके पिता के नाम पर लाइसेंसी हथियार था। लाइसेंसी पिस्टल भी जब्त कर ली गई है।

डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार 30 अक्टूबर को एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम शास्त्री नगर इलाके में पेट्रोलिंग ड्यूटी कर रही थी। शाम करीब 5 बजे, जब टीम शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन पहुंची, तो एक मुखबिर से सोशल मीडिया रील के बारे में एक सूचना मिली। रील सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रही थी, जिसमें एक लड़का हवा में फायरिंग कर रहा था। वह लड़का शास्त्री नगर में अपनी दुकान पर मौजूद था। पुलिस टीम ने तुरंत सूचना वाली जगह पर छापा मारा और सुमित नाम के एक लड़के को उसकी दुकान से पकड़ लिया। उसके पिता का नाम मुकेश राठौर पता चला। सुमित ने बताया कि वह शास्त्री नगर में अपने पिता के कैटरिंग बिजनेस और मिठाई की दुकान में उनकी मदद करता है। वह मशहूर होना चाहता था। दिवाली के दिन उसने दराज में रखी अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल निकाली और हवा में दो राउंड फायरिंग करके एक रील बनाई। बाद में उस रील को इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया। इसके बाद उसके पिता मुकेश को भी गिरफ्तार किया गया। उसने अपना लाइसेंस दिखाया जो 1 अक्टूबर को एक्सपायर हो चुका था। पिस्टल भी उनके घर से बरामद कर ली गई।

पिछली सरकार में यमुना सफाई पर 6856 करोड़ के घोटाले की जांच करे एलजी : यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को पत्र लिखकर यमुना सफाई के नाम पर हुए पिछली सरकार के दौरान हुए 6856 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच की मांग की है। उन्होंने बताया कि एलजी को पत्र में लिखा है कि 11 वर्ष केजरीवाल सरकार और पिछले 8 महीनों से रेखा गुप्ता सरकार वायु और जल प्रदूषण पर काबू पाने में नाकाम साबित हुई है और राजधानी में 100 में से 15 मौतों का कारण प्रदूषण है। लिखा है कि यमुना सफाई की दुहाई देने वाली आम आदमी पार्टी ने अपने शासन के आखिरी 7 वर्षों में यमुना सफाई पर हजारों करोड़ खर्च किए जिसमें सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की रिपोर्ट में 2017 से 2022 तक यमुना सफाई पर 6856 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद नदी की स्थिति में कोई खास सुधार नही हुआ है। यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी शासन के दौरान यमुना सफाई में हजारों करोड़ के बड़े भ्रष्टाचार की जांच होनी चाहिए। उपराज्यपाल को पत्र लिखकर 6856 करोड़ के भ्रष्टाचार की जांच में हस्तक्षेप करने और जांच एजेंसी से इसकी व्यापक जांच करवाने का अनुरोध किया है। ताकि इसमें शामिल दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाही करके उन्हे जेल भेजा जा सके। उन्होंने कहा कि करदाताओं की खून पसीने की 6856 करोड़ों की कमाई पर डाका डालने वाली पार्टी के नेताओं पर कारवाई होनी चाहिए। यादव ने कहा कि 2014-15 के बाद लगातार सीवेज सिस्टम को बदलने की कई परियोजनाएं और करोड़ों रुपये का बजट आवंटन के बावजूद सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों में सुधार तक काम नही हुआ और 37 ट्रीटमेंट प्लांट में से 26 प्लांट मानकों अनुसार काम नही कर रहे है और वजीराबाद से ओखला बैराज तक की यमुना में 171 एमजीडी सीवर सीधा यमुना में गिरता है। जिसमें सुधार के लिए न तो पिछली सरकार ने कोई काम किया और न ही वर्तमान सरकार कोई कदम उठा रही है। यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी हो या भाजपा की सरकार दोनों ने यमुना सफाई पर सिर्फ बड़े-बड़े दावे किए, जमीनी स्तर पर कोई व्यापक काम नही किए। उन्होंने कहा कि यमुना हमारे लिए आस्था का प्रतीक है जिसकी सफाई पर भाजपा और आम आदमी ने बड़े-बड़े वादे करके वोट तो हासिल किए। लेकिन यमुना सफाई करने में दोनों सरकारें हर मोर्चे पर नाकाम साबित हुईं है। यादव ने कहा कि सीएसई ने यमुना सफाई पर सरकारों की असंवेदनशीलता पर प्रश्न उठाते हुए कहा है कि पैसा खर्च करने से नदी में सुधार नही होगा। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करके प्रदूषण के स्त्रोतों को नियंत्रण करना होगा। यमुना सफाई के लिए सरकार को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार करना होगा, औद्योगिक कचरे का बेहतर प्रबंधन करना, वृक्षारोपण करने सहित जन जागरुकता बढ़ाना होगा।

हाशिम बाबा गिरोह से जुड़े युवक की हत्या के मामले में गैंगस्टर के रिश्तेदार समेत दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जेल में बंद गैंगस्टर छेनू पहलवान के रिश्तेदार समेत दो लोगों को हाशिम बाबा गिरोह से कथित तौर पर जुड़े युवक की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यहां एक अधिकारी ने बताया कि मिस्बाह (22) की बृहस्पतिवार रात सीलमपुर इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई और वह करीब दो वर्ष पहले छेनू गिरोह छोड़कर हाशिम बाबा गिरोह में शामिल हो गया था। गिरोह छोड़ने के कारण ही उसके और छेनू गिरोह के बीच तनाव पैदा हो गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान न्यू सीलमपुर निवासी अब्दुल्ला (23) और मूल रूप से मेरठ निवासी प्रिंस गाजी (25) के रूप में हुई है। अब्दुल्ला गैंगस्टर छेनू का रिश्तेदार है।

गाजी को विशेष प्रकोष्ठ ने शास्त्री पार्क इलाके से शुक्रवार रात गिरफ्तार किया जबकि अब्दुल्ला को इससे पहले उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि यह घटना छेनू गिरोह के अंदरूनी कलह का नतीजा थी। मिस्बाह, अब्दुल्ला और गाजी कभी करीबी सहयोगी हुआ करते थे लेकिन कुछ महीने पहले एक निजी विवाद के कारण उनके बीच अनबन हो गई थी। मिस्बाह के प्रतिद्वंद्वी गिरोह के साथ कथित जुड़ाव की वजह से बृहस्पतिवार को यह हमला हुआ। पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को बृहस्पतिवार देर रात गोलीबारी की सूचना मिली और पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची तथा मिस्बाह को खून से लथपथ पाया। उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान अब्दुल्ला ने हत्या में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली और बताया कि उसने पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के लिए यह हमला किया। पुलिस ने बताया कि उसके पास से एक पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि अब्दुल्ला का आपराधिक इतिहास है और वह पहले भी तीन मामलों में शामिल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि मिस्बाह का भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ हत्या, डकैती समेत सात मामले दर्ज हैं। वह हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी ट्रांस-यमुना क्षेत्र के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा के आवास के पास हुई और वह 2019 से तिहाड़ जेल में बंद है।

मंगोलपुरी में पार्क में पेड़ से लटका मिला शव

नई दिल्ली। बाहरी जिले के मंगोलपुरी में एक पार्क में पेड़ से लटका मिला युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। 35 वर्षीय करण सफाई कर्मचारी था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि पति पत्नी के बीच अनबन चल रही थी। पुलिस आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मंगोलपुरी क्यू-ब्लॉक स्थित दुर्बलनाथ वाटिका में शुक्रवार सुबह करीब सात बजे संदिग्ध हालात में एक युवक का शव पेड़ से लटकते हुए पाया गया। राज पार्क थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक करण अपने पीछे परिवार में पत्नी, तीन बच्चे और माता-पिता को छोड़ गया है। करण की पत्नी झगड़े के बाद मायके चली गई थी। इसके बाद करण भी घर से गायब हो गया था।

काला जठेड़ी-प्रियव्रत काला गिरोह के दो शूटर गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के कुतुबगढ़ इलाके में गोलीबारी की एक घटना के सिलसिले में काला जठेड़ी-प्रियव्रत काला गिरोह से जुड़े दो कथित शूटरों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों, दिल्ली के कटेवाड़ा निवासी प्रिंस उर्फ सन्नी (22) और हरियाणा के सोनीपत निवासी सुमित राणा (25), ने कथित तौर पर इलाके में एक व्यक्ति को डराने के लिए उसकी दुकान पर गोलीबारी की। पुलिस को शुक्रवार रात आरोपियों की गतिविधियों के बारे में गोपनीय सूचना मिली थी। इसी सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने रोहिणी के सेक्टर 27 में जाल बिछाया और देर रात करीब 11.15 बजे दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि उनके कब्जे से दो देसी पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले में जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि 14 अक्टूबर की रात को तीन लोगों ने कुतुबगढ़ इलाके में एक दुकान पर गोलियां चलाईं थी, जिसके बाद एक प्रत्यक्षदर्शी की शिकायत के आधार पर कंझावला पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज कर लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोपियों की पहचान सनी, सुमित और आशु के रूप में की है, जिन्हें वह पहले से जानता था। पूछताछ के दौरान, सनी ने पुलिस को बताया कि स्कूल पूरा करने के बाद वह छोटी-मोटी चोरियों में शामिल हो गया था। इसके बाद वह जेल में बंद गैंगस्टर काला जठेड़ी के करीबी सहयोगी प्रियव्रत उर्फ काला के गिरोह में शामिल हो गया। अधिकारी ने बताया कि प्रियव्रत के निर्देशों पर सनी और उसके सहयोगियों ने इलाके में गिरोह का दबदबा बनाए रखने और उसके जबरन वसूली तंत्र को समर्थन देने के लिए गोलीबारी की घटनाओं को अंजाम दिया। सनी बवाना पुलिस थाना क्षेत्र का बदनाम अपराधी है। वह पहले भी चोरी और गोलीबारी सहित 14 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उन्होंने बताया कि सनी का सहयोगी सुमित राणा दिल्ली और हरियाणा में चार मामलों में शामिल रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/प्लांट, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, निविदा संख्या: EL-MWS-GKP-2025-26-13, कार्य का विवरण : कोच अल्टरेशन इन इलेक्ट्रिकल सिस्टम इन 4000 कोचेज ऑफ 3-टियर एल.एच.बी., एलॉटेड क्वांटिटी 100 नं. कोचेज। अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 76,05,165/-, बयाने की राशि (रू.में): ₹ 1,52,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि से-12 महीना।

• आन लाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि: 24-11-2025, समय 11:15 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जीनियर/प्लांट (कार.), गोरखपुर
मुजाधि/यॉंत्रिक-88

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इमेका पुत्र अबियारा निवासी जीत प्रॉपर्टी के पास, चंदर विहार, दिल्ली** ने एफआईआर सं./सी.सी.नं. **723/2024, अन्तर्गत धारा 14 विदेशी अधिनियम, थाना निहाल विहार, बाहरी जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमेका** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमेका** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं./सी.सी.नं. **723/2024, अन्तर्गत धारा 14 विदेशी अधिनियम, थाना निहाल विहार, बाहरी जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **इमेका** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.12.2025** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कोमल गर्ग
एलडी न्यायिक न्यायधीश-प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 292, दूसरा तल, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14737/OD/2025
(Court Matter)

दिल्ली के स्थापना दिवस पर लाल किले पर 'मेरी दिल्ली मेरा देश' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हमें एकजुट होकर दिल्ली को ले जाना है विकास की ऊंचाइयों पर : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के स्थापना दिवस पर शनिवार को लाल किले पर 'मेरी दिल्ली, मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नागरिकों से आह्वान किया कि अब समय आ गया है जब दिल्ली के लोग एकजुट होकर शहर को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की विशेषता उसकी विविधता और अपनापन है। कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संयुक्त रूप से भागीदारी करते हुए 'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार किया। यह आयोजन 1 नवम्बर को दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों जैसे केरल, हरियाणा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़ और लक्षद्वीप के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, कलाकार, विद्यार्थी, स्वयंसेवक तथा हजारों दर्शक विशेषकर युवा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली ने अपने लंबे इतिहास में अनेक कठिनाइयों और हमलों का सामना किया, कई बार गिरी, लेकिन हर बार पहले से अधिक दृढ़ होकर उठ खड़ी हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाल किले की प्राचीन दीवारें दिल्ली के उत्थान, पतन और पुनर्जन्म तीनों की साक्षी रही हैं। हम सब अलग-अलग राज्यों से आकर दिल्ली में बसे हैं। अपने-अपने मूल राज्य के प्रति सम्मान और प्रेम तो हमारे दिल में सदैव रहेगा, पर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली भी हमारी है और यह देश भी हमारा है। इसी भावना से इस कार्यक्रम का नाम रखा गया है मेरी दिल्ली, मेरा देश। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को अब अपनी पिछली तकलीफों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना है, चाहे वह यमुना की सफाई हो, प्रदूषण पर नियंत्रण हो, हरियाली बढ़ाने का कार्य हो या गली-नालियों व सड़कों के निर्माण का काम, हर क्षेत्र में सुधार और प्रगति हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली को देश की राजधानी के रूप में एक विकसित, स्वच्छ और सशक्त शहर बनाया जाए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन किया और कहा कि उनकी प्रेरणा से देश की एकता और अखंडता आज भी मजबूती से कायम है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने यह संकल्प लिया है कि राजधानी में अब हर राज्य का राज्य दिवस और राज्य उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे दिल्ली को स्वच्छ, हरित और सुंदर बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति यदि रोज एक छोटा-सा काम देश के लिए करे, चाहे शहर को साफ रखने का संकल्प हो, हरियाली बढ़ाने की कोशिश हो, नियमों का पालन हो, या किसी जरूरतमंद की मदद करना, तो देश हर दिन 140 करोड़ कदम आगे बढ़ेगा।

सरदार पटेल ने पंजाब के लाखों परिवारों को भरोसा दिया था कि दिल्ली आपकी है : सूद

कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि 1947 में जब पंजाब से आए लाखों परिवार टूटे मन से दिल्ली पहुंचे थे, तब लाल किले ने उनके आंसू भी देखे थे और सरदार पटेल की वह दृढ़ता भी, जिसने उन्हें यह भरोसा दिया कि 'दिल्ली आपकी भी है।' दिल्ली की रौनक, उसकी ऊर्जा और उसका उद्यम, सबमें उस पंजाबी संघर्ष की छाप है जिसे पटेल ने सुरक्षा और सम्मान दिया था। सूद ने कहा कि दिल्ली ने तब भी आसरा दिया था और आज भी यही शहर हर संघर्ष को गले लगाकर ताकत में बदल देता है। यही दिल्ली की आत्मा है- आसरा देने की, जोड़कर रखने की, और आगे बढ़ाने की और यही हमारी असली राष्ट्रीय पहचान है, जिसने भारत को एकता और साहस की राजधानी बनाया है।

एलजी ने आईआईटी दिल्ली के 14वें कॉन्वोकेशन को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 14वें कॉन्वोकेशन कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने सभी सफल स्नातकों को बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज मैं होशियार और जोशीले ग्रेजुएट्स को संबोधित कर रहा हूं जो मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं आप सब से ईमानदारी और इनोवेशन की वैल्यू को बनाए रखने की अपील करता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि आप अपने सभी कार्यों को सफलता से करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। आप अपने कार्य द्वारा प्रत्येक समाज की भलाई के लिए अपने ज्ञान का इस्तेमाल करेंगे। एलजी ने कहा कि आप सबके भविष्य के सफर और राष्ट्र निर्माण में आपकी भूमिका के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

गुरुद्वारा बंगला साहिब के सरोवर पर सिख साहित्य और चित्रों की प्रदर्शनी शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा बंगला साहिब स्थित सरोवर पर सिख साहित्य और चित्रों की प्रदर्शनी की शुरूआत की। यह प्रदर्शनी 1-10 नवंबर तक चलेगी, जिसमें संगत दर्शन कर लाभ प्राप्त कर सकती है। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार चेयरमैन जसप्रीत सिंह करमसर सहित अन्य मौजूद थे। इस मौके पर गुरुद्वारा बंगला साहिब के मुख्य ग्रंथि ज्ञानी रंजीत सिंह ने अरदास की, जिसके उपरांत प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। इस बारे में कालका ने बताया कि प्रबंधक कमेटी की ओर से हर साल की तरह इस वर्ष भी पहली पातशाही गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा बंगला साहिब जी के सरोवर के किनारे सिख साहित्य और चित्रों की प्रदर्शनी शुरू की गई है। इसका उद्देश्य सिख संगत, विशेषकर सिख विद्यार्थियों को अपने साहित्य और समृद्ध विरसे (विरासत) से अवगत कराया जाना है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में विश्व स्तर के प्रकाशकों की पुस्तकें शामिल की गई हैं।

हड़ताल के बाद कार्य पर लौटे एमटीएस कर्मचारी

जनस्वास्थ्य जागरूकता अभियान किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम मुख्यायल सिविक सेंटर पर लगभग एक महीने से चली एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल खत्म होने के बाद दिल्ली नगर निगम के जनस्वास्थ्य विभाग के एमटीएस कर्मचारी फिर से कामकाज पर लौट आये हैं। एंटी मलेरिया एकता कर्मचारी यूनियन के महासचिव देवा नंद शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सभी एमटीएस कर्मियों ने अपनी ड्यूटी जॉइन कर ली है और पूरे जोश के साथ एंटी-लार्वा वर्क, फॉगिंग, हाउस चेकिंग, दवा वितरण और मोहल्ला समितियों के साथ मिलकर जनस्वास्थ्य जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। यूनियन पदाधिकारी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री, निगम महापौर, स्थायी समिति अध्यक्ष, सदन नेता, डेम्स समिति अध्यक्ष, आयुक्त, विभागीय अधिकारियों तथा विपक्षी नेताओं का आभार प्रकट किया और कहा कि समिति में सहमति बनाकर हड़ताल समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया। हालांकि यूनियन अध्यक्ष देवानंद शर्मा की सेंट्रल जोन में जॉइनिंग को लेकर अभी भी कुछ अड़चनें बनी हुई हैं, जिस पर यूनियन ने नाराज़गी जताई है।

यूनियन ने अपने सभी सदस्यों से अपील की है कि जो काम पिछले महीने में रुका रहा, उसे अब दोगुने जोश और मेहनत से पूरा किया जाए ताकि दिल्ली को डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से राहत मिले। कर्मियों ने उम्मीद जताई कि निगम प्रशासन जल्द ही उनके लंबित मुद्दों पर लिए गए सहमति प्रस्तावों को भी अमल में लाएगा, ताकि कर्मियों के परिवारों में आर्थिक स्थिरता लौट सके।

एनडीएमसी ने किया शिकायत निवारण सुविधा शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए जयसिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि परिषद के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 43 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित रहीं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया। एनडीएमसी द्वारा शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया। नीति स्तर के निर्णयों की आवश्यकता वाली शिकायतों को उनके निवारण की संभावित समय-सीमा के साथ समझाया गया। पालिका परिषद के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी/कर्मचारी शिकायतों के मौके पर निवारण के लिए शिविर में मौके पर मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की निगरानी उनके विभागाध्यक्ष करते रहे।

मुनक नहर एलिवेटेड रोड को कश्मीरी गेट तक बढ़ाएगा पीडब्ल्यूडी : प्रवेश साहिब सिंह

इंद्रलोक से आईएसबीटी कश्मीरी गेट तक लगभग 4 किलोमीटर लंबी सुरंग भी बनेगी, इससे दिल्ली-हरियाणा कनेक्टिविटी होगी मजबूत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने मुनक नहर एलिवेटेड रोड को कश्मीरी गेट तक बढ़ाया जाएगा। इसमें इंद्रलोक से आईएसबीटी कश्मीरी गेट तक लगभग 4 किलोमीटर लंबी सुरंग भी बनाई जाएगी। इस बात की जानकारी शनिवार को दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दी। मंत्री प्रवेश ने कहा कि पीडब्ल्यूडी ने इस योजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

यह योजना दिल्ली सरकार के उन प्रमुख प्रयासों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजधानी में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करना और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक स्वरूप देना है। मंत्री प्रवेश ने कहा कि फिलहाल यह एलिवेटेड रोड इंद्रलोक तक प्रस्तावित है, जिसे अब सुरंग के माध्यम से कश्मीरी गेट तक बढ़ाया जाएगा। यह बनने के बाद दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर से लेकर सेंट्रल दिल्ली तक एक सतत, सिग्नल-फ्री कॉरिडोर प्रदान करेगा, जो सीधे आईएसबीटी आउटर रिंग रोड और वजीराबाद कॉरिडोर से जुड़ेगा।

यह परियोजना सोनीपत, रोहतक और अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर) से आने वाले वाहनों की यात्रा को सुगम बनाएगी और मुकरबा चौक, आजादपुर और रोशनारा रोड जैसे जाम वाले इलाकों में राहत देगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश ने कहा कि यह परियोजना दिल्ली की दीर्घकालिक यातायात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को भविष्य के अनुरूप और अभिनव समाधान चाहिए जो शहर और उसके नागरिकों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। अब हम अल्पकालिक पैचवर्क से आगे बढ़कर दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ऐसी परियोजनाओं पर ध्यान दे रही है जो आने वाले दशकों तक दिल्ली की सेवा करेंगी।

हरियाणा से आने वाले यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

मंत्री प्रवेश ने कहा कि यह कॉरिडोर न केवल उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिल्ली बल्कि हरियाणा से आने वाले यात्रियों के लिए भी बड़ी राहत साबित होगा। इसके शुरू होने से सेंट्रल दिल्ली तक यात्रा का समय और प्रदूषण दोनों कम होंगे। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी ने इस योजना को दिल्ली की समग्र इंफ्रास्ट्रक्चर और मोबिलिटी रणनीति के साथ समन्वित करने के लिए अन्य विभागों से बातचीत शुरू कर दी है।

सुरंग से सेंट्रल दिल्ली में आवागमन होगा सुगम

मंत्री प्रवेश ने कहा कि प्रस्तावित 4 किमी लंबी सुरंग सीधे इंद्रलोक से आईएसबीटी तक ट्रैफिक को जोड़ेगी, जिससे सेंट्रल दिल्ली में आवागमन सुगम होगा। यह विस्तार योजना विशेष रूप से उत्तर, उत्तर-पश्चिम और पश्चिम दिल्ली के निवासियों के लिए राहत लेकर आएगी, जो रोजाना लंबे ट्रैफिक जाम से जूझते हैं। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, यह कॉरिडोर दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर से कश्मीरी गेट तक की यात्रा का समय लगभग 40 प्रतिशत तक घटा सकता है।

महापौर ने एमटीएस कर्मियों को पकड़ाया झुनझुना : अंकुश

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार द्वारा एक महीने में एमटीएस कर्मियों की मांगे पूरी करने के दिए गए आश्वासन को महज एक झुनझुना बताया है। एमसीडी में नेता विपक्ष अंकुश नारंग का कहना है कि 30 नवंबर को एमसीडी के 12 वार्डों के उपचुनाव होने हैं। जिस तरह से दिल्ली की जनता और कर्मचारी भाजपा सरकार से नाराज है, उससे उसे उपचुनाव में हार का डर सता रहा है। इसी डर की वजह से भाजपा के महापौर ने धरने पर बैठे एमटीएस कर्मियों के सामने हार मान ली है और उनकी सारी मांगे मान ली। भाजपा चाहती है कि उपचुनाव के दौरान कर्मचारी धरने पर न दिखे, इसलिए महापौर ने ये झुनझुना पकड़ा दिया है। अगर इनकी नियत साफ होती तो ना 33 दिनों तक हड़ताल चलती और ना ही दिल्लीवाले डेंगू-मलेरिया से जूझते।

एबीवीपी की मशाल यात्रा में विद्यार्थी हुए शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शुक्रवार की रात को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में विशाल मशाल यात्रा निकाली। यह मशाल यात्रा जेएनयू के गंगा ढाबे से निकलकर चंद्रभागा छात्रावास तक गई जिसमें जेएनयू के अलग - अलग विभागों से सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मशाल यात्रा में एबीवीपी की तरफ से अध्यक्ष पद की प्रत्याशी विकास पटेल, उपाध्यक्ष पद की प्रत्याशी तान्या कुमारी, सचिव पद के प्रत्याशी राजेश्वर कांत दुबे एवं संयुक्त सचिव के प्रत्याशी अनुज के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में छात्र उपस्थित रहें जिन्होंने भारत माता की जय, वंदे मातरम् जैसे नारों के उद्घोष से जेएनयू परिसर को ध्वनित किया। एबीवीपी जेएनयू के केंद्रीय चुनाव समन्वयक अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि हमने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में गंगा ढाबे से लेकर चंद्रभागा छात्रावास तक विशाल मशाल यात्रा निकाली जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने प्रतिभाग किया।

दिल्ली पर्यावरण मंत्री ने आनंद विहार क्षेत्र का किया निरीक्षण

सर्दियों में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सभी जरूरी उपाय कर रही दिल्ली सरकार: सिरसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार सर्दी के मौसम में प्रदूषण को रोकने के लिए सभी जरूरी उपाय कर रही है। यह दावा शनिवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आनंद विहार क्षेत्र का दौरा करने के दौरान कही।

इस दौरान मंत्री सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और परिवहन विभाग के अधिकारियों स्लिप रोड पर अतिरिक्त ट्रैफिक कर्मी तैनात करने और बसें केवल निर्धारित स्थानों पर ही रूकने के निर्देश दिए। वहीं मंत्री सिरसा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीक ऑवर्स में मूवेबल एंटी-स्मॉग गन और मिस्ट स्प्रेयर लगाए जाएं और टूटी या कच्ची सड़कों और फुटपाथों की जल्द मरम्मत की जाए ताकि सड़क की धूल कम हो। सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में, दिल्ली सरकार ने सर्दियों के दौरान प्रदूषण रोकने के लिए अपने विंटर ऐक्शन प्लान को और प्रभावी कर रही है। दिल्ली के 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट्स पर लगातार निगरानी, सख्त कार्रवाई और वैज्ञानिक तरीकों से धूल नियंत्रण का काम जारी है। मंत्री सिरसा ने अपने दौरे के दौरान आनंद विहार बस टर्मिनल हॉटस्पॉट का दौरा किया और यहां धूल नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और सड़क मरम्मत के कामों का जायजा लिया। मंत्री सिरसा ने आनंद विहार के मुख्य सड़क से जुड़ी हुई सर्विस रोड को भी यातायात अनुकूल बनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री सिरसा ने डीपीसीसी द्वारा लगाए गए एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन की कार्यप्रणाली देखी और अधिकारियों से रिपोर्ट ली।

मौके पर मंत्री ने पाया कि बस टर्मिनल के मुख्य द्वार पर एक छोटा सा अधूरा सड़क हिस्सा वर्षों से पड़ा हुआ था क्योंकि वहां तीन छोटे पेड़ थे जिनका ट्रांसप्लांटेशन नहीं किया गया था। सिरसा ने कहा कि यह पिछली सरकारों की लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने तुरंत निर्देश दिए कि पेड़ों का सुरक्षित स्थानांतरण किया जाए और सड़क को जल्द से जल्द पक्का कर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए खोला जाए ताकि धूल और जाम की समस्या खत्म हो। सिरसा ने कहा कि यह सड़क वर्षों से बंद थी। अब हमारी सरकार इसे जनता के लिए खोलने जा रही है ताकि बस टर्मिनल के पास की स्लिप रोड पर ट्रैफिक जाम खत्म हो और धूल कम हो। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण और बुनियादी ढांचे दोनों में वास्तविक सुधार दिख रहा है। सिरसा ने कहा कि हर हॉटस्पॉट की समस्या अलग है, और हमारी टीमें उन्हें वैज्ञानिक तरीके से सुलझा रही हैं। चाहे सड़क की धूल हो, ट्रैफिक प्रबंधन या औद्योगिक उत्सर्जन, हर स्तर पर सख्त निगरानी और सुधार चल रहा है।

आईपी यूनिवर्सिटी में क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आईपी यूनिवर्सिटी के द्वारका कैंपस में शनिवार को एक क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया। यह रन महिला और पुरुष-दोनों वर्ग में था। पुरूष वर्ग में यूनिवर्सिटी स्कूल के शौनिश गुप्ता प्रथम स्थान पर रहे। अखिलेश दास कॉलेज के उज्जवल कुकरेती एवं यूनिवर्सिटी स्कूल के नमन राणा क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहें। महिला वर्ग में यूनिवर्सिटी कैंपस की विजुल आहूजा, भगवान परशुराम इंस्टिट्यूट की अमिषा गुसाइन और अखिलेश दास गुप्ता कॉलेज की आसमी क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहें। आईपीयू प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौड़ को यूनिवर्सिटी के विशेष कार्य अधिकारी डी. पी. द्विवेदी ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन कुमार एवं डीएसडब्ल्यू के पदाधिकारी उपस्थित थें। साढ़े 7 किलोमीटर लंबी इस दौड़ के लिए यूनिवर्सिटी कैंपस के इनर सर्किल ट्रैक को चुना गया था।

खबर संक्षेप

60 हजार रु. की धोखाधड़ी फोन कॉलर को दबोचा

फरीदाबाद। जानकार बनकर 60 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने फोन कॉलर को गिरफ्तार किया है। फरीदाबाद निवासी एक महिला ने पुलिस को शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि 7 सितंबर को उसके पास एक कॉल आया जिसने उसे बताया कि वह उसका जीजा बोल रहा है उसको मेडिकल इमरजेंसी के लिए 25 हजार रुपए की आवश्यकता है ।

लूट करने की कोशिश के मामले में 2 को दबोचा

फरीदाबाद। गाड़ी बुक करके लूट करने की कोशिश के मामले में क्राईम ब्रांच सैक्टर-85 की टीम ने दो आरोपियों को काबू किया है। गौरव निवासी वशिष्ठ पार्क, दिल्ली ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 27 अक्टूबर की रात को अक्षय नाम से किसी ने रैपिडो एप से सागरपुर अक्षय ने ड्राइवर की गर्दन पर चाकू लगा दिया और गाड़ी को साईड में लगाने को कहा, उसके साथ लूट की कोशिश की।

प्रतिबंधित दवा बेचते दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने आबिद खान व अशरफ खाना को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 31 अक्टूबर को अपराध शाखा बॉर्डर की टीम गस्त पर थी, जिसने गुप्त सुत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित दवा बेचने वाले दो आरोपी आबिद खान व अशरफ खान निवासी अभयपुर बरेली हाल सेक्टर-48 फरीदाबाद को 400 सिरप के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बरेली उप्र से प्रतिबंधित दवा को लेकर आए थे। दोनों आरोपी ऑटो चलाने का काम करते है और दवा को बेचने की फिराक में खड़े थे। आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

स्वच्छ और हरित वातावरण हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक

पर्यावरण की रक्षा हम सबकी सामाजिक जिम्मेदारी: चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सी दास ग्रुप के चेयरमैन बी.आर. भाटिया ने शनिवार को कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबकी सामाजिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ और हरित वातावरण न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अमूल्य धरोहर है। हर नागरिक को इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए ताकि हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर बना रहे।

बी.आर. भाटिया के मार्गदर्शन में चल रहे क्लीन एंड ग्रीन फरीदाबाद अभियान के तहत सी दास फाउंडेशन और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की संयुक्त टीम ने शनिवार को एसीपी मुजेसर कार्यालय मोड़ सेक्टर-24 से स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान की शुरुआत की। अभियान के पहले चरण में टीम ने सड़क के बीचों बीच बने डिवाइडरों पर जमा कचरे को हटाया। इसके बाद बागवानी टीम ने डिवाइडर में लगे पौधों व वृक्षों की निराई गुड़ाई की। साथ ही उनमें खाद व पानी भी डाला गया। इस दौरान लोगों को अपने शहर को स्वच्छ रखने और हरा भरा बनाने के लिए जागरूक भी किया गया।

खास बातें

- सेक्टर-24 से स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान शुरू
- शहर को स्वच्छ रखने और हरा भरा बनाने के लिए किया जागरूक

फरीदाबाद को स्वच्छ, हरित जागरूक श्रेणी में अग्रणी बनाएं

इस मौके पर फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष राज भाटिया ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। यदि हर व्यक्ति अपने आस-पास सफाई रखे और एक पौधा लगाए, तो फरीदाबाद को देश का सबसे स्वच्छ औद्योगिक शहर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान एक निरंतर प्रयास है, जिसका लक्ष्य फरीदाबाद को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के प्रति जागरूक शहरों की श्रेणी में अग्रणी बनाना है। अभियान के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया गया।

जिला में धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया 60वां जिला स्तरीय हरियाणा स्थापना दिवस

हरियाणा और हरियाणवियों ने निरंतर प्रगति कर विकास के क्षेत्र में की अपनी अद्वितीय पहचान दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को बल्लभगढ़ स्थित अटल ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय हरियाणा दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह का दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया। प्रदेशवासियों के गौरव, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित जिला स्तरीय समारोह में प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों में हरियाणा प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। हरियाणा दिवस के अवसर पर जिला पंचकूला में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष मुख्य अतिथि रहे। समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से प्रसारण जिला स्तरीय कार्यक्रम में दिखाया गया।

विधायक ने हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दी

मुख्य अतिथि पंडित मूलचंद शर्मा ने समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सभी को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा और हरियाणवियों ने निरंतर प्रगति कर विकास के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय पहचान दर्ज कराई है। आज हमारा राज्य देश के सबसे तेजी से आगे बढ़ते राज्यों में से एक है। औद्योगिक विकास से लेकर कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और सूचना प्रौद्योगिकी तक, हर क्षेत्र में हरियाणा ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह उपलब्धियां केवल सरकार की नीतियों का परिणाम नहीं हैं, बल्कि हरियाणा के मेहनती नागरिकों, कर्मठ किसानों, प्रतिभाशाली युवाओं और निष्ठावान कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का प्रतीक हैं। हरियाणा की धरती वीरता, परिश्रम और संकल्प की प्रतीक रही है। इस प्रदेश ने देश को न केवल अनाज, दूध और औद्योगिक उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि खेलों में भी भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है। यहां के युवाओं ने शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में अपनी दक्षता से नए अवसरों का सृजन किया है। आज जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

समारोह में कलाकारों और विद्यार्थियों ने हरियाणवी डांस, लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी

जिला स्तरीय समारोह के अवसर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागी कलाकारों और विद्यार्थियों ने हरियाणवी डांस, हरियाणवी सोलो नृत्य, हरियाणवी लोक नृत्य की शानदार और बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर हरियाणा की संस्कृति, शौर्य और लोक परंपराओं को जीवंत करते हुए समारोह में समा बांधकर दर्शकों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत भी किया गया। विजेताओं में प्रथम स्थान थारू राम कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बल्लभगढ़ को प्राप्त हुआ, द्वितीय स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सराय ख्वाजा ने प्राप्त किया तथा तृतीय स्थान राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बल्लभगढ़ को प्राप्त हुआ। अंत में डीसी विक्रम सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देते हुए कार्यक्रम में पधारने पर उनका धन्यवाद किया। इस अवसर पर फरीदाबाद महापौर प्रवीण जोशी, भाजपा बल्लभगढ़ जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान, एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, सीटीएम अंकित कुमार, क्षेत्र के पार्षदगण सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट की तैयारियों का जायजा लेते संघ के अध्यक्ष

हरियाणा युवा संघ फरीदाबाद का 13 वां सर्कल कबड्डी कप आज से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा युवा संघ फरीदाबाद द्वारा 13वां सर्कल कबड्डी कप रविवार 2 नबंवर 2025 को सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए हरियाणा युवा संघ फरीदाबाद के संस्थापक अनिल दहिया, प्रधान संजय खासा, महासचिव संदीप पहल, कोषाध्यक्ष अजय दहिया ने बताया कि हरियाणा युवा संघ प्रत्येक वर्ष सर्कल कबड्डी कप का आयोजन करता आ रहा है। इस बार 13वां सर्कल कबड्डी कप दशहरा मैदान फरीदाबाद में रविवार 2 नवंबर को सुबह 9 बजे हवन के बाद प्रारंभ होगा। इस सर्कल कबड्डी कप में पहला इनाम 1 लाख 1 हजार रुपए का दूसरा इनाम 71000 रूपए का, तीसरा/ चौथा इनाम 41000 रुपए, पांच से आठवां 5100-5100 का रखा गया है। वहीं विशेष रूप से रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में पहला इनाम 21000, दूसरा इनाम 11000 के अलावा शक्तिमान और शेखु का एक मैच पहला इनाम 7100 रूपए व दूसरा इनाम 5100 दिया जाएगा।

विशेष आकर्षण का केन्द्र बुजुर्गों की दौड़ होगी जिसमें विजेताओं को नकद राशि दी जाएगी। वहीं कार्यक्रम स्थल पर रक्तदान शिविर सुबह 11 बजे से शुरू होगा। वहीं बैस्ट रैडर व बैस्ट कैचर को मोटरसाईकिल भेंट की जाएगी। इस बार हरियाणा एवं पंजाब की टीमें भाग लेगी।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में फरीदाबाद जिले के अतिरिक्त उपायुक्त सतवीर मान, विशेष अतिथि के रूप में मंशा ग्रुप के चेयरमैन नरेश मलिक, डीएचबीवीएल के एसई जितेन्द्र ढुल, अध्यक्ष पूर्व कबड्डी खिलाड़ी नवदीप टूल्स के एमडी चौ. वेदपाल दलाल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगें।

मेयर ने गांव नवादा फतेहपुर को दी करोड़ों की सौगात

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर की मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव ने शनिवार को निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 20 को करोड़ों रुपये की सौगात दी। गांव नवादा फतेहपुर में कई बड़ी योजनाओं का शिलान्यास किया। मेयर ने गांव नवादा फतेहपुर में शिलान्यास अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि निगम से संबंधित कामों के लिए उनके दरवाजे 24 घंटे निगम क्षेत्रवासियों के लिए खुले हैं। जनहित के काम पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड के लोगों ने उन्हें चुना है। सभी वार्डों में से

किसी भी वार्ड के लोग उन्हें काम के बारे में बोलते हुए संकोच न करें। पार्षद आपसी मतभेद बुलाकर निगम क्षेत्र के चहुंमुखी विकास की ओर ध्यान दें। सभी 20 पार्षद निगम अधिकारियों के साथ मिलकर मानेसर नगर निगम को विकास की दिशा में आगे बढ़ायें। मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव ने गांव की आंतरिक गलियों में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने, सामुदायिक केंद्र के निर्माण और जीर्णोद्धार करने के कामों का शिलान्यास किया। उन्होंने बताया कि गांव में पंप हाउस की बाउंड्री वॉल और ट्रैक बनाने, रूडसेट बिल्डिंग के पास निगम की जमीन में अर्थवर्क और टाइल्स लगाने और शिशु कल्याण स्कूल के पास आरसीसी रोड़ का निर्माण करने के लिए भी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है। जल्द ही इनका भी काम शुरू कर दिया जाएगा।

गांव नवादा फतेहपुर में पहुंचने पर ग्रामीण महिलाओं ने उनका फूलमालाओं से स्वागत किया। वार्ड 20 के पार्षद प्रताप सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव का अभिवादन किया। इस दौरान नगर निगम के एसडीओ विकास शर्मा सहित गांव नवादा के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **आनंद उर्फ सुमित, पुत्र प्रहलाद, निवासीः सी–1/326, सुल्तानपुरी, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **E-FIR No.39393/2019 U/S 379/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना मंगोलपुरी, बाहरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **आनंद उर्फ सुमित** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **आनंद उर्फ सुमित** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **E-FIR No.39393/2019 U/S 379/411/34 IPC थाना मंगोलपुरी, बाहरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **आनंद उर्फ सुमित** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 19.12.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री रीतिका जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05,
कक्ष संख्या 105, प्रथम तल, उत्तर–पश्चिम जिला,
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली।

DP/14716/OD/2025
(अदालती मामला)

एपीके फाईल डाउनलोड कराकर गिरोह करता था साईबर ठगी

8 करोड़ की साइबर ठगी करने वाले जिम संचालक समेत 4 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

स्वाट टीम क्राइम ब्रांच ने शनिवार को एपीके फाईल डाउनलोड कराकर साईबर ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश गैंग के 04 शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कुल 8 करोड़ की ठगी व एनसीआरबी पोर्टल पर दर्ज 34 शिकायतो का अनावरण करते हुए कब्जे से 04 मोबाईल फोन व 50 रुपए नकदी बरामद किया है। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध पीयूष सिंह ने बताया कि स्वाट टीम ने स्वाट टीम क्राइम ब्रांच ने एपीके फाईल डाउनलोड कराकर व गैंमिग व स्टाक मार्किट निवेश के नाम पर रुपयो की साईबर ठगी करने वाले भास्कर उपाध्याय, मोहसिन, गौरव व उस्मान अहमद को गिरफ्तार किया है। इन्हें थाना कोतवाली क्षेत्र के महादेव होटल बजरिया के पास से व अरीना फिटनेस जिम से गिरफ्तार। कब्जे से 04 मोबाइल फोन व 50 हजार रुपए नकदी बरामद हुई है। पूछताछ पर पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि हम व हमारे अन्य साथी पूरे भारतवर्ष मे एपीके फाइल एप के माध्यम से बडे फर्जी खाता धारकों के साथ गैंमिग, स्टाक मार्किट निवेश के नाम पर करोड़ों रुपयों की ठगी करते है भास्कर जो अरीना फिटनेस जिम का संचालक है। अपने एसबीआई बैंकखाता में लगभग 15 दिनों के अंदर लगभग 8 करोड़ रुपए की साइबर फ्राड की धनराशि अपने साथी रोनी उर्फ अमन व तरुण चौधरी व गौरव मिश्रा आदि के साथ मिलकर भारतवर्ष मे एपीके एप फाईल को जनता के व्यक्तियों के मोबाईल फोन व सिस्टम के अंदर डाउनलोड कराकर साइबर फ्राड की घटनाओ को अंजाम दिया है। साइबर के एनसीआरबी पोर्टल पर चैक करने पर 34 शिकायतें दर्ज पाई गयी जिसमें आन्ध्र प्रदेश की 02, गोवा की 02, केरल की 01, पंजाब की 01, दिल्ली की 01, राजस्थान की 03, तमिलनाडू की 04, उ.प्र. की 02, पश्चिम बंगाल की 03, झारखंड की 01, मप्र की 01, बिहार की 01, कर्नाटका की 03, तेलांगना की 01, महाराष्ट्र की 03, ओडिशा की 01, हरियाणा की 04, शिकायतें दर्ज पाई गईं है। यह भी जानकारी मिली है कि साइबर फ्राड के रुपए को यूएसडीटी डालर मे बदलकर हवाला के माध्यम से अपने साथियों में आपस मे बाँट लेते हैं।

एक आरोपी गिरफ्तार, आलाकत्ल कैंची बरामद

शराब पीने के दौरान विवाद होने पर युवक के सीने में चाकू घोपकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियबाद

विजयनगर थाना क्षेत्र की शिवपुरी कालोनी में शुक्रवार की रात में शराब पीने के दौरान विवाद बढ़ने पर दो युवकों ने एक युवक की सीने में कैंची घोंपकर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस में मामले में बागू निवासी पवन नामक युवक को युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार की रात को करीब आठ बजे ठेली पर कुछ युवक शराब पी रहे थे। तभी उनमें विवाद हो गया। दो युवकों ने रविंदर कुमार नामक युवक के सीने में कैंची घोप दी। रविंदर कुमार लहूलुहान होकर गिर गया। आरोपियों ने सीने में कैंची से कई प्रहार किए और भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची घायल रविंदर को विजयनगर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, हालत को गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया। रविंदर को परिजन यशोदा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया।

मोदीनगर में किन्नरों के बीच गंगवार की आशंका

गाजियाबाद। किन्नरों के बीच गैंगवार की आंशका के मद्देनजर मोदीनगर पुलिस ने बीते मार्च में हुई ढोलक वादक अलबख्श हत्याकांड में 12 लोगों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। यहां पर किन्नरों के दो पक्षों में बधाई के क्षेत्र बटवारे को लेकर विवाद के चलते ढोलक वादक अलबख्श की हत्या कर दी गई थी। इससे पहले भी इस विवाद में दोनों पक्षों के दो लोगों की हत्या हो चुकी है। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि किन्नर पूजा और निशा पक्ष में बधाई मांगने को लेकर क्षेत्र बटवारे का विवाद चल रहा है।

खनन टीम पर हमला करने के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पाली क्रेशर जोन में 15 अक्टूबर को नाका चैकिंग के दौरान खनन विभाग की टीम के साथ हाथापाई कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस चौकी पाली की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय उपायुक्त पुलिस आई.जी.आई. एअरपोर्ट, नई दिल्ली

आई.जी.आई. एअरपोर्ट यूनिट, नई दिल्ली-110037,
टेलीफोन नंबर 011-25652325, ई-मेल: sho-igiairport-dl@gov.in

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आई.जी.आई. एअरपोर्ट पुलिस द्वारा दिल्ली पुलिस अधिनियम 1978 की धारा 66 के तहत जब्त किए गए और वर्तमान में आई.जी.आई. एअरपोर्ट यूनिट के थानों में रखे गए विभिन्न मॉडल्स के निम्नलिखित लावारिस मोटर वाहनों का शीघ्र ही एमएसटीसी लिमिटेड नीलामी द्वारा निपटान करेगी। इनमें से किसी भी वाहन का यदि कोई दावाकर्ता है तो वे स्वामित्व के प्रमाण में सभी संगत दस्तावेजों के साथ संबंधित थाना अध्यक्ष से 02.12.2025 को या इससे पूर्व व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते हैं, 02.12.2025 के बाद किसी भी दावे पर विचार नही किया जाएगा और वाहनों का नीलामी के जरिए निपटान कर दिया जाएगा।

दिल्ली पुलिस अधिनियम 1978 की धारा 66 के तहत जब्त लावारिस वाहनों की सूची।

क्रं. सं.	पुलिस थाना	डी डी नंबर	तारीख	पंजीकरण संख्या	इंजन नंबर	चेसिस नंबर	वाहनों के प्रकार
1.	आई.जी.आई.ए	40A	08.10.2021	DL4CNE1182	45392	01506	टोयोटा (किर्लोस्कर)
2.	आई.जी.आई.ए.	36A	09.08.2022	DL5SAX8689	42579	62258	हीरो हौंडा स्प्लेंडर
3.	आई.जी.आई.ए	77A	19.09.2022	HP38C1547	13667	13667	रॉयल इनफील्ड (बुलेट)
4.	आई.जी.आई.ए	93A	11.07.2023	DL8SBU0330	48856	04098	हीरो हौंडा (सी डी डीलक्स)
5.	आई.जी.आई.ए	55A	17.03.2025	DL8SNC8295	24243	43635	बजाज पल्सर
6.	आई.जी.आई.ए	55A	17.03.2025	UP32AS0886	104900	57537	एल.एम.एल.फ्रीडम
7.	आई.जी.आई.ए	55A	17.03.2025	AP24P2798 (गलत नंबर प्लेट)	-	-	टी.वी.एस. अपाचे

हस्ता./-
अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस
नई दिल्ली

DP/9812/IGIA/2025

वर्ष 1994 में हेलीमंडी के अस्पताल में हुई थीं स्टाफ नर्स नियुक्त

भावुकता भरे पलों के बीच सेवानिवृत्त हुईं असिस्टेंट मेटर्न नीलम मल्होत्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

किसी कर्मचारी, अधिकारी के सेवानिवृत्ति के पल वह पल होते हैं, जब उसके पूरे कार्यकाल की यादें उसके सहकर्मियों के जहन में ताजा हो जाती हैं। वे पल उस समय और ज्यादा खास हो जाते हैं जब सेवानिवृत्त होने वाले के लिए किसी की आंखें नम हों तो किसी की आंखों में अश्रुधारा हो। कुछ ऐसा ही नजारा आज देखने को मिला गुरुग्राम के सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल की असिस्टेंट मेटर्न (एसएनओ) नीलम मल्होत्रा की सेवानिवृत्ति समारोह में। नीलम मल्होत्रा की वर्ष 1994 में

गुरुग्राम जिला के हेलीमंडी अस्पताल में बतौर स्टाफ नर्स नियुक्ति हुई थी। एक साल तक वे वहां पर रहीं और वर्ष 1995 में उनकी तबादला गुरुग्राम जिला नागरिक अस्पताल में हो गया। तब से लेकर अब वर्ष 2025 में सेवानिवृत्ति की तारीख तक असिस्टेंट मेटर्न नीलम मल्होत्रा अपने काम को पूजती रही हैं। अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ की ओर से उनकी सेवानिवृत्ति पर उनके सम्मान में शहर के ओल्ड रेलवे रोड स्थित राजवंशी में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल के पीएमओ डा. लोकवीर सिंह ने असिस्टेंट मेटर्न नीलम मल्होत्रा को पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। यह पहल बेहद ही भावुकता भरे थे। हर कोई भावुक नजर आया।

जो ज्यादा भावुक हुआ उसकी आंखों से अश्रुधारा भी बह चली। इस दौरान नीलम मल्होत्रा के पति विनीत मल्होत्रा, बेटा-बेटी व अन्य परिवारजन भी भावुक हो गए।

अयोध्या में शुभ मुहूर्त के दौरान लाखों भक्तों ने शुरू की पंचकोसी परिक्रमा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में शनिवार को सुबह भोर चार बजकर दो मिनट पर पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ हुआ।

शुभ मुहूर्त में लाखों रामभक्तों ने जय श्रीराम के गगनभेदी नारों के साथ परिक्रमा प्रारंभ की। श्रीराम की नगरी में आस्था अपने चरम पर है। हर ओर भक्ति का सागर उमड़ा हुआ है। भगवान श्रीराम की पवित्र भूमि की लगभग 15 किलोमीटर की परिधि में होती है और रात दो बजकर 57 मिनट तक चलेगी। देशभर के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैं। भक्तों ने पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ परिक्रमा पथ पर चलकर भक्ति और विश्वास की अद्भुत मिसाल पेश की है। जगह-जगह मंदिरों में भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण और राम नाम संकीर्तन का आयोजन हो रहा है। पूरा नगर जय श्रीराम के नारों से गूंज रहा है और हर ओर उत्सव जैसा वातावरण बना हुआ है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ ही ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है।

खास बातें

- जय श्रीराम के गगनभेदी नारों के साथ परिक्रमा प्रारंभ हुई
- रात दो बजकर 57 मिनिट तक चलेगी परिक्रमा
- देशभर के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे

रामनगरी की आस्था और भक्ति का यह अद्भुत संगम

स्वास्थ्य शिविर, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है। चौदह कोसी परिक्रमा की सफलता के बाद अब पंचकोसी परिक्रमा ने अयोध्या को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार पंचकोसी परिक्रमा मोक्षदायिनी मानी जाती है। यह न केवल पापों का नाश करती है बल्कि श्रद्धालुओं के जीवन को पवित्र और कल्याणकारी बनाती है। रामनगरी की आस्था और भक्ति का यह अद्भुत संगम श्रद्धालुओं के हृदय में आजीवन अमिट छाप छोड़ रहा है।

लेट-लेटकर की भक्तों ने पंचकोसी परिक्रमा

अयोध्या में 15 किमी लंबी पांच कोसी परिक्रमा चल रही है। प्रशासन के मुताबिक, शनिवार तड़के से श्रद्धालु सरयू स्नान करने के बाद परिक्रमा कर रहे हैं। जय श्रीराम के जयकारों के बीच नंगे पांव आगे बढ़ रहे हैं। राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड और गुजरात समेत 10 राज्यों के लोग पहुंचे हैं। एक पिता बेटे को कंधे पर बैठाकर परिक्रमा करता नजर आया। वहीं, एक युवक लेट-लेटकर आगे बढ़ रहा है। कुछ भक्त ढोलक, मंजीरा लेकर पहुंचे हैं। वहीं, महिलाओं ने 'चढ़ गया भगवा रंग' गाने पर जमकर डांस किया। परिक्रमा को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। पुलिस ने रास्ते में जहां फिसलन थी, वहां तत्काल पुआल बिछवाया। राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी है।

खबर संक्षेप

डंपर की टक्कर से बाइक के उड़े परखच्चे, 3 की मौत

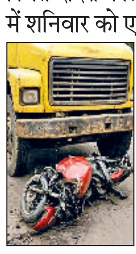

लखनऊ। यूपी के ग्रेटर नोएडा स्थित दादरी कोतवाली क्षेत्र में क्षेत्र में शनिवार को एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा हायर कंपनी के निकट हुआ। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान मोंटू (19), श्वेत (19) और रोहित (20) के रूप में हुई है। तीनों युवक गांव शेरपुर थाना सिकंदराबाद जनपद बुलंदशहर के निवासी थे।

मुजफ्फरपुर में सड़क हादसाः एक की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के बोचहा थाना क्षेत्र के आदि गोपालपुर एनएच-57 के पास शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से कार का दरवाजा काटकर बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दरभंगा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही असम नंबर की एक लग्जरी कार अचानक अनियंत्रित होकर पहले

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: सीवान में जमकर बरसे योगी

बिहार में खानदानी माफिया और माफियाराज की वापसी बर्दाश्त नहीं

▶▶ योगी आदित्यनाथ ने सिवान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर यूपी में दंगा करोंगे तो भीख भी नहीं मिलेगी, वही बिहार में खानदानी माफिया और माफियाराज की वापसी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यूपी में माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई का जिक्र किया और बिहार को चंद्रगुप्त-चाणक्य के समय जैसा वैभव लौटाने का वादा किया। योगी ने आरजेडी और कांग्रेस पर अपराध, परिवारवाद और विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने राम मंदिर निर्माण और सीतामढ़ी में मां जानकी मंदिर के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए विकसित बिहार और रामराज्य के लिए एनडीए उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की।

एजेंसी ▶▶ सिवान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के सिवान विधानसभा क्षेत्र में भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि बिहार में किसी भी हाल में खानदानी माफिया और माफियाराज की वापसी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वही सीएम योगी ने कहा कि यूपी में दंगा करोगे तो भीख भी नहीं मिलेगी।

बता दे कि मौसम की प्रतिकूलता, लगातार बारिश के बावजूद सभा में उमड़ी भीड़ और उत्साह को देखते हुए उन्होंने उपस्थित जनसमूह का हृदय से अभिनंदन किया और कहा कि सिवान की धरती पर फिर से भय और दहशत की सत्ता नहीं बैठने देंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एनडीए सरकार बिहार में चंद्रगुप्त और चाणक्य के समय जैसा वैभव वापस लाएगी, बिहार को फिर से स्वर्णयुग की ओर ले जाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि नालंदा विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने वालों के वंशज आज राजनीतिक इस्लाम की मंशा लेकर विकास को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

एक खानदानी माफिया सिवान पर फिर से कब्जा करना चाहता है

योगी आदित्यनाथ ने बिहार में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश में भी जनता के उत्साह का आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मैं परसों रघुनाथपुर में आया था, क्योंकि एक खानदानी माफिया वहां पर फिर से कब्जा करना चाहता है। यूपी में हमने बुलडोजर से रौंद-रौंद कर ऐसे माफियाओं का कचूमर निकाल करके यूपी की धरती से जहन्नुम के रास्ते खोल दिये हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सीता मइया की धरती पर कोई मारीच और सुबाहू फिर से सिर न उठा सकेगा।

मानव तो दूर पशुओं का चारा हजम कर गए लोग

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरजेडी के समय बिहार में अपराध और अपहरण एक उद्योग बन चुका था। आरजेडी के राज में किस प्रकार की अराजकता, गुंडागर्दी और परिवारवाद हावी थी, एक ही परिवार के नातेदार-रिश्तेदार पूरे बिहार को रौंदने का काम कर रहे थे। युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा कर रहे थे।

लड़ाई केवल सत्ता की नहीं, बिहार की अस्मिता की है

योगी आदित्यनाथ ने विरोधी दलों पर निशाना साधने हुए कहा कि कई लोग अपने-अपने तरीके से लोगों की आखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं, जिन्होंने बिहार के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था और जिनके कारण सिवानवासी भय और दहशत में जीने को मजबूर थे। उन्हें दोबारा वापस किसी भी हाल में आने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई केवल सत्ता की नहीं, बल्कि बिहार की अस्मिता की लड़ाई है। बिहार की आन-बान-शान और गौरवशाली परंपरा को पुनर्प्रतिष्ठा प्रदान करने की लड़ाई है। बिहार को फिर से स्वर्ण युग की ओर ले जाने की लड़ाई है। बिहार ने पूरे भारत को स्वर्णयुग का दर्शन कराया था। योगी ने कहा कि भारत तब विकसित होगा जब बिहार विकसित होगा। जब बिहार विकसित होगा तो भारत को विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता।

बहुत अच्छे ढंग से माफिया के जहन्नुम के टिकट काटे गए

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये एनडीए है, जो झूठे वायदे नहीं करता। हम करते हैं फिर बोलते हैं। एनडीए ने कहा था कि आएंगे तो राममंदिर बनाएंगे, बन गया। कहा था कि माफियाराज समाप्त करेंगे, समाप्त हो गया। दंगा नहीं होगा, तो यूपी में अब कोई दंगा नहीं कर सकता। यूपी में सब चंगा है। दंगा करने वालों को बता दिया गया है कि दंगा करोगे तो खानदानी प्रॉपर्टी जाएगी और कोई भीख भी नहीं देगा। दंगाइयों की संपत्तियों को जब्त करके गरीबों का मकान बनाने का हमने काम किया है। हमने कहा था मफियाराज सदैव के लिए समाप्त करेंगे, तो बहुत अच्छे ढंग से माफिया के जहन्नुम के टिकट काटे गये। बिहार अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। एनडीए की सरकार जो बोलती है वो करके दिखाती है।

22 देशों के 45 सदस्यीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ पहुंचे

यूपी में निवेश की संभावना टटोलने आया विदेशी दल

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावना टटोलने के लिए 22 देशों के 45 सदस्यीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ दौरे पर है। इसमें मध्य और दक्षिण अमेरिका के साथ कैरेबियन के प्रतिनिधि हैं। यह महत्वपूर्ण राजनयिक आदान-प्रदान इंवेस्ट यूपी द्वारा आयोजित किया गया है। प्रतिनिधिमंडल रविवार तक रहेगा। इसका उद्देश्य राज्य की मजबूत औद्योगिक वृद्धि, निवेश की संभावनाओं और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करना है। प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ का दौरा किया। उन्होंने अकादमिक नेताओं और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संभावित साझेदारियों पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों और शैक्षणिक कार्यक्रमों, छात्र विनिमय पहलों और एआई पाठ्यक्रमों के एकीकरण के बारे में जानकारी ली।

इसके बाद, प्रतिनिधियों ने एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय का दौरा किया। तकनीकी शिक्षा में सहयोग की संभावनाओं और राज्य की तकनीकी शिक्षा और नवाचार में विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए विभिन्न निवेश के अवसरों पर चर्चा की। इस यात्रा में एचसीएल आईटी सिटी का दौरा भी शामिल है। प्रतिनिधियों को प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार में सहयोग के अवसरों के साथ विकसित आईटी की जानकारी देगा। व्यावसायिक चर्चाओं के अलावा, प्रतिनिधि यूपी की सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव करेंगे, ऐतिहासिक बड़ा इमामबाड़ा का दौरा करेंगे और पारंपरिक अवधी भोजन का आनंद लेंगे, जो क्षेत्र की पाक कला को उजागर करता है। यह यात्रा उत्तर प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने में मदद करेगी।

पुलिस और स्मगलरों के बीच क्रॉस फायरिंग में गई जान

झारखंड के युवक की सऊदी अरब में मौत

रांची। झारखंड के गिरिडीह जिले के एक युवक की सऊदी अरब में मौत हो गई। बताया जाता है कि सऊदी अरब पुलिस एक अभियान चला रही थी। इसी दौरान युवक भी वहां पहुंच गया और गोली लगने से घायल हो गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड के मधगोपाली पंचायत के दुधपनिया निवासी प्रवासी मजदूर विजय कुमार महतो की सऊदी अरब में मौत हो गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक जयराम कुमार महतो ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को

पेज एक का शेष

प्रदेश को दी....

लोगों को मिला है। रायपुर के एक निजी विद्यालय के सभागार से शुरू हुआ विधानसभा विशाल भवन तक पहुंच गया। इस दौरान विधानसभा के नए भवन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी किया। पीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा के लिए आज का दिन एक स्वर्णिम शुरूआत का दिन है और मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर ये बहुत ही सुखद दिन है, अहम दिन है। मेरा बीते कई दशकों से इस भूमि से बहुत आत्मीय नाता रहा है।

अटलजी का सपना ....

रहा है तो मन कह उठता है, अटल जी जहां भी हों, अटल जी देखिए आपका सपना साकार हो रहा है।

500 दर्शक क्षमता...

है। पूरे भवन की वास्तुकला को आधुनिक और पारंपरिक शैलियों का मिला-जुला रूप दिया गया है। छत्तीसगढ़ के एक नवंबर, 2000 को अस्तित्व में आने के साथ ही राज्य विधानसभा का भी गठन हुआ था।

'देव से देश'....

विनाश का संकल्प लें। आतंकवाद के विनाश का संकल्प लें। राम से राष्ट्र का अर्थ है सुशासन और जनकल्याण का राज, सबका साथ सबका विकास की भावना से शासन। राम से राष्ट्र का अर्थ है ऐसी जगह जहां कोई न दुखी हो न गरीब हो। जहां समाज गरीबी से मुक्त होकर आगे बढ़े। ऊंच नीच के भाव से समाज मुक्त हो।

तीजनबाई के परिजन...

जाना है। तीजनबाई की सेहत के बारे में हमसे पूरी जानकारी ली।

आज नवादा में ....

रहेंगे। जिला प्रशासन और एसपीजी के बीच समन्वय बैठकें जारी हैं। जनता से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। जिले में उत्साह का माहौल है।

खरगे को इतिहास ....

कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संघ पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के मौके पर उन्हें याद करते हुए खरगे ने कहा था कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था।

एक साल में 10 हजार नए स्थानों पर संघ कार्य प्रारंभः उन्होंने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के आंकड़े संघ कार्य के फैलाव को दर्शाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 59,343 मंडलों में से 37,250 मंडलों में कार्यक्रम हुए। इस प्रकार 50,096 मंडलों का प्रतिनिधित्व रहा। कुल मिलाकर 62,555 विजयादशमी उत्सव हुए। इन कार्यक्रमों में 32,45,141 स्वयंसेवक गणवेश में उपस्थित रहे। देश में 25,000 स्थानों पर पथ संचलन हुए, इनमें 25,45,800 स्वयंसेवक गणवेश में सहभागी हुए। अंडमान में भी कार्यक्रम हुआ, लद्दाख, अरुणाचल, मेघालय व नगालैंड में भी हुआ है। पिछले वर्ष अक्टूबर में हुई बैठक के बाद से संघ कार्य की दृष्टि से एक साल में 10 हजार नए स्थानों पर संघ कार्य प्रारंभ हुआ है। वर्तमान में 55052 स्थानों पर 87398 शाखाएं लग रही हैं जो पिछले वर्ष से 15000 अधिक हैं। इसके अतिरिक्त साप्ताहिक मिलन 32362 हैं। यह दोनों मिलाकर कुल स्थान 87414 होती है।

भाजपा से इसलिए....

है। जातिगत जनगणना वहीं तक उचित है जहां तक इसके दुष्परिणाम जातिगत सामाजिक बुराई को न बढ़ाएं। लिविंग रिलेशनशिप संबंधी प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ये सामाजिक बुराई है। इससे समाज को आंकलन करना है,गलत है तो प्रयास भी समाज को करना है। भाजपा और संघ की घनिष्ठता पर उन्होंने कहा ओर दल कम स्वयंसेवकों को पदाधिकारी बनाते हैं। भाजपा ज्यादा। इसलिए नजदीकी है। चुनाव में संघ की भूमिका अधिक और सार्थक मतदान कराने की होती है। मणिपुर में जल्द राज्य सरकार का गठन हो वहां की जनता ओर संघ दोनों चाहते हैं।

सीढ़ियों की रैलिंग....

मौत नहीं हुई है। घटना में केवल 9 लोगों की जान गई है, जिसमें एक 12 साल का बच्चा भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि यह मंदिर सरकारी नहीं था। यह एक निजी मंदिर है, जिसका हाल ही में निर्माण हुआ है। हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल गिरने के कारण हुआ। लोगों का लगा कि कुछ गिर रहा है और सभी घबरा गए। पुलिस ने कहा कि कोई भगदड़ नहीं हुई। लोग 6 फीट की ऊंचाई से गिरे, इससे एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और हादसा हो गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह दुर्घटना मंदिर के मालिक की गलती के कारण हुई है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, न ही उन्हें अनुमति दी गई थी। पीएम मोदी व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। आंध्रप्रदेश सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' के तहत मामला दर्ज किया गया है। काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को 4 महीने पहले अगस्त में दर्शन के लिए खोला गया था। मंदिर 13 एकड़ में फैला है। निर्माण में 10 साल लगे।

मंदिर पहली मंजिल की ऊंचाई पर स्थित : आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगालापुडी अनीता ने कहा कि मंदिर पहली मंजिल की ऊंचाई पर स्थित है। जब भक्त ऊपर चढ़ रहे थे, तभी रैलिंग टूट गई और कोने में खड़े लोग गिर गए। कुछ लोग उनके ऊपर गिर गए। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। उधर, स्वास्थ्य मंत्री सत्य प्रकाश ने दावा किया कि शनिवार को 25 हजार से ज्यादा लोग दर्शन के लिए पहुंच गए थे, जबकि मंदिर की क्षमता इतनी नहीं है।

हादसे के बाद कई महिलाएं बेहोश हो गईं: हादसे के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें मंदिर की सीढ़ियों पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। इनमें महिलाएं, बच्चें और कई बुजुर्ग भी थे। इसी दौरान रैलिंग गिर गई और लोग भीड़ से दबने लगे। महिलाएं और बच्चे बाहर निकलने के लिए चीखते-चिल्लाते दिखे। कई तो अपनी जान बचाने के लिए लोगों के ऊपर चढ़कर निकलते दिखे। वहीं, हादसे के बाद के वीडियो में लोग भीड़ में दबी महिलाओं और बच्चों को बाहर निकालते दिखे। महिलाएं भगदड़ वाली जगह पर इधर-उधर बेसुध पड़ी दिखाई दीं। लोगों भीड़ में से महिलाओं को उनके हाथ-पैर पकड़कर खींचते दिखाई दिए।

सीएम नायडू बोले- भीड़ की सूचना होती तो हादसा न होताः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह मंदिर निजी व्यक्ति द्वारा बनाया गया था और एकादशी के दिन यहां भारी संख्या में भक्त इकट्ठा हुए थे। आयोजकों ने पुलिस या स्थानीय प्रशासन को किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी थी, जिससे सुरक्षा इंतजाम हो सके। यदि पहले से पुलिस को सूचना मिल जाती तो भीड़ नियंत्रण आसान हो जाता और इस दर्दनाक घटना से बचा जा सकता था।

हरियाणा की पारदर्शी ...

युवाओं को नियमित सरकारी पदों पर नियुक्त किया गया है, जबकि 1,20,000 युवाओं को हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार हरियाणा को इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और समावेशी विकास के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि डबल इंजन सरकार के चलते प्रदेश में विकास की गति दोगुनी हुई है। इसी का परिणाम है कि वर्तमान राज्य सरकार ने अपने संकल्प पत्र के 217 में से 48 वादों को केवल एक वर्ष में पूरा कर दिखाया है, जबकि 158 वादों पर कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा के साथ-साथ उनके कौशल विकास पर भी बल दे रही है। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस का सुदृढ़ इकोसिस्टम तैयार किया गया है। पिछले 11 वर्षों में राज्य में 12,20,872 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का पंजीकरण हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 28,377 करोड़ 59 लाख रुपये का निवेश संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में 9,500 से अधिक स्टार्टअप्स कार्यरत हैं तथा 19 यूनिकॉर्न कंपनियां भी हरियाणा में हैं। इससे स्पष्ट है कि हरियाणा समृद्धि की नई परिभाषा लिख रहा है और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। किसानों के हित में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण सरकार की नीतियों का केंद्र है। राज्य में सभी 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर की जा रही है तथा फसल बेचने के 48 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल खराबे पर किसानों को अब तक 15,627 करोड़ का मुआवजा दिया जा चुका है।

किसी देश के...

पर आयोजित किए गए 12वें आसियान और उसके सहयोगी देशों के सम्मेलन का। जिसे संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और दबाव मुक्त रहना चाहिए। इलाके में कानून के शासन पर भारत का जोर खासतौर पर समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस), नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन करना किसी देश के खिलाफ नहीं है। बल्कि इसका संबंध सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा से जुड़ा हुआ है। भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमता पर ही टिकी हुई नहीं होगी। बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल, वास्तविक ढांचे की सुरक्षा और मानवीय आपदाओं के खिलाफ सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। राजनाथ ने ये भी कहा, एडीएमएम-प्लस वह पुल बन सकता है। जो सामरिक संवाद को व्यवहारिक परिणामों से जोड़ता है और क्षेत्र को शांति, साझा समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाता है। यहां बता दें कि रक्षा मंत्री की ये टिप्पणी बीते शुक्रवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक में क्षेत्र की स्वतंत्रता, खुलेपन और विधि के शासन को बनाए रखने के लिए दोहराई गई प्रतिबद्धता वाले बयान के ठीक अगले दिन की गई है। जिसमें हालांकि उन्होंने चीन का कहीं पर भी नाम सहित उल्लेख नहीं किया है।

हिंद-प्रशांत का सुरक्षा दृष्टिकोणः हिंद-प्रशांत के लिए भारत का सुरक्षा दृष्टिकोण रक्षा सहयोग को आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी साझाकरण और मानव संसाधन उन्नति के साथ जोड़ना है। जबकि आसियान के साथ साझेदारी सुरक्षा, विकास और स्थिरता के बीच अंतर्संबंध पर केंद्रित है। एडीएमएम-प्लस को 16 साल हो चुके हैं। ऐसे में भारत मतभेदों की जगह पर संवाद को बढ़ावा देने, शांति और स्थिरता को सुनिश्चित करने वाले क्षेत्रीय तंत्रों को मजबूत करने के लिए साझा हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। हमारी पूर्व की ओर देखो नीति और व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक अभिन्न हिस्सा है। आसियान और सहयोगी देशों के साथ रक्षा सहयोग को क्षेत्रीय शांति, स्थिरता व क्षमता निर्माण में योगदान के रूप में देखा जाता है।

डेढ़ दशक के अनुभव से मिली सीखः राजनाथ सिंह ने कहा कि बीते डेढ़ दशक का अनुभव यह स्पष्ट सबक देता है कि समावेशी सहयोग कारगर है, क्षेत्रीय स्वामित्व वैधता का निर्माण करता है और सामूहिक सुरक्षा व्यक्तिगत संप्रभुता को मजबूत करती है। यह तमाम सिद्धांत आगामी वर्षों में आसियान-प्लस और आसियान को लेकर देश के नजरिए का मार्गदर्शन करते रहेंगे। आसियान के साथ भारत का जुड़ाव एडीएमएम-प्लस से भी पहले का है। लेकिन मौजूदा व्यवस्था ने इसे एक उपयुक्त रक्षा मंच प्रदान किया है। जो इसके राजनयिक और आर्थिक पहलुओं का पूरक है। वर्ष 2022 में हमारी साझेदारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में तब्दील हुई। जो न केवल राजनीतिक संबंधों की मजबूती का प्रमाण प्रस्तुत करती है। बल्कि उसके साथ ही क्षेत्रीय प्राथमिकताओं में अनुरूपता को भी प्रदर्शित करती है।

भारत ने निभाई रचनात्मक भागीदारीः उन्होंने बताया, इस रक्षा मंच की स्थापना के बाद से भारत एक सक्रिय और रचनात्मक भागीदार रहा है। जिसने हमारी विभिन्न पहलों को आसियान के रणनीतिक दृष्टिकोण के हिसाब से गढ़ने में काफी मदद प्रदान की है। यह सुनिश्चित हुआ है कि भारत की भागीदारी आसियान तंत्रों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की जगह पर उन्हें सुदृढ़ता प्रदान करे। बीते वक्त में भारत ने तीन विशेषज्ञ कार्य समूहों की सह-अध्यक्षता की है। जिसमें 2014 से 2017 तक वियतनाम के साथ मानवीय खनन कार्रवाई, 2017 से 2020 तक म्यांमार के साथ सैन्य चिकित्सा, 2020 से 2024 तक इंडोनेशिया के साथ मानवीय सहायता-आपदा राहत पर और वर्तमान में 2024 से 2027 तक मलेशिया के साथ आतंकवाद निरोधक समूह पर हम साथ हैं।

खतरों से मुकाबला....

उभरते हुए खतरों से दो-दो हाथ करने में सक्षम हों और अल्पकालिक की बजाय दीर्घकालिक सहयोग पर आधारित हों। भारत के ये सिद्धांत उसके अपने रणनीतिक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। रक्षा मंत्री के मुताबिक, आसियान के साथ हमारी रणनीतिक भागीदारी सिर्फ लेन-देन वाली नहीं बल्कि दीर्घकालिक व सिद्धांत चालित होने के साथ ही उक्त साझा विश्वास पर ही टिकी हुई है। इसके अलावा भारत महासागर की भावना के तहत बातचीत, साझेदारी और व्यावहारिक सहयोग के जरिए रचनात्मक योगदान को जारी रखने के लिए तैयार है।

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

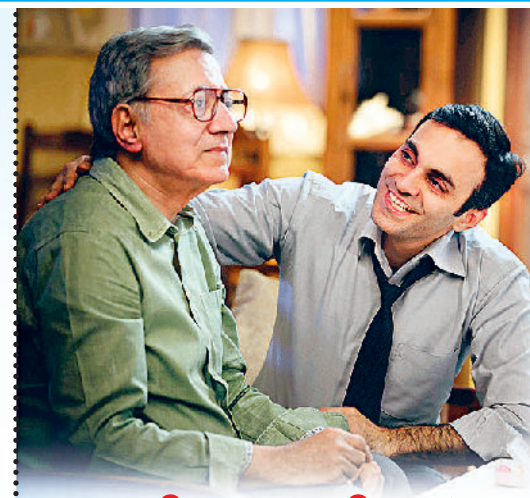

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

आत्मानुभूति का द्वार मौन

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ को मिला लोकतंत्र का नया मंदिर: पीएम मोदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के दौरे के दौरान राज्य स्थापना दिवस के समारोह समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और अवलोकन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज ही छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर और नया विधानसभा भवन मिला है।

यहां आने से पहले भी मुझे आदिवासी संग्रहालय के लोकार्पण करने का अवसर मिला। इस मंच से भी लगभग 14 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2000 के बाद छत्तीसगढ़ में एक पूरी पीढ़ी बदल गई है, जिसने 2000 से पहले का दौर नहीं देखा। जब राज्य बना था, तब गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। गांवों में सड़कें नहीं थीं। आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सड़कों का जाल 40,000 किलोमीटर तक पहुंच गया है।

छग में अनेक योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया

अटल जी ने सौंपा था सपनों का छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 25 साल पहले अटल जी की सरकार ने आपके सपनों का छत्तीसगढ़ आपको सौंपा था, साथ ही ये संकल्प भी लिया था कि छत्तीसगढ़ विकास की नई बुलंदी छूएगा। छत्तीसगढ़ आज विकास के पथ पर तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है। इन विकास कार्यों के लिए आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ राज्य के गठन होने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती महोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे के दौरान सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

75 साल की महिला ने दुपट्टे का फंदा बनाकर लगाई फांसी

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित जे सेक्टर में 75 साल की महिला ने घर की गैलरी में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि गत वर्ष उनके बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। जिसके बाद से वह तनाव में थी। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार द्रौपती बाई पति गणेश अहिरवार (75) जे सेक्टर में रहती थी। 25 साल पूर्व पति के निधन के बाद उन्होंने दूसरी शादी गणेश अहिरवार से की थी। गणेश ई-7 अरेरा कॉलोनी में चौकीदारी करता है।

सफाई कर्मी पर बदमाशों ने किया तलवारनुमा चाकू से हमला, घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित कस्तूरबा मार्केट के पास शुक्रवार सुबह एक्टिवा से मुंह पर कपड़ा बांधकर आए बदमाशों ने सफाईकर्मी पर तलवारनुमा चाकू से हमला कर दिया। उन्हें माथे पर गंभीर चोट आई हैं। पुलिस ने अज्ञात एक्टिवा सवार बदमाशों पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, महेश कल्याणी पिता रामचन्द्र (42) कांजी हाउस के पीछे अन्ना नगर, गोविन्दपुरा में रहते हैं। उन्होंने बताया

कि कस्तूरबा अस्पताल के सामने हबीबगंज सब्जी मंडी में झाड़ू लगाने का काम करते हैं। शुक्रवार सुबह वह बेटे को लेकर कस्तूरबा मार्केट सफाई करने गए थे। झाड़ू लगाने के बाद उन्होंने बेटे को कचरे वाले गाड़ी से पहुंचा दिया, जबकि वह बाइक से दूसरी जगह सफाई करने जाने लगे। इसी दौरान काले रंग की एक्टिवा से आए दो युवकों में पीछे बैठे युवक ने उन पर तलवारनुमा चाकू से हमला कर दिया। गनीमत रही कि तलवारनुमा चाकू उन्हें माथे में ठीक से लगा नहीं और कम चोट आई।

खबर संक्षेप

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल 'थैंक्स-ए-डॉट'

इंदौर। एक ऐसा अभियान जिसने न सिर्फ महिलाओं को जागरूक किया बल्कि सम्पूर्ण देश में एक नई मिसाल कायम कर दी। 'थैंक्स-ए-डॉट' पहल के तहत कंपनी ने 1,191 'हग ऑफ लाइफ' हॉट वॉटर बैग्स से बना दुनिया का सबसे बड़ा मोज़ेक तैयार किया, जिस पर लिखा था- टेक ए ब्रेस्ट सेल्फ-एग्जाम विथ थैंक्स-ए-डॉट। इस अनोखे प्रयास ने एसबीआई लाइफ को गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल कर दिया। कार्यक्रम के दौरान एमडी एवं सीईओ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस अमित झिंगरन, अभिनेत्री एवं स्तन कैंसर सर्वाइवर महिमा चौधरी और गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के स्वप्निल डांगरिकर मौजूद रहे। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री महिमा चौधरी ने इस अवसर पर कहा,इस पहल से जुड़ना मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि यह शुरुआती पहचान के महत्व को बढ़ावा देती है। मैंने खुद स्तन कैंसर का सामना किया है, इसलिए मैं जानती हूं कि समय पर जांच कितनी जरूरी है और नियमित स्व-परीक्षण जीवन बदल सकता है।

महिला सुरक्षा व साइबर फ्रॉड से बताया बचाव

औबेदुल्लागंज। वीर सावरकर कॉलेज में शुक्रवार को किशोरी जागरुकता जनसंवाद एवं साइबर सुरक्षा अभियान अंतर्गत कार्यक्रम किया गया, जिसमें महिला संबधी अपराधों एवं मानव दुर्व्यापार के विरुद्ध जानकारी दी गई व कानूनी अधिकारों के बारे में बताया गया। साइबर फ्रॉड के बारे बताया गया कि सावधान रहे व अनजान लिंक पर क्लिक न करे। साइबर घटना पर तुरंत टोल फ्री नंबर 1930 पर जानकारी दें व नजदीकी पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराए।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती कार्यक्रम

रन फॉर यूनिटी को शौर्य स्मारक से झंडी दिखाकर सीएम, प्रदेशाध्यक्ष ने किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस पर शौर्य स्मारक में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया तथा भारत माता और सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक दौड़, देश की एकता और अखंडता के लिए रन फॉर यूनिटी को शौर्य स्मारक से झंडी दिखाकर रवाना किया।

सरदार पटेल की जयंती पर एकता दौड़ में दौड़े लाखों लोग

भोपाल। देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में राज्य के सभी जिलों और थाना स्तर पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा एकता दौड़ का सफल और व्यापक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना रहा।पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में समस्त इकाइयों, जिला बलों, ट्रैफिक पुलिस, रेल पुलिस, साइबर पुलिस, महिला सुरक्षा इकाइयों ने अपने स्थानीय स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें उत्साह और सहभागिता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा श्रद्धांजलि एवं 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शौर्य स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने सरदार पटेल द्वारा देश की अखंडता एवं राष्ट्र-निर्माण में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान और बलिदानों को स्मरण किया, तत्पश्चात राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने उपस्थित प्रतिभागियों, गणमान्य नागरिकों और प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने राष्ट्रीय एकता दिवस की दिलाई शपथ

सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते सीएस जैन।

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में सुबह 10 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इसके पूर्व सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। शपथ में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने योगदान करने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, केसी गुप्ता, संजय दुबे, संजय कुमार शुक्ल, शिवशेखर शुक्लासहित मंत्रालय, विंध्याचल,सतपुड़ा भवन और पुलिस विभाग के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्यरानी सहित सात ट्रेनों को भोपाल से आरकेएमपी पर शिफ्ट करने की योजना

निशातपुरा स्टेशन कब खुलेगा तय नहीं: अधिकारी बोले दो ट्रेनों के हाल्ट तय, सौगात जल्द मिलने की उम्मीद

भोपाल में रेलवे और सांसदों की पिछली बैठक के अधिकांश प्रस्ताव अभी भी पूरे नहीं हो सके

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निशातपुरा स्टेशन कब खुलेगा यह अभी तय नहीं है। रेलवे अधिकारी बोले बोर्ड ने मालवा एक्सप्रेस सहित दो ट्रेनों के हल्ट को हरी झांडी दे दी है। उम्मीद है की जल्द ही जल्द निशातपुरा रेलवे स्टेशन से रेल यातायात शुरू हो सकता है। यह बात पमरे जोन के वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को पमरे के अंतर्गत आने वाले लोकसभा क्षेत्रों के सांसदों और महाप्रबंधक व डीआरएम के साथ एक निजी होटल में बैठक में कही। इस बैठक में रेलवे की ओर से भोपाल रेल मंडल क्षेत्र में आने वाले 12 सांसदों को बुलाया था। लेकिन सिर्फ चार सांसद ही पहुंचे।

निशातपुरा स्टेशन जल्द शुरू हो,हमारी पूरी कोशिश है

पश्चिम मध्य रेलवे की जीएम शोभना बांदोपाध्याय बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि निशातपुरा स्टेशन पर रेल यातायात जल्द शुरू हो सके, इसको लेकर प्रयास किए जा रहे है। बोर्ड को प्रस्ताव भेजा गया था। इस पर बोर्ड ने दो ट्रेनों के हाल्ट टाइम भी तय कर दिया है। उन्होंने बताया कि निशातपुरा स्टेशन तैयारी है, पश्चिम रेलवे की जो गाड़ी आती है, उनको ऑपरेशन देना आवश्यक है। जीएम मैडम ने कहा कि राज्य रानी एक्सप्रेस को आरकेएमपी पर हाल्ट देने का प्रस्ताव आया है। लेकिन यह ऐसे संभव नहीं हो सकता है। इसके लिए रेलवे बोर्ड के द्वारा तय किया जाता है। एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर ट्रेनों को शिफ्ट करने के दौरान रेलवे को यह देखना होता है। इस बीच कितनी ट्रेनें प्रभावित होगी। रेल यातायात पर क्या असर पड़ेगा। शिफ्ट की गई ट्रेन का मेंटेनेंस कैसे हो सकेगा।

3940 करोड़ से अमृत भारत स्टेशन योजना से स्टेशन हो रहे पुनर्विकसित

जीएम शोभना बांदोपाध्याय ने बताया कि पमरे के 53 रेलवे स्टेशनों को लगभग 3940 करोड़ रुपए की लागत से अधिक से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है जिसमे भोपाल एवं बीना स्टेशनों के मेजर अपग्रेडेशन सहित मंडल के कुल 17 स्टेशन शामिल है। साथ ही इटारसी-भोपाल-बीना के मध्य 237 किलोमीटर चौथी रेल लाइन परियोजना की केन्द्रीय मंत्रीमंडल द्वारा स्वीकृति, मुख्यमंत्री द्वारा 3 करोड़ की लागत से भोपाल स्टेशन पर एक्जीक्यूटिव लांज का शुभारंभ, बीना-इटारसी-खंडवा, बीना-रूठियाई, गुना-ग्वालियर, रूठियाई-मक्सी, रेल खण्डों में कवच 4.0 प्रणाली स्थापित किए गए है। इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक भोपाल पंकज त्यागी ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से मंडल की उपलब्धियों, वर्तमान विकास कार्यों के बारे में एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी।

सरदार पटेल जयंती पर बैठक रखने से नाराज

- सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर बैठक रखने से भाजपा नेताओं ने आपत्ति दर्ज कराई। भोपाल सांसद प्रतिनिधि अंशुल तिवारी ने बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर बैठक नहीं रखना थी, जिसके चलते अधिकांश भाजपा सांसद बैठक में शामिल नहीं हो सके।
- भोपाल सांसद ने प्रतिनिधि के माध्यम से यह प्रस्ताव दिए
- भोपाल से बेंगलुरु के लिए नई ट्रेन शुरू करने की मांग।
- भोपाल स्टेशन पर बैटरी ऑपरेटेड गाड़ियों की फिर से शुरू किया जाए।
- भोपाल एक्सप्रेस (12155/12156) के स्टॉपेज मथुरा में किए जाने की स्थिति पर स्पष्टीकरण मांगा।
- भोपाल क्षेत्र के सभी स्टेशनों पर महिला शौचालय के निर्माण की मांग।
- रानी कमलापति से पुणे जाने वाली ट्रेन (22172/22173) को साप्ताहिक के बजाय नियमित करने की मांग। यह प्रस्ताव पिछले साल भी दिया था।
- रानी कमलापति से सूरत के लिए नई ट्रेन शुरू करने का सुझाव।
- रानी कमलापति स्टेशन पर पुष्पक, गोदावरी कन्याकुमारी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव कराने का प्रस्ताव दिया।

राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर किया नमन

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सुख-समृद्धि, खुशहाली की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सर्वांगीण विकास की कामना की।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकसंस्कृति के अनुरूप पूजा-अर्चना कर राज्य की धरोहर, संस्कृति, मातृशक्ति और स्वाभिमान की प्रतीक छत्तीसगढ़ महतारी को नमन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी अस्मिता, आस्था और गर्व का प्रतीक हैं। यह भूमि मातृशक्ति की आराधना वाली भूमि है और छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद से ही प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आम जनता के जीवन स्तर में सुधार, महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास, युवाओं को रोजगार, आदिवासी समाज की उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही

हैं। सीएम साय ने कहा कि रजत जयंती वर्ष प्रदेश के लिए नई ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक है। आज का दिन विशेष रूप से गौरव का क्षण है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ आगमन हुआ है और राज्य स्थापना दिवस पर अनेक ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद से आने वाले समय में प्रदेश निश्चित ही देश के अग्रणी और समृद्ध राज्यों में अपनी सशक्त पहचान स्थापित करेगा। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित गणमान्य नागरिक और प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

पीएम मोदी के कार्यक्रम में ड्यूटी पर थे तैनाथ

प्रधान आरक्षक की बिगड़ी तबीयत, मृत घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पुलिस लाइन में तैनात प्रधान आरक्षक फुलजेंस पन्ना (51) की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर उनकी ड्यूटी लगी थी। ड्यूटी के बीच अचानक तबीयत खराब होने पर साथियों ने तुरंत उन्हें पुलिस लाइन के अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर उन्हें रामकृष्ण अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। करीब आधे घंटे तक उपचार चलने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मौत का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। शरीर को पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा अस्पताल भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण सामने आ सकेगा। कोतवाली थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फुलजेंस पन्ना मूल रूप से कांकेर जिले में पदस्थ थे। फिलहाल रायपुर पुलिस लाइन में रिजर्व बल के तहत उनकी ड्यूटी चल रही थी। सहकर्मियों ने बताया कि वे लंबे समय से विभाग में सेवा दे रहे थे और अपने मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उनकी अचानक मौत से पुलिस विभाग में शोक की लहर है।

मिलनसार स्वभाव के लिए पहचाने जाते थे

भोपाल का पहला उपनगर कोलार, जहां एक सिक्स लेन तो तीन फोरलेन: रामेश्वर

मंत्री राकेश सिंह ने कहा: हुजूर विधानसभा में जितनी तेजी से विकास कार्य हो रहे उतने तो मेरी विधानसभा में भी नहीं होते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हुजूर विधानसभा आज विकास की एक आदर्श मिसाल बन चुकी है। यहां जनता की बात सुनने की आवश्यकता नहीं पड़ती क्योंकि यहां के विधायक रामेश्वर शर्मा जनता के मन की बात समझते हैं और उसी दिशा में कार्य प्रारंभ कर देते हैं। यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह शुक्रवार को कोलार की पहली 11 करोड़ से बनने वाली व्हाइट टॉपिंग फोरलेन का भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते कही।

राकेश सिंह ने विधायक श्री रामेश्वर शर्मा की विकासोन्मुखी सोच और क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हुजूर विधानसभा आज विकास की एक आदर्श मिसाल बन चुकी है। राकेश सिंह ने कहा कि हुजूर विधानसभा में जितनी तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, उतने तो कई बार मेरी विधानसभा में भी नहीं होते। उन्होंने कहा कि विकास के प्रति समर्पण और संघर्ष सीखना है तो रामेश्वर शर्मा से सीखिए। उन्होंने अपने क्षेत्र को विकास की नई पहचान दी है। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की अध्यक्षता में मंदाकिनी चौराहा से अग्रसेन चौराहा (दानिश) गिरधर परिसर व्हाइट टॉपिंग फोरलेन का भूमिपूजन समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यति, विधायक प्रतिनिधि अनिकेत पांडे, प्रदीप पाटीदार, गुड्डु भदोरिया, राज शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे।

11 करोड़ से व्हाइट टॉपिंग होगी यह फोरलेन

यह सड़क परियोजना 2.40 किलोमीटर लंबाई की है, जिसकी कुल स्वीकृत लागत 1152.72 लाख है। 11 माह की समयावधि में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सड़क निर्माण कार्य में व्हाइट टॉपिंग, पुलिया निर्माण, सेंट्रल वर्ज, सीसी ड्रेन, विद्युत पोल शिफ्टिंग और रोड फर्नीचर कार्य सम्मिलित हैं।

रिंग रोड से जुड़ते दूर होगी ट्रैफिक समस्या: रामेश्वर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कोलार जो कभी बुनियादी सुविधाओं से वंचित था, आज आधुनिक स्वरूप ले चुका है। पहले यहां सड़कें, सीवेज, पीने का पानी, बिजली, कार्यालय और श्मशान जैसी आवश्यक सुविधाएं तक नहीं थीं, लेकिन अब यह इलाका भोपाल के प्रमुख और

आकर्षक उपनगर में शुमार हो चुका है। उन्होंने बताया कि मप्र शासन के नेतृत्व में यहाँ चौड़ी 24 मीटर सड़कों, चार लेन फोरलेन कॉरिडोर, पुलों, और जल निकासी व्यवस्था का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। रिंग रोड से जुड़ते इस इलाके में ट्रैफिक की दिक्कतों को दूर करने के लिए नई सड़कों और वैकल्पिक मार्गों का विकास किया जा रहा है।

गणना पत्रक पर होगा प्रिंटेड फोटो

21 लाख वोटर्स के लिए छपेंगे 44 लाख गणना पत्रक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

चार नवंबर से 4 दिसंबर तक गणना पत्रक भरने का काम चलेगा, जिसके लिए निर्वाचन आयोग ने भोपाल के 21 लाख 25 हजार 683 मतदाताओं को फार्म दिए जाएंगे। जिसमें मतदाता का फोटो पहले से प्रिंटेड होगा। बीएलओ एक फार्म देने के साथ एक पर पावती लेगा। जिसका रिकार्ड उसे बीएलओ एप पर भी अपलोड करना पड़ेगा। इधर आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को एसआईआर के लिए पहले से वर्ष-2003 की वोटर लिस्ट के मृतक और शिफ्टेड मतदाताओं की जानकारी जुटाने की हिदायत दी थी, लेकिन भोपाल के बीएलओ यह जानकारी नहीं जुटा पाए, जिससे एसआईआर के काम में दिक्कत हो सकती है।

पुरानी वोटर लिस्ट में नाम खोजना टेढ़ी खीर

आयोग ने वर्तमान वोटर लिस्ट के लिए अपनी वेबसाइट पर सर्च इंजन दिया है, जिससे मतदाता अपने वोटर कार्ड का इपिक नंबर डालकर मतदान केंद्र और विधानसभा का पता लगा सकता है। लेकिन वर्ष-2003 की वोटर लिस्ट में सर्च इंजन नहीं है, जिससे मतदाता और बीएलओ को एक-एक नाम तलाश करने में दिक्कत होगी। दरअसल पिछले 22 साल में मतदाताओं की विधानसभा के साथ मतदान केंद्र भी मिल गए हैं। ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष-2003 के बाद वोटर लिस्ट में जुड़ा है, उन्हें अपने पिता, दादा, ताऊ और चाचा का नाम सर्च करना पड़ेगा। जिसमें विधानसभा, मतदान केंद्र, नाम और मतदाता क्रमांक गणना पत्रक में दर्ज करना पड़ेगा। इन मतदाताओं से गणना पत्रक भरने के बाद बीएलओ पहचान का एक दस्तावेज लेगा।

आखिरकार दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते पर पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। अमेरिका अब चीन में निर्मित वस्तुओं से टैरिफ को घटा दिया है। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इस समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। विश्व में अमेरिका एवं चीन क्रमशः प्रथम व द्वितीय शक्तिशाली देश हैं। संभवतः यह एक अद्वितीय कूटनीति है, जो या तो सार्वजनिक स्तर पर अब तक समझी नहीं जा सकी है अथवा चीन, भारत व रूस के कर्ताधर्ता इसे भलीभांति समझकर समय-समय पर विभिन्न स्वरूपों में उत्पन्न होने वाली अपनी-अपनी कूटनीतिक भूमिकाएं निभा रहे हैं। अब इंतजार भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते का है। ये कैसा होगा इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अमेरिका-चीन का ट्रेड सीजफायर

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

प्रेसिडेंट ट्रंप के दूसरी दफा अमेरिकन राष्ट्रपति पद पर आसीन हो जाने के तत्पश्चात, फरवरी 2025 से अमेरिका और चीन के मध्य टैरिफ के विकराल सवाल पर संघर्षपूर्ण कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव देखा गया है। विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। महत्वपूर्ण खनिज संपदा, जिनको रेयर मिनरल भी कहा जाता है, सेमीकंडक्टर्स, जिन्हें आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग की रीढ़ करार दिया जाता है, सोयाबीन आदि अनेक वस्तुओं के आयात-निर्यात के जटिल प्रश्नों पर अमेरिका और चीन के मध्य जबरदस्त व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव का निरंतर दीदार होता रहा। आखिरकार विगत दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते तक आखिरकार पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति जिनपिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है।

विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान किया गया था। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप का यू-टर्न

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान आयद किया गया था। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी फरमाया है कि व्यापारिक समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। गौरतलब है कि मनमाने तौर पर टैरिफ आयाद करने में प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोस्त और दुश्मन दोनों तरह के मुल्कों को कदाचित नहीं बख्शा। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल में भी चीन के विरुद्ध ट्रेड वार का आगाज अंजाम दिया गया था। डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया रहा

कि चीन अनुचित तौर पर व्यापारिक नीतियां अख्तियार करता है। फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के ऊपर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयाद करने का ऐलान किया था। इसके प्रतिउत्तर में चीन ने अमेरिका के विरुद्ध 20 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया था। अमेरिका के लिबरेशन डे ऐतिहासिक अवसर पर डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बाकायदा धमकी दी थी।

टैरिफ से सप्लाई चेन टूटी

चीन और अमेरिका के मध्य जारी टैरिफ युद्ध के कारण मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स दोनों ही विकट संकट में आ गये। चीन के गोदामों में मैन्युफैक्चर्ड माल का विशाल अंबार लग गया। अमेरिकन कम्पनियां बेहद हताश निराश होकर घबरा उठीं। जटिल प्रश्न उठा खड़ा हुआ कि आखिरकार मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स रातों-रात अपने निर्मित माल की सप्लाई चेन बरकरार रखने के लिए एकदम नया विकल्प किस तरह से ढूंढ निकाल सकते हैं। प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए वैश्विक टैरिफ युद्ध के दौरान ही अमेरिकन प्रशासन द्वारा ट्रांसशिपमेंट पर भी प्रबल निशाना साधा गया, ताक चीन में निर्मित सामान को वियतनाम, कंबोडिया, लाओस आदि साम्यवादी देशों के माध्यम से अमेरिका को कदाचित भेजा नहीं जा सके। अमेरिका द्वारा प्रारंभ किए गए टैरिफ युद्ध के दौरान चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटा।

एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर निशाना

चीन द्वारा अमेरिका के एग्रीकल्चर सेक्टर को प्रबल निशाना बनाया गया। सोयाबीन जैसे एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर अत्यधिक टैरिफ आयद कर दिया गया। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल और वालमार्ट आदि अमेरिकन कंपनियों को चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से पृथक करने की जबरदस्त कोशिशें अंजाम दी, किंतु बड़ी अमेरिकन कंपनियों को अनेक रियायतें प्रदान कर देने के कारण, डोनाल्ड ट्रंप की चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बायकॉट करने की पॉलिसी बेहद कमजोर होकर नाकाम सिद्ध हो गई। कूटनीतिक तौर पर चीन द्वारा अनेक दफा दोहराया गया कि वह अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तत्पर है। किंतु प्रबल आत्मविश्वास से परिपूर्ण चीन हुकूमत ने बाकायदा ऐलान किया कि टैरिफ युद्ध में चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटेगा। चीन द्वारा रेयर मिनरल्स का निर्यात अमेरिका को तत्काल रोक देने की उद्घोषणा ने अमेरिका को हतप्रभ करके रख दिया। उल्लेखनीय है कि चीन के रेयर मिनरल्स पर अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की निर्भरता सर्वाधिक बनी रही है। उल्लेखनीय है कि चीन में ही 70 प्रतिशत रेयर मिनरल्स का उत्पादन किया जाता है। चीन द्वारा अमेरिका को सप्लाई किए जाने वाले रेयर मिनरल्स की उपयोगिता स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिकतम उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

कोल्ड वॉर का नया दौर शुरू

चीन के इस कठोर कदम के बाद अमेरिका द्वारा ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और जापान आदि देशों के साथ अनेक समझौते अंजाम दिए गए हैं, ताकि चीन के अतिरिक्त भी अनेक देशों के मिनरल स्त्रोतों से अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को रेयर मिनरल्स निरंतर हासिल होते रह सकें। वैश्विक कूटनीति के अनेक प्रमुख जानकारों का विचार है कि अमेरिका और चीन दो मुख्तलिफ ध्रुवों पर खड़े हुए बुनियादी तौर पर धुर विरोधी चरित्रों के मुल्क हैं। विश्व पटल पर अघोषित तौर पर कोल्ड वॉर का दौर एक दफा फिर से शुरू हो चुका है। अघोषित कोल्ड वॉर में एक तरफ रूस, चीन, ईरान, उत्तरी कोरिया, वेनेजुएला, क्यूबा, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देश हैं। दूसरी तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन के यूरोपीय राष्ट्र हैं।

अतः अमेरिका और चीन के मध्य कोई भी समझौता स्थाई आकार कदाचित ले ही नहीं सकता। यह वस्तुतः एक अस्थाई संतुलनकारी व्यापारिक समझौता है। दोनों देश पहले से ही अगले व्यापारिक युद्ध की तैयारी में बाकायदा जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर नव साम्रज्यवाद निरंतर जीवित बना रहा है। यह भी एक कटु सत्य है कि विश्व पटल पर अनेक बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कायम हैं, जिनमें भारत की अर्थव्यवस्था भी शामिल हैं। प्रायः सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं परस्पर व्यापारिक टकरावों से थक चुकी हैं। अतः सारी दुनिया को लूट लेने की विनाशकारी हवस भी कायम बनी रही है। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। यदि तीसरा विश्व युद्ध घटित हुआ तो ना विजयी होने वाला देश बचेगा ना पराजित होने वाला देश बचेगा।

शांति की दस्तक या नए शीतयुद्ध की शुरुआत

ट्रंप-शी मुलाकात

प्रो. आरके जैन

स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक मंच पर दो महाशक्तियों, अमेरिका और चीन, के बीच तनाव की गूंज अब हर अर्थव्यवस्था, हर बाजार और हर कूटनीतिक गलियारे तक पहुंच चुकी है। यह तनाव कोई साधारण विवाद नहीं, बल्कि एक ऐसी रणनीतिक जंग है, जो वैश्विक व्यापार, तकनीक और भू-राजनीति की धुरी को हिला सकती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एशियाई यात्रा, जो 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से शुरू हुई, केवल एक औपचारिक दौरा नहीं है। यह एक शतरंज की बिसात है, जहां टैरिफ की धमकियां, दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के प्रतिबंध और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दे चालों का हिस्सा हैं। इस यात्रा का चरम बिंदु है ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंगकी छह साल बाद पहली आमने-सामने मुलाकात, जो 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। यह मुलाकात न केवल अमेरिका-चीन संबंधों को नया आकार देगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, शेयर बाजारों और भू-राजनीतिक संतुलन को भी प्रभावित करेगी। सवाल हर किसी के मन में है-क्या यह मुलाकात ट्रेड वॉर की आग को ठंडा करेगी, या इसे और भड़काएगी? ट्रंप का यह पांच दिवसीय मिशन आसियान शिखर सम्मेलन से शुरू होकर जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है। ट्रंप का का लक्ष्य नए व्यापार समझौते करना है, ऐसे समझौते जो अमेरिकी कंपनियों को एशियाई बाजारों में गहरी पैठ दें और टैरिफ से राजस्व की धारा को मजबूत करें। कुआलालंपुर में ट्रंप ने आसियान नेताओं के साथ वार्ता शुरू की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार साझेदारी को बढ़ाने का वादा किया। लेकिन सबकी नजरें जापान पर टिकी हैं, जहां वे नई प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची से मिलकर अमेरिकी उद्योगों विशेषकर ऑटोमोबाइल और प्रौद्योगिकी में निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करने की कोशिश करेंगे। जापान, जो ट्रंप के पहले कार्यकाल में व्यापार घाटे के दबाव में रहा, अब सतर्क कदम उठा रहा है। दक्षिण कोरिया में, जहां 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक एपेक सम्मेलन होगा, ट्रंप का एजेंडा और भी महत्वाकांक्षी है। वे कोरियाई नेताओं के साथ ऑटोमोबाइल पर 25% टैरिफ में राहत जैसे द्विपक्षीय समझौते पक्के करने की कोशिश करेंगे, साथ ही शी चिनफिंग के साथ एक 'लंबी और महत्वपूर्ण' बैठक एजेंडे में हैं। इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में फिर लपटें उठा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं। ट्रंप ने हाल ही में चीनी सामानों पर 100% तक टैरिफ की धमकी दी थी, जिसके जवाब में चीन ने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ) जैसे नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम पर निर्यात प्रतिबंध कड़े कर दिए। ये खनिज सेमीकंडक्टर, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और हथियार प्रणालियों के लिए अपरिहार्य हैं, और अमेरिका इनका 80% से ज्यादा चीन से आयात करता है। विशेषज्ञ इसे शी का 'पावर प्ले' मानते हैं, जो वार्ता की मेज पर उनकी स्थिति को मजबूत करता है। लेकिन इस मुलाकात में उद्देश्य आधे रास्ते तय कर चुके हैं। ट्रंप के प्राथमिक लक्ष्य हैं, रेयर अर्थ निर्यात पर राहत, फेंटेनिल तस्करी पर चीनी कार्रवाई और अमेरिकी सोयाबीन खरीद की बहाली, जो मिडवेस्ट के किसानों के लिए संजीवनी है। 2018-19 के ट्रेड वॉर में अमेरिकी किसानों को 28 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था, और अब चीन की सोयाबीन खरीद रोकने की रणनीति ट्रंप के ग्रामीण वोट बैंक को सीधे निशाना बना रही है। ट्रंप इसे 'फैंटास्टिक डील' बनाने की बात कहते हैं, जिसमें चरण एक समझौते का पालन, टैरिफ में स्थिरता और अमेरिकी फर्मों को चीनी बाजार में ज्यादा पहुंच शामिल है। शी चिनफिंग की रणनीति गहरी और धैर्यपूर्ण है। ट्रंप के पहले कार्यकाल से सबक लेते हुए, वे टैरिफ के झटके सहने को तैयार हैं। इसका कारण यह है कि अमेरिका अब चीन के निर्यात बाजार का सिर्फ चौथा हिस्सा है, और सोयाबीन जैसे संसाधनों के लिए चीन ने ब्राजील जैसे विकल्प तलाश लिए हैं। लेकिन शी घरेलू चुनौतियों से जूझ रहे हैं, 17% से ज्यादा युवा बेरोजगारी, एवरग्रैंड जैसे रियल एस्टेट संकट, और 100 ट्रिलियन युआन का स्थानीय सरकारी कर्ज, जो चीन की 5% विकास दर को धीमा कर रहे हैं। दोनों की यह मुलाकात शांति का क्षण लाएगी, या तनाव का नया अध्याय खोलेगी? यह सवाल न केवल वाशिंगटन और बीजिंग, बल्कि टोक्यो, सियोल और वैश्विक कॉरपोरेट बोर्डरूम्स में गूंज रहा है।

इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है। दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं।

छत्तीसगढ़ के 25 साल कुछ सपने पूरे, कुछ बाकी

छत्तीसगढ़ राज्य को जन्मे पच्चीस वर्ष हुए। आनंद एवं आयोजन का दिन है, उसी तरह जैसे जन्मे बालक या बालिका के युवा अवस्था के प्राप्त कर लेने पर। वह युवा या युवती जो शारीरिक रूप से विकास को प्राप्त है। आकर्षक है और जिसने लगभग एक आवश्यक स्तर की शिक्षा भी प्राप्त कर ली है, लेकिन जिसकी जीवन यात्रा जिम्मेदारियों से भरी अब इसके बाद प्रारंभ होती है। इसके बाहु में बल है, ललाट में तेजस्व है, आंखों में सपने हैं मगर उसे बुद्धि और समझ की भी आवश्यकता है। इसी तरह हमारा राज्य युवा अवस्था को प्राप्त हो गया है। इसका शारीरिक विकास तो होता दिखा है लेकिन बहुत और की जरूरत है।

रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव

इसकी यात्रा में अभी प्रथम चरण इसने पूरा किया है। यह इसकी यात्रा का आरंभ है, अंत नहीं। कुछ सपने पूरे हुए हैं, कुछ होने की राह में हैं और कुछ को पूरा होने में समय लगेगा। अगर मनोइच्छा है तो जरूर होंगे। मगर यह सपना आम आदमी को देखना होना होगा और उसे ही पूरा करना होगा। राजनैतिक एवं प्रशासनिक तंत्र तो केवल साधन मात्र हैं। उन पर निर्भरता आवश्यकता से अधिक व्यर्थ है एवं अनुचित भी। अगर हम चाहते हैं कि हमारे घर के साथ साथ, घर का बाहर एवं आसपास साफ़-सुथरा हो तो यह जिम्मेदारी हमें स्वयं लेनी होगी। बहरहाल, जब पच्चीस वर्ष का युवा बड़ा सफर आरंभ करने के पूर्व एक चौराहे पर खड़ा होता है तो उसे एक समावलोकन और आत्मचिंतन अवश्य करना चाहिए क्या हासिल किया और क्या करना है? मैं मानता हूं, मेरी तरह बहुत से लोग इस अवसर पर बहुत कुछ सोचते होंगे। ऐसा ही नहीं बल्कि और अच्छा भी सोचते होंगे। सोचने के अलावा चलिए आसपास देखें भी। एक हिस्से में सड़कें चौड़ी हो गई हैं मगर यातायात सुरक्षित नहीं है, नई ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो गई हैं, मगर घर नहीं है। जगमगाहट है, चकाचौंध है, बिजली की लेकिन दिव्य रौशनी नहीं है। एक वर्ग समृद्ध हुआ है। धनवान और अधिक धनवान हुआ है साथ बलवान भी हुआ है; प्रभावशाली है, शक्ति का केंद्र है, मगर बड़ी संख्या में अभागे लोग, अभी भी न्यूनतम जीवन स्तर को जीने के लिए सूनी आंखों से टकटकी लगाए बैठे हैं। उनकी आशा, निराशा में बदल रही है। बड़े-बड़े बाज़ार, शॉपिंग माल में महंगे ब्रांड के माल बिक रहे हैं वहीं छोटे-छोटे बाज़ार जहां ताज़ा फल सब्जियां मिलती हैं, उजड़ रहे हैं। कहीं एक वर्ग के लोग बड़े भोग विलास के साथ भोजन करते हैं और मज़े की बात है, जो खाते हैं उससे अच्छा अपने पालतू श्वान को खिला देते हैं या बचा हुआ कूड़े में फेक देते हैं। बहुत से लोग कहीं-कहीं हफ़्ते में लगने वाले हाट में नून चाउर ख़रीदकर गुजारा करने की कोशिश करते हैं। ऐसी दशा को मैं विकास नहीं मानता। इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण पैराडॉक्स मानता हूं। ऐसा दृश्य मुझे वैसा ही लगता है जैसे अमीर पिता के धन का दोहनकर अक्सर उनके सपूत कपूत धन प्रदर्शन करते हुए शहरों एवं आसपास उछल कूद करते दिखते हैं। छत्तीसगढ़ में अपार नैसर्गिक प्राकृतिक धन संपदा है, कुछ लोग इसका दोहन अपनी धन संपदा के लिए करने में सफल हैं। वो लोग विकास का चेहरा नहीं हो सकते।

मैं मानता हूं राज्य के अंदर अधोसंरचना के विकास के अलावा, आम नागरिक का व्यक्तिगत बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास आवश्यक है। समग्र रूप से हर व्यक्ति का जीवन स्तर विकसित होना चाहिए। गरीबी भुखमरी नाम लेने वाल भी कोई न हो। मैं चाहता हूं, राज्य एक समृद्ध संस्कृति का केंद्र बने। बौद्धिक क्षमता, सोच विचार की शक्ति बढ़े। सकारात्मक प्रतियोगिता का जज़्बा हर व्यक्ति के अंदर जागृत हो। मानवता के लिए कुछ कर गुजरने की आग अंदर जल उठे। उपलब्धियों के नए कीर्तिमान व्यक्ति विशेष के बनें। लोग व्यापारिक नहीं वैज्ञानिक बनें। सोच में विज्ञान का समावेश हो, अंधविश्वास का अंधेरा नहीं। जिनमें सामर्थ्य है वे समाज शोषक नहीं समाज सेवक बनें। राज्य में तंत्र हावी न हो बल्कि प्रजा के लिए प्रजा के अधीन हो। लोक नीतियों का निर्माण आम जनता की राय शुमारी से, उनकी भागीदारी से पारदर्शिता के साथ विशुद्ध मन एवं प्रण के साथ हो। हर सरकारी निर्णय का प्रयोजन लोभ लुभावन न हो; कुछ कठोर, अप्रिय निर्णय भी हों। लोकप्रियता की लालसा में सर्वहारा वर्ग का अहित न हो। तंत्र का मंत्र हो; अस्पताल, स्कूल, कॉलेज को धर्म स्थलों से अधिक महत्व मिले। धर्म और भक्ति के नाम पर स्मारक न बनाए जायें, प्रभु का वास किसी स्थान विशेष पर नहीं बल्कि हृदय में हो। आस्था की आज़ादी हो। धार्मिक रीतियों का अर्थ मन में पीड़ा प्रेम और करुणा हो और ये सब व्यक्ति पर छोड़ दिया जाए। उस पर भावना के तोल मोल में बोझ न लादा जाये।

-लेखक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

अमेरिका से चीन निर्यात

12 लाख करोड़ ट्रेड

- एयरोस्पेस उत्पाद और पुर्जे
- मूलभूत रसायन
- कोयला और पेट्रोलियम गैस
- संचार और सेवा उद्योग मशीनरी
- कंप्यूटर उपकरण
- विद्युत उपकरण
- विद्युत उपकरण और सामान
- इंजन और टर्बाइन
- फल और सूखे मेवे
- सामान्य प्रयोजन मशीनरी
- औद्योगिक मशीनरी
- समुद्री उत्पाद
- मांस उत्पाद
- चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति
- विविध फसलें
- विविध निर्मित धातु उत्पाद
- विविध निर्मित वस्तुएं
- मोटर वाहन पुर्जे
- मोटर वाहन
- नेविगेशनल और मापन उपकरण
- अलौह धातु उत्पाद
- तेल और गैस
- तिलहन और अनाज
- फार्मास्युटिकल उत्पाद और दवाएं
- प्लास्टिक उत्पाद व अन्य

कार्टूनिस्ट की नजर में...

चीन से अमेरिका निर्यात

36.8 लाख करोड़ ट्रेड

- इलेक्ट्रॉनिक्स : स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन, और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक सामान
- मशीनरी : औद्योगिक मशीनें, उपकरण, और यांत्रिक पाट्‌र्स
- कपड़े और टेक्सटाइल : कपड़े, जूते, और अन्य वस्त्र उत्पाद
- खिलौने और खेल का सामान : बच्चों के खिलौने, गेमिंग उपकरण, और खेल से संबंधित उत्पाद
- फर्नीचर : बेड, सोफा, टेबल, और अन्य घरेलू फर्नीचर
- प्लास्टिक और रबर उत्पाद : रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं जैसे कंटेनर, पैकेजिंग सामग्री आदि
- ऑटोमोबाइल पाट्‌र्स : वाहनों के लिए कलपुर्जे और सहायक उपकरण

- 2023 के आंकड़ों के अनुसार, चीन से अमेरिका को होने वाला कुल निर्यात लगभग 500 अरब डॉलर से अधिक का था। ये उत्पाद सस्ती कीमत और बड़े पैमाने पर उत्पादन की वजह से अमेरिकी बाजार में लोकप्रिय हैं।

गरीब की दीपावली... आत्मनिर्भरता एवं गरीब कल्याण

विचार

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पिछले 3-4 माह पूर्व से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का आग्रह देशवासियों से कर रहे हैं । वैसे तो 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद उन्होंने 'मेक इन इंडिया','मेक फॉर वर्ल्ड' जैसे संकल्पों के आधार पर भारत को विदेशी निर्भरता कम करने एवं आत्मनिर्भरता अपनाने का मंत्र दिया था । इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कोरोना काल में 'वोकल फॉर लोकल' का उद्‌घोष भी उन्होंने किया ।विश्व में अस्थिर होती अर्थव्यवस्थाओं का परिणाम भारत पर भी पड़ेगा, इस दूरदृष्टि के आधार पर उन्होंने स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का संकल्प पुनः देशवासियों के सम्मुख दोहराया। 15 अगस्त के अपने भाषण "मन की बात" तथा अलग-अलग स्थानों पर होने वाले अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जीने अलग-अलग प्रकार से स्वदेशी का आह्वान किया।

देश भर में 2-3 माह का यह समय उत्सवों का कालखंड रहता है ।गणेश उत्सव, विजयदशमी, दीपावली, छठ पूजा एवं उससे जुड़े अनेक धार्मिक उत्सव, कुछ प्रदेशों में उनके अपने नव वर्ष का प्रारंभ, मुस्लिम समाज में मनाया जाने वाला ईद जैसे त्यौहार समाज में उत्साह एवं उमंग का संचार करते हैं । घरों में प्रकाश, परस्पर शुभकामनाओं के लिए भेंट, मिष्ठान वितरण, नए वस्त्रों का पहनना एवं एक दूसरे को उपहार देना समाज का स्वाभाविक चलन है । इस कालावधि में 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जी की जयंती खादी दिवस के रूप में भी मनायी जाती है। समाज की यह परंपरा एवं उत्साह स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता का आधार बने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आह्वान किया कि 'नया समान स्वदेशी ही खरीदेंगे, घर सजाएंगे स्वदेशी से, जिंदगी बढ़ाएंगे स्वदेशी से।' एक दूसरे स्थान पर उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव में स्वदेशी उत्पाद, उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो,रोशनी वही जो भारत में बने सामान से हो । श्रम एवं श्रमिक वर्ग को महत्त्व प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि 'पैसा किसी का सामान हमारा, जो प्रोडक्शन होगा उससे महक मेरे देश की मिट्टी की होगी, मेरे भारत माँ की होंगी।'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान केवल भावनात्मक नहीं, इसके पीछे समाज के आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से पिछड़े समाज के आर्थिक सशक्तिकरण का ही था। प्राचीन भारतीय समाज एक स्वावलंबी इकाई के स्वरूप में कार्य करता था एवं प्रत्येक वर्ग का कार्य भी परंपरा के रूप में निर्धारित था। महात्मा गांधी जी ने हिंद स्वराज पुस्तक में इसका उल्लेख भी किया है । इन त्योहारों में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं का यदि हम अध्ययन करते हैं तब हमको

स्मरण आएगा कि यह समाज के जनसंख्या की दृष्टि से अधिकतम वर्ग अति पिछड़ा एवं दलित वंचित-समाज द्वारा निर्मित होते हैं। यह वर्ग पिछड़े वर्ग का 50% से भी अधिक भाग है। जैसे दीपावली पर उपयोग होने वाले दीपक, खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुएं, मोमबत्ती, पटाखे, पुष्प मालाएं, खिलौना, पूजा की सामग्री, जूते, आभूषण, ज्वेलरी, मिष्ठान आदि सामानकुम्हार (प्रजापति),चर्मकार ,कुटीर एवं लघु उद्योगों में कार्य करने वाली महिलाएं, छोटे कारीगर,जनजाति समाज द्वारा वनोपज से निर्मित स्थानीय उत्पाद, ज्वेलरी बिकती है बड़े प्रतिष्ठानो में पर उसके निर्माण में लगने वाले स्थानीय कारीगर एवं कारीगरी के लिये जाने वाले बंगाल के शिल्पकार संपूर्ण देश में मिलते हैं । छोटे-छोटे उत्पादो को ठेले, रेहड़ी-पटरियों पर बेचकर अपना अर्थोपार्जन करने वालो का त्यौहार इसी आमदनी से मनाया जाता है । कलांतर में यह सभी समान विदेशों से आयात होने के कारण, गरीब का रोजगार छिन गया। खिलौने, झालर, पटाखे एवं साज-सज्जा के सभी समान पर विदेशी बाज़ार का कब्जा हो गया, जिसके कारण गरीब की दीपावली भी गरीबी में चली गयी।

दीपावली 2025 के अब तक के सीएआईटी (कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) के सर्वेक्षण के अनुसार 5.40 लाख करोड़ का व्यवसाय व्यापारिक गतिविधियों के द्वारा हुआ जो कि 2024 में कुल 4.25 लाख करोड़ था। व्यापार में 25 % की वृद्धि गत वर्ष की तुलना में हुई। सहकार एवं कृषि क्षेत्र के बिना भी यह 9 करोड़ छोटे-छोटे व्यावसायिक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करती है। सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर)में भी 65,000 करोड़ का व्यवसाय किया गया है ।72% व्यापारी मानते हैं कि व्यापार में यह उछाल जीएसटी की कमी के कारण आया है। 87% खरीदारों ने स्वदेशी सामान खरीदकर मोदी जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। अनुमान के अनुसार 50 लाख लोगों को अल्पकालिक रोजगार भी उपलब्ध हुआ है। कुल बिक्री में छोटे-छोटे शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों का 28% योगदान है। केंद्र सरकार द्वारा चालित कुम्हार सशक्तिकरण प्रोग्राम, वस्त्र उद्योग, धातु-काम कारीगर, लकड़ी कारीगर, बांस उद्योग आदि को एमएसएमई द्वारा प्रोत्साहन भी मिला है।

ताजा बाजार एनालिटिक्स रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार भारत का फेस्टिवल सीज़न कंज्यूमर खर्च 12 से 14 लाख करोड़ होगा। प्रधानमंत्री जी के आह्वान खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फ़ैशन (**Khadi for Nation**, **Khadifor Fashion**) के कारण 2104 की तुलना में खादी की बिक्री में 447%बढ़ी है । 2014 में यह बिक्री 3154 करोड़ की तुलना में 2025 में1.71 लाख करोड़ हुई है । इस वृद्धि के कारण 10 लाख से अधिक खादी के क्षेत्र में नए रोजगार सृजित हुए है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने चिंतन में अंत्योदय (गरीब कल्याण) को ही प्रमुख स्थान दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान का परिणाम है कि यह दीपावली समाज के सभी वर्गों में उत्साह के साथ- साथ पिछड़े,दलितों एवं महिलाओं को सशक्तिकरण एवं रोजगार देने वाले बनी है। त्यौहार से अर्जित राशि बाजार की क्रय शक्ति को बढ़ाएगी जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, जिसके कारण दुनिया के सभी कुचक्रों का प्रतिकार हम कर सकेंगे। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता केवल कुछ अवसर पर नहीं बल्कि हमारे जीवन का स्थायी मंत्र बनना चाहिए।

- लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

महागठबंधन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया प्रहार

कांग्रेस और राजद की सरकारों ने राज्य में जंगलराज थोपा और बिहार को अंधेरे में डाला, एनडीए ने नरसंहार से छुटकारा दिलाया

शाह ने कहा- ये विधायक भर चुनने का नहीं, विकास का चुनाव, गिनाए 34 नरसंहार

एजेंसी ▶▶ पटना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलिकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया।

शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़े चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया। करीब 8 मिनट के अपने भाषण में अमित शाह ने कहा कि पीएम ने बंद पड़ी रीगा चीनी मिल को चालू करने का काम किया है। बबाकी बंद पड़ी चीनी मिल को अगले 5 साल में चालू किया जाएगा। महागठबंध ने बिहार में जंगलराज थोपा। नरेंद्र जी और नीतीश जी के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ। शाह ने कहा जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए, जिनमें बथानी टोला, सोनारी, शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे। जिसने बिहार की धरती को रक्तरंजित किया है।

जनसभा को संबोधित करते गृहमंत्री शाह।

नीतीश जी के आने पर नरसंहार रुके

नालंदा में शाह ने कहा कि ये चुनाव किसी को विधायक या मंत्री बनाने के लिए नहीं हैं। ये चुनाव उस 'जंगलराज' को रोकने के लिए हैं, जो अपना वेष बदलकर आएगा। लालू-राबड़ी के शासन में 38 नरसंहार हुए। नालंदा के कई लोग मौत के घाट उतरे गए थे। किडनैपिंग, हत्या, लूट जैसे गैरकानूनी काम होते थे। लेकिन नीतीश ने इस धंधे पर रोक लगा दिया।

यह चुनाव सुशासन बनाम जंगलराज

शाह ने कहा कि यह चुनाव बिहार का भविष्य तय करेगा। बिहार की जिम्मेदारी किसे मिलेगी? उसे जिसने बिहार में जंगल राज थोपा या मोदी-नीतीश की जोड़ी को जिसने बिहार के विकास के लिए काम किया।

शाह ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

शाह ने कहा कि एनडीए सरकार ने गोपालगंज जिले में डुमरिया घाट से पटना तक 2,200 करोड़ की लागत से एक एक्सप्रेसवे का निर्माण किया है। हथुआ में 340 करोड़ से आधुनिक एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का निर्माण किया गया है।

बारिश से सभा स्थगित, नीतीश ने पैदल ही किया रोड शो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता अब भी जंगलराज के दिनों को नहीं भूली है। आज राज्य में जो विकास हो रहा है, उसी के आधार पर लोग इस बार मतदान करेंगे। पारु विधानसभा के सरैया में आमसभा मौसम के कारण स्थगित कर दी गई। इसके स्थान पर मुख्यमंत्री ने रोड शो किया। उन्होंने मंत्री केदार गुप्ता और एनडीए के राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रत्याशी मदन चौधरी से कहा कि वे सभा स्थल पर जाकर जनता तक संदेश पहुंचाएं।

अब 'बिहारी' कहलाना अपमान नहीं...

नीतीश कुमार ने वएक वीडियो संदेश जारी कर राज्यवासियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास व सामाजिक सौहार्द को प्राथमिकता दी गई है। नीतीश ने कहा कि जब हमने शासन संभाला था, तब 'बिहारी' कहलाना एक अपमान माना जाता था। हमने ईमानदारी और पूरी मेहनत से काम किया। आज 'बिहारी' कहलाना गर्व की बात है। सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़े, अति-पिछड़े, दलित या महादलित सबके लिए काम हुआ है।

भाजपा अध्यक्ष ने चुनावी सभा में कहा

लालू-राबड़ी का शासन 'काला युग' था अब बिहार विकास की राह पर: नड्डा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 1990 से 2005 तक लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी का शासन बिहार के लिए एक काला युग था। उस दौरान बिहार को हर तरह का नुकसान हुआ। लेकिन नीतीश कुमार के 20 साल और प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के नेतृत्व में, बिहार ने अपनी विकास की गाड़ी को पटरी पर आते देखा है। उन्होंने घोषणापत्र का हवाला देते हुए सशक्तिकरण और रोजगार सृजन के वादों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमने एक करोड़ 'लखपति दीदी' बनाने का फैसला किया है। हमने एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया है।

नड्डा ने सीवान में एक जनसभा को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि उनके शासन के दौरान राज्य को हर मोर्चे पर असफलताओं का सामना करना पड़ा और मतदाताओं से निरंतर प्रगति और स्थिरता के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से 6 नवंबर को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा कि उनका जनादेश राज्य में निरंतर स्थिरता और तेज विकास सुनिश्चित करेगा।

नड्डा ने कहा कि जब आप 6 नवंबर को अपना वोट डालेंगे, तो मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि यह वोट सिर्फ़ भाजपा उम्मीदवारों के लिए न हो, यह नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को स्थिरता प्रदान करने और विकास को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए है। एनडीए सरकार के विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए, नड्डा ने कहा कि बिहार ने पिछले कुछ वर्षों में अपने बुनियादी ढांचे में व्यापक बदलाव किया है। उन्होंने आगे कहा, हर तरह से सड़कों का जाल बिछा है, चाहे वह राष्ट्रीय राजमार्ग हों, राज्य राजमार्ग हों, एलिवेटेड रोड हों, एक्सप्रेसवे हों, पटना में मेट्रो का पहला चरण शुरू हो चुका है और दूसरे चरण का काम भी शुरू हो गया है।

प्रियंका ने केंद्र और राज्य की नीतियों पर किए सवाल

ये दोनों सरकारें रोजगार, पलायन, निजीकरण और पूंजीपति हितैषी नीतियों को लेकर चल रहीं

प्रियंका गांधी वाड्रा ने बेगूसराय के बछवाड़ा में जनसभा से बिहार में अपनी चुनावी शुरुआत की। उन्होंने नीतीश सरकार और केंद्र

पर निशाना साधते हुए डबल इंजन मॉडल को एक दिल्ली संचालित सिंगल इंजन बताया और रोजगार, पलायन, निजीकरण और पूंजीपति हितैषी नीतियों को लेकर सवाल उठाए। यहां जनता का गुजारा नहीं हो रहा है। मोकामा की घटना पर उन्होंने कहा कि बिहार की जनता रोज ये सह रही है। किसी भी महिला से पूछ लीजिए क्या वे सुरक्षित हैं? प्रियंका पटना पहुंचीं। एनडीए ने एक करोड़ नौकरियां देने के वादे पर क्या किया? लोग बाहर जा रहे हैं।

बिहार के लोग झेल रहे पलायन सरकार ने उद्योग दोस्तों को दिए

प्रियंका ने बछवाड़ा वमें कांग्रेस प्रत्याशी गरीबदास के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि यहां के लोग पलायन का दर्द झेल रहे हैं। सारे उद्योग अपने दोस्त को दे रखा है, जो देश की संपत्ति थी, जिससे रोजगार मिलता है। निजीकरण हो गया, सब काम ठेकेदारी पर हो रहा है। बड़े-बड़े वादे कर रहे थे। छोटे-छोटे व्यवसाय को खत्म कर दिया है।

मोकामा कांड पर तेजस्वी का तीखा सवाल

अब तक क्या कोई गिरफ्तारी हुई या संरक्षण ही मिल रहा है?

सिवान में जनसभा के दौरान महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद चेहरे तेजस्वी यादव ने मोकामा की ताजा हिंसा पर

सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि जन सुराज पार्टी समर्थक दुलारचंद यादव की मौत के बाद हुई घटना में अब तक क्या कोई गिरफ्तारी हुई या अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है? मोकामा में आरजेडी प्रत्याशी वीणा देवी की गाड़ी पर पथराव की घटना पर न तो सत्ता पक्ष ने निंदा की और न ही चुनाव आयोग ने कोई सख्त कार्रवाई की, जिससे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल बना हुआ है। खराब मौसम के कारण रैली में शामिल नहीं हो सके।

जेवीसी सर्वे में बनेगी एनडीए की सरकार

सबसे ताजा सर्वे में राजग को मिलेंगी 120-140 सीटें, महागठबंधन पीछे

यहां एनडीए और महागठबंधन के अलावा प्रशांत किशोर का जन सुराज दल भी चुनावी मैदान में है। ऐसे

में ठीक चुनाव से पहले एक ओपिनियन पोल सामने आया है, जिसमें बताया गया है कि बिहार में किसकी सरकार बन सकती है। जेवीसी ओपिनियन पोल में बताया है कि एनडीए की बिहार में सरकार बनने जा रही है। एनडीए को 120-140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 93-112 सीटों तक संतोष करना पड़ सकता है। भाजपा को 70-81, जेडीयू को 42-48, एलजेपी को 5-7, हम को 2 और आरएलएम को 2 सीटें मिलने का अनुमान है।

---

70 स्थापना दिवस

मप्र के स्थापना दिवस पर 'विकास के नए आयामों का अभ्युदय'

सीएम डॉ. यादव ने शुभारंभ पर कहा-हम दूरियों को नहीं, दिलों को जोड़ने जा रहे हैं

'इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज' में मप्र देश का पहला राज्य बन गया

▶▶ **सीएम ने कहा** कि मप्र अपने नागरिकों और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ संस्कृति की आत्मीयता भी प्रदान करेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हवाई यात्रा केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक आनंददायक यात्रा का अनुभव भी बने। मप्र अपने नागरिकों और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ संस्कृति की आत्मीयता भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश की दूरियों को नहीं, बल्कि दिलों और अनुभवों को भी जोड़ने जा रहे हैं। हेलिकॉप्टर सेवा पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। यह सुविधा न केवल पर्यटकों और यात्रियों का समय बचाएगी बल्कि उन्हें एक ही यात्रा में आस्था, आध्यात्म, पर्यटन और अनुभव का अद्भुत संगम भी प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे परिसर में आयोजित विशेष समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस सेवा का उद्देश्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को हवाई मार्ग से जोड़कर दूरियां मिटाकर समय बचाना भी है। राज्य में एयर एंबुलेंस और हेलिकॉप्टर पर्यटन सेवा (इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज) शुरू करने वाला मप्र पूरे देश में पहला और इकलौता राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने मप्र के 70 वें स्थापना दिवस पर राज्य के पर्यटन एवं विमानन क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण और नवाचारी सेवाओं सहित राजा भोज एयरपोर्ट में उन्नयन कार्यों का शुभारंभ किया। इन सेवाओं में पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा, 'डिजी यात्रा', 'फ्लाईब्रेरी', 'किड्स प्ले ज़ोन' तथा 'केट-1 से केट-2 आईएलएस प्रणाली' जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

मप्र में पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा का हुआ भव्य शुभारंभ

तीन टूरिज्म सेक्टर्स में हेलीकॉप्टर सेवा की हुई शुरूआत, नियमित संचालन 20 नवंबर से

मुख्यमंत्री शुभारंभ करते हुए।

पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा, डिजी यात्रा, फ्लाईब्रेरी, किड्स प्ले ज़ोन और केट-2 आईएलएस प्रणाली से मप्र को मिली विकास की नई उड़ान

पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर्स को हरी झंडी दिखाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर्स को हरी झंडी दिखाकर मप्र में इस सेवा का शुभारंभ किया। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर तथा संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी को बोर्डिंग पास देकर इस हेली पर्यटन सेवा की प्रक्रियागत शुरुआत भी की।

हेलिकॉप्टर सेवा से पर्यटन को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा में शुरूआती चरण में तीन प्रमुख पर्यटन सेक्टर्स में हेली सेवाएं चलाई जाएंगी। प्राथमिक चरण में इंदौर से उज्जैन एवं ओंकारेश्वर, भोपाल से मढ़ई एवं पचमढ़ी तथा जबलपुर से बांधवगढ़ एवं कान्हा जैसे प्रमुख स्थलों तक हेलिकॉप्टर उड़ानें संचालित की जाएंगी। इस सेवा से पर्यटकों को कम समय में अधिक पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। यह सेवा प्रदेश के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, होम-स्टे व्यवसाय और स्थानीय उत्पादों के विपणन को भी बढ़ावा देगी। इस पहल से प्रदेश में हेलिकॉप्टर चार्टर कंपनियों, पर्यटन एजेंसियों, गाइड सेवा प्रदाताओं और महिला स्व-सहायता समूहों को भी नए अवसर प्राप्त होंगे।

भाजपा प्रदेशध्यक्ष बड़ौली ने पक्षी रैन बसेरे का किया लोकार्पण

पक्षी रैन बसेरे में पक्षियों को मिलेगी पूरी सुरक्षा और आराम : मोहन लाल बड़ौली

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने अपने निजी कोष से भाजपा कार्यालय सोनीपत में बने 60 फीट ऊंचे पक्षी रैन बसेरे का शनिवार को लोकार्पण किया। बड़ौली ने कहा कि रैन बसेरे में पक्षियों को सुरक्षा मिलेगी और हर मौसम में आराम मिलेगा। रैन बसेरा बनाने का विचार पीएम मोदी की उस सोच से प्रेरित है जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री ने गुजरात में पक्षियों के लिए रैन बसेरा बनाकर की थी।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 60 फीट उंचे इस बर्ड टॉवर में 720 पक्षी घर बनाए गए हैं जिनमें लगभग 3,500 पक्षी रह सकेंगे। शिकारी पक्षी भी इनमें नहीं आ सकेंगे। बर्ड टॉवर में रहने वाले पक्षियों पर सर्दी, गर्मी और बरसात का कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पक्षियों के लिए यह शानदार आशियाना बना है।

हरियाणा की पहचान शौर्य, परिश्रम और संस्कार : पंडित मोहन लाल बड़ौली

हरियाणा का 60वां स्थापना दिवस शनिवार को प्रदेश सरकार और भाजपा संगठन की ओर से पूरे उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ प्रदेश भर में मनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली भाजपा कार्यालय सोनीपत में आयोजित हरियाणा स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर कलाकारों ने हरियाणवी लोक कलाओं पर आधारित शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की। प्रदेश अध्यक्ष ने लोक कलाकारों की जमकर प्रशंसा भी की। बड़ौली ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं और बधाई दी। बड़ौली ने कहा कि म्हारे किसान, जवान और पहलवान समृद्ध एवं सशक्त भारत की पहचान हैं। हरियाणा की पहचान शौर्य, परिश्रम और संस्कार हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में और सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा आज सुशासन एवं जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनसुविधाओं का विस्तार हो रहा है तथा नायब सरकार विकसित हरियाणा बनाने में जुटी है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, मेयर राजीव जैन, विधायक पवन खरखोदा, जिला महामंत्री नीरज कुमार, तरुण देवी दास, जिला मीडिया प्रभारी एडवोकेट दिनेश अत्री, बबीता दहिया, किरण बाला, आरती शर्मा, डॉ. पुनीता, नवीन मंगला, योगेश कौशिक, सोनिया मोर, किशोर वशिष्ठ, नवीन शर्मा, राजेश मुकीमपुर, अक्षय मदान, नीरज खापरा, देवेंद्र कौशिक मौजूद रहे।

रोहतक, भिवानी, हिसार में 50 हजार एकड़ भूमि अभी भी जलमग्न

मुआवजा देने के नाम पर किसानों को हरियाणा सरकार दे रही है तारीख पर तारीख: सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि रोहतक, भिवानी, हिसार और फतेहाबाद जिलों में जलभराव के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, परंतु हरियाणा सरकार अब तक न तो गिरदावरी पूरी कर पाई है और न ही किसानों को उचित मुआवजा देने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। मुआवजा के नाम पर सरकार किसानों को तारीख पर तारीख दे रही है। कुमारी सैलजा ने शनिवार को एक बयान में कहा है कि हाल ही में प्रकाशित समाचार के अनुसार चार जिलों में 50 हजार एकड़ से अधिक भूमि में अभी भी 2 से 3 फीट तक पानी भरा हुआ है। खेतों में खड़ी फसलें सड़ चुकी हैं और रबी की बुआई पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद जिले के बड़ोपल, धांगड़, धानकला, डिंग, जंडवाला जाटान, भूना और आसपास के गांवों में भी खेत पूरी तरह जलमग्न हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। सांसद ने सरकार से तत्काल विशेष गिरदावरी कराकर सभी प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने, जल निकासी के लिए पंप सेट और मशीनें मुहैया कराने तथा रबी सीजन की बुआई के लिए राहत पैकेज जारी करने की मांग की।

कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसानों को मुआवजे के लिए इधर-उधर भटकने की बजाय सरकार को स्वयं गांव-गांव जाकर नुकसान का आकलन करना चाहिए। कुदरत की मार झेल रहे किसानों को इस कठिन समय में सरकार का सहारा चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात में प्रशासनिक उदासीनता किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। सांसद ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे प्रभावित गांवों में जाकर किसानों की सहायता करें और उनकी समस्याओं को जिला प्रशासन तक पहुंचाएं। सांसद ने कहा कि सरकार ने पहले वायदा किया था कि किसानों को दिवाली से पहले मुआवजा दे दिया जाए पर किसानों की दीवाली भी काली रही, अब सरकार कह रही है कि नवंबर माह के अंत तक किसानों को मुआवजा दे दिया जाएगा। सरकार मुआवजा के नाम पर किसानों को तारीख पर तारीख देने में लगी हुई है। सरकार को किसानों की मदद करने के बजाए उनके साथ मजाक नहीं करना चाहिए।

सीसीपीए ने दीक्षांत आईएएस और अभिमनु आईएएस कोचिंग सेंटरों पर 8-8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के अंतर्गत गुमराह करने वाले विज्ञापनों, अनुचित व्यापार कार्य प्रणालियों और उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त होने के लिए आईएएस दीक्षांत और आईएएस अभिमनु के खिलाफ अंतिम आदेश पारित किया है। प्रत्येक पर आठ-आठ लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

यह निर्णय उपभोक्ताओं को कानूनी संरक्षण प्रदान करने के लिए उनके अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया था कि किसी भी वस्तु या सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन बनाया जाए जो उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो।

दोनों मामलों में, केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सफल यूपीएससी उम्मीदवारों से प्राप्त अभ्यावेदन पर संज्ञान लिया, जिनके नाम और तस्वीरों का उपयोग उनकी सहमति के बिना उनके परिणामों का श्रेय लेने वाले विज्ञापनों में किया गया था।

दीक्षांत आईएएस का मामला: सीसीपीए को मिनी शुक्ला (एआईआर 96, यूपीएससी सीएसई 2021) का एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ, जिन्होंने बताया कि संस्थान की प्रचार सामग्री में उनकी सहमति के बिना उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह दीक्षांत आईएएस से कभी जुड़ी नहीं थीं।

अभिमनु आईएएस का मामला

नताशा गोयल (एआईआर 175, यूपीएससी सीएसई 2022) के एक अभ्यावेदन से पता चला कि संस्थान ने उन्हें अपना छात्र बताने का झूठा दावा किया था और बिना अनुमति के उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल किया था।

साक्ष्य से पता चला कि संस्थान ने उनके विस्तृत आवेदन पत्र (डीएएफ) के आधार पर उनके साथ एक मॉक इंटरव्यू के लिए एक प्रश्न बैंक साझा किया था, जो कभी आयोजित ही नहीं हुआ था। इसके बावजूद, संस्थान ने उनकी सहमति के बिना उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल किया, जिसे सीसीपीए ने भ्रामक और अनुचित माना, जो उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के तहत एक अनुचित संविदात्मक शर्त के समान है।

उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर, मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाली सीसीपीए ने आईएएस दीक्षांत और आईएएस अभिमनु के खिलाफ आदेश जारी किए हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2)(ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू पुत्र** पप्पू **निवासः** झुग्गी नं. 1, मजबूर नगर कैम्प, आई.पी. एक्सटेंशन जोशी कॉलोनी के नज़दीक, दिल्ली ने **FIR No. 169/2020 U/s 454/380/411/413/34 IPC थानाः मधू विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राजू** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 169/2020 U/s 454/380/411/413/34 IPC थानाः मधू विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कुमार रजत
एएसजे, कमरा नं. 61
तीसरा तल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14783/ED/2025
(Court Notice)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **दिनेश कुमार चौधरी पुत्रः** श्री शिव नारायण चौधरी **पताः** मकान नंबर एफ–84, आस्था विहार, प्रेम नगर तृतीय, किरारी सुलेमान नगर, निठारी उत्तर पश्चिमी दिल्ली, न **Ct. Cases/CC NI Act:5887/2019 U/s 138 NI Act थानाः पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिनेश कुमार चौधरी,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिनेश कुमार चौधरी,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct. Cases/CC NI Act: 5887/2019 U/s 138 NI Act थानाः पश्चिम विहार पूर्व, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **दिनेश कुमार चौधरी,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री पूनम सिंह
जेएमएफसी (एनआई–एसीटी), कमरा संख्या 04
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14664/OD/2025
(Court Matter)

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न

भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लंपसम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लंपसम के साथ ही साथ सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

ये टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम्स शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।हाल ही में आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआरआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

- एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन
- 5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लंपसम की रकम
- 10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया
- 1 लाख के लंपसम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ
- इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %

एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.01 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.57%

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.68%

एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 20.13%%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.76%

हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट कैप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्की माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. **उच्च विकास क्षमता**: स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. **जोखिम**: स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. **विविधीकरण**: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. **लंबी अवधि के लिए निवेश**: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. **उच्च रिटर्न**: स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण**:निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. **नई कंपनियों में निवेश**: आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन

5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 ने पॉजिटिव रिटर्न दिया

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के कमाया बढ़िया मुनाफा

बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

- **लार्ज कैप फंड्स** : ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मिड कैप फंड्स** : ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **स्मॉल कैप फंड्स** : ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मल्टीकैप फंड्स** : ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **फोकस्ड फंड्स** : ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- **सेक्टोरल फंड्स** : ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- **विविधीकरण** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **पेशेवर प्रबंधन** : फंड मैनेजर द्वारा प्रबंधन किया जाता है, जो निवेश के निर्णय लेते हैं।
- **लिक्विडिटी** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आसानी से निकाला जा सकता है।
- **कर लाभ** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कर लाभ उपलब्ध हो सकता है।

निवेश से पहले विचार करने योग्य बातें

- **जोखिम सहनशक्ति** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जोखिम होता है, इसलिए निवेश से पहले अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें।
- **निवेश अवधि** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए।
- **विविधीकरण** : अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड्स में निवेश करें।

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड और आईसीआईसीआई प्रू फ्लेक्सीकैप फंड ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया। इन्होंने क्रमश 23.82% और 23.22% का एक्सआईआरआर दिया। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह होती है कि फंड मैनेजर किसी भी साइज की कंपनी में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, चाहे वह लार्ज-कैप हो, मिड-कैप हो या स्मॉल-कैप।

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने 22.33% का एक्सआईआरआर दिया। इस फंड में अगर किसी ने हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो आज उसके निवेश की कीमत लगभग 1.33 लाख रुपये हो जाती। यह दिखाता है कि एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में कैसे अच्छी खासी रकम जमा की जा सकती है।

कोटक फोकस्ड फंड

कोटक फोकस्ड फंड ने भी 22.06% का एक्सआईआरआर दर्ज किया। फोकस्ड फंड्स में फंड मैनेजर कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं, जिससे उनका फोकस बना रहता है। इनके अलावा मीरा एसेट मिडकैप फंड ने 20.55% का एक्सआईआरआर दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के दो फंड्स ने भी 20% के आंकड़े को पार किया।

निवेश की ऐसे प्लानिंग करेंगे तो भविष्य में कभी नहीं होगी पैसों की टेंशन

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है

20 साल की उम्र रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती

30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की की स्थित को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करेंगे तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कहते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती है, वहीं 30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है। अगर आप उम्र के हिसाब से सही फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से भी दूर रह सकते हैं। आज के वक्त में फाइनेंशियल सिक्योरिटी सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से परेशान न हों और भविष्य हर तरह से बढ़िया रहे। हम सब मेहनत तो करते हैं, लेकिन कमाई का सही इस्तेमाल तभी होता है जब उसके पीछे एक सटीक फाइनेंशियल प्लान हो। बहुत से लोग कहते हैं कि पैसे बचाने की शुरुआत बाद में करेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना मजबूत होगा आपका फ्यूचर हर दशक अपने साथ नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आता है। 20 साल की उम्र में में जहां रिस्क लेने का समय होता है, वहीं 30 साल की उम्र में में जिम्मेदारियों और इन्वेस्टमेंट में बैलेंस बनाना जरूरी होता है। साल की उम्र में आते-आते सेफ्टी और ग्रोथ पर फोकस करना समझदारी बन जाती है। अगर आप उम्र के हिसाब से फाइनेंशियल फैसले लेते हैं, तो न सिर्फ एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से आजादी भी पा सकते हैं।

बजट बनाना सीखें

अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखें। 80/20 का नियम अपनाएं यानी 80% खर्च और 20% बचत या निवेश। इससे आपको अपने पैसों का फ्लो समझ आएगा और आप बेवजह खर्चों को कंट्रोल कर पाएंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

हर महीने के खर्च का 3 से 6 महीने तक का फंड अलग रखें। जैसे अगर आपका खर्च 25,000 रुपये महीना है, तो कम से कम 75,000-1,50,000 रुपये का इमरजेंसी फंड जरूर होना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी के समय यह काम आ सके और आपको किसी के मुह की ओर न देखना पड़े।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस दोनों लें, ताकि मेडिकल और लाइफ रिस्क से सुरक्षा बनी रहे। कोई भी परेशानी आने पर परिवार पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

जल्दी निवेश शुरू करें

कम्पाउंडिंग की ताकत का फायदा तभी मिलता है जब शुरुआत जल्दी की जाए। एसआई और पीपीएफ जैसी स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश सुरक्षित है और महंगाई को मात देना वा रिटर्न भी मिलता है।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

30 साल की उम्र जिम्मेदारियों व निवेश में बैलेंस का समय

इस दशक में शादी, बच्चों की पढ़ाई और घर की प्लानिंग जैसी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में बैलेंस बनाना जरूरी हो जाता है।

फाइनेंशियल गोल्स अपडेट करें

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों को री-इवैल्यूएट करें। हर 2 साल में अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें।

एसआईपी बढ़ाते रहें

सैलरी बढ़ने के साथ हर साल अपनी एसआईपीमें 10-15% इजाफा करें. कोशिश करें कि इनकम का 30-40% निवेश में लगाएं।

एसेट एलोकेशन पर ध्यान दें

40% इक्विटी, 40% डेट और 20% गोल्ड या पीपीएफ जैसे सुरक्षित निवेश रखें। इससे रिस्क और रिटर्न में सही संतुलन बना रहेगा।

एनपीएस में निवेश करें

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स छूट देता है और रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार करता है।

कर्ज चुकाने की योजना बनाएं

अगर कोई लोन है, खासकर हाई इंटरेस्ट वाला, तो उसे पहले खत्म करें। ईएमआई के बोझ को घटाना फाइनेंशियल फ्रीडम की दिशा में बड़ा कदम है।

40 साल की उम्र: ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करने का दशक

अब आपकी कमाई चरम पर होती है, लेकिन रिटायरमेंट भी ज्यादा दूर नहीं होता। इसलिए रिस्क घटाकर ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करें।

रिटायरमेंट फंड का आकलन करें

महंगाई को ध्यान में रखते हुए अपने सालाना खर्च का 50 गुना फंड बनाना लक्ष्य रखें. उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो रिटायरमेंट कॉर्पस करीब 3 करोड़ रुपये होना चाहिए।

रिस्क कम करें, सुरक्षा बढ़ाएं

धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर डेट फंड्स, बॉन्ड्स या फिक्स्ड इनकम ऑप्शंस में डालें।

इंश्योरेंस कवरेज जांचें

सुनिश्चित करें कि हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त हैं।

कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें

रिटायरमेंट से पहले घर या कार जैसे बड़े लोन पूरी तरह चुका दें। इससे आपकी भविष्य की इनकम पर बोझ नहीं पड़ेगा।

अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं हो सकेगी

म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में हो रहे हैं अहम बदलाव, निवेशकों पर क्या होगा असर

अभी तक कई मामलों में अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता था

अब से पहले, म्यूचुअल फंड्स के निवेशकों को अपने निवेश के रिस्क पैरामीटर्स की जानकारी महीने के अंत में मिलती थी, यह जानकारी हर महीने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध होगी।

एक बार फिर म्यूचुअल फंड प्रक्रिया में बदलाव हो रहे हैं। इसका निवेशकों पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। इसके कुछ फायदे होंगे तो कुछ नुकसान भी निवेशकों को भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप भी निवेशक हैं या निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो आप अलर्ट हो जाएं और सभी दस्तावेजों को जांचके के बाद ही निवेश यात्रा शुरू करें। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक बार फिर म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया गया है। सेबी ने निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को हो रही दिक्कतों को कम करने के लिए नए म्यूचुअल फंड फोलियो में पहली बार किए जाने वाले निवेश (पहला ट्रांजैक्शन) की प्रक्रिया को एक जैसा (स्टैंडर्ड) बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने प्रस्ताव रखा है कि अब म्यूचुअल फंड अकाउंट केवल तब ही खोले जा सकेंगे जब निवेशक की केवाईसी प्रक्रिया पूरी तरह से सत्यापित हो जाएगी। हलांकि सेबी की तरफ से की जा रही इस कार्यवाही से निवेशकों को लाभ ही होगा और वे किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बच सकेंगे।

निवेशकों के हितों के लिए जरूरी

असल में मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा समय समय पर म्यूचुअल फंड के नियमों में कुछ न कुछ बदलाव किया जाता है, ताकि निवेशकों का हित बना रहे, साथ ही एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को भी आसानी हो। बीते कुछ सालों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का लोकप्रियता निवेशकों के बीच बहुत ज्यादा बढ़ी है। इंडस्ट्री का कुल एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। ऐसे में सेबी समय समय पर यह ध्यान रखती है कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए या रिफॉर्म किया जाए। बीते कुछ महीनों में सेबी ने कुछ बदलाव या रिफॉर्म किए हैं और आगे के लिए भी कुछ प्रपोजल है। ये निवेशकों को म्यूचुअल फंड में निवेश के दौरान बड़ी राहत देने का काम करेंगे। आप भी निवेश करने जा रहे हैं अपने दस्तावेजों को साथ रख लें।

सेबी म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया, सभी दस्तावेज देने होंगे

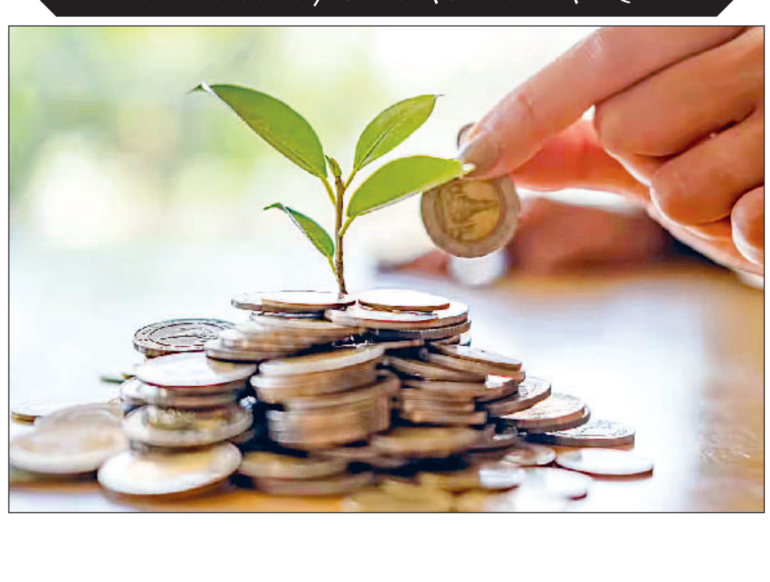

नए प्रपोजल के क्या हैं मायने

अब अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं की जा सकेगी। अभी की बात करें तो कई मामलों में निवेशक का अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता है, जिससे आगे चलकर उन्हें ट्रांजेक्शन, रिडेम्प्शन और डिविडेंड पाने में परेशानी होती है। इसी को रोकने के लिए सेबी यह नया सिस्टम लागू करने जा रहा है। नया सिस्टम लागू होने के बाद पूरी पारदर्शिता के साथ लोग निवेश कर पाएंगे और अपने निवेश को सुरक्षित भी रख सकेंगे। जब एमएसी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) को अकाउंट खोलने के लिए जरूरी दस्तावेज मिल जाएं और केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए, तभी नया फोलियो बनाया जाएगा। केवाईसी पूरी होने के बाद, एएमसी कंपनी इन दस्तावेजों को केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी (केआर) को भेजेगी, जो केवाईसी की अंतिम जांच करेगी।

डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव

एएफएफआई और सेबी ने छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव किया है। निवेशकों को अपने निवेश के लिए अधिक स्पष्ट और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा। यह नियम निवेशकों को उनके निवेश के लिए सही और समय पर जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

कट-ऑफ टाइम में बदलाव

इस साल सेबी ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए कट-ऑफ टाइम में बदलाव किया है। 1 जून 2025 से ऑफलाइन लेनदेन का समय दोपहर 3 बजे तक हो गया है। ऑनलाइन लेनदेन का समय शाम 7 बजे तक है। इन समयों के बाद किए गए लेनदेन अगले कारोबारी दिन प्रोसेस होंगे, जिससे एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) बदल सकती है। बदलाव प्लेजिंग (गिरवी रखने) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया गया है।

एनएफओ को लेकर क्या बदलाव

एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) से जुटाए गए पैसों को तय समय में निवेश करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो निवेशक बिना एग्जिट लोड दिए अपना पैसा निकाल सकते हैं। यह नियम एएमसी को जरूरत से ज्यादा पैसा जुटाने से रोकेगा और सही जगह निवेश सुनिश्चित करेगा। इसके लिए 30 दिन का समय निर्धारित है।

स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे

म्यूचुअल फंड स्कीम्स को स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे, ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिति का सही अंदाजा हो सके। एएमसी कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा म्यूचुअल फंड स्कीम्स में लगाया जाएगा। कितना पैसा और किन स्कीम्स में निवेश होगा, यह उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। इससे कर्मचारियों और निवेशकों का हित एक जैसा होगा।

इतिहास रचने को तैयार टीम इंडिया, महिला वर्ल्ड कप को मिलेगा नया चैंपियन

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है, जो रविवार को अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। ऑस्ट्रेलिया सात खिताब और 9 फाइनल के साथ विश्व कप की सबसे सफल टीम है जबकि इंग्लैंड ने तीन और न्यूजीलैंड ने एक खिताब जीता है ऐसे में रविवार का दिन महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक होगा क्योंकि जीतने वाली टीम पहली बार विश्व विजेता बनेगी।

आज दोपहर 3 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला

विश्व कप में 1982 में हुआ था पहला फाइनल मैच

महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। इसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था। विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गए विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है।

टीमें इस प्रकार

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है, जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है।

मेजबान टीम खेलेगी खिताबी मुकाबला

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी।

खबर संक्षेप

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया सीरीज पर किया कब्जा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे क्रिकेट मैच में 222 रन पर समेटने के बाद दो विकेट से हराकर श्रृंखला 3.0 से जीत ली। न्यूजीलैंड ने 32 गेंद बाकी रहते आठ विकेट पर 226 रन बनाए। जाक फोकेस 14 और ब्लेयर टिकनेर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने पहला मैच चार विकेट से और दूसरा पांच विकेट से जीता था। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने जोफ्रा आर्चर, ब्रायडन कार्स और जैमी ओवरटन से सारे ओवर करा लिए थे लिहाजा निर्णायक आखिरी ओवरों में सैम कुरेन और आदिल रशीद के ही विकल्प बचे थे। इंग्लैंड के बल्लेबाज श्रृंखला में तीसरी बार नाकाम रहे और टीम 50 ओवरों के भीतर ही आउट हो गई। एक समय पर पहले दस ओवर के भीतर उसके चार विकेट 44 रन पर गिर गए थे। इस महीने से आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज श्रृंखला से पहले जैमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट और जैकब बेथेल का खराब फॉर्म चिंता का सबब है।

टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने बाबर

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बाबर ने लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में 18 गेंदों पर 11 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। बाबर ने अब तक 123 मैचों में 39.57 की औसत से 4234 रन बनाए हैं, लेकिन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल अन्य खिलाड़ियों की तुलना में उनका स्ट्राइक रेट और छक्कों की संख्या कम है। बाबर का स्ट्राइक रेट 128.77 है और उन्होंने 73 छक्के लगाए हैं। इस मामले में रोहित, कोहली, जोस बटलर और पॉल स्टर्लिंग उनसे आगे हैं।

अर्शदीप को नजरअंदाज करना उचित नहीं : अश्विन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भारतीय टीम प्रबंधन के टी20 टीम के अंतिम एकादश में अर्शदीप सिंह को शामिल नहीं करने पर हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरी पसंद का तेज गेंदबाज होना चाहिए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आज दोपहर 1:45 बजे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20

तेज गेंदबाज हेजलवुड टीम से बाहर भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार 2 नवंबर को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में थोड़ी राहत मिलेगी और वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अंतिम एकादश में जगह मिल पाती है या नहीं क्योंकि उनको लगातार बाहर रखने पर सवाल उठने लग गए हैं। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई। ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

भारतीय बल्लेबाजों को अतिरिक्त उछाल वाली गेंदों से दिक्कत

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था, 'यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।' ऐसी स्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को राहत मिलना स्वाभाविक है और वे जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस या सीन एबॉट जैसे गेंदबाजों का सामना करते समय अधिक आश्वस्त महसूस करेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल दोनों को अतिरिक्त उछाल और अच्छी सीम मूवमेंट वाली गेंदों से निपटने में दिक्कत हो रही है। सूर्यकुमार और गिल ने कैनबरा में बारिश से प्रभावित मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी और वह उसको दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। यह मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

बेलेरिव ओवल स्टेडियम की सीमा रेखा छोटी

होबार्ट स्थित बेलेरिव ओवल एक ऐसा मैदान है, जहां दोनों तरफ की सीमा रेखा छोटी है और ऐसे में शार्ट पिच गेंद पर कवर, प्वाइंट, स्क्वायर लेग या मिड-विकेट पर लंबे शॉट लगाए जा सकते हैं। बेलेरिव ओवल वह मैदान है, जहां विराट कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 86 गेंदों में नाबाद 133 रन की शानदार पारी खेली थी। बेलेरिव ओवल की पिच पारंपरिक रूप से सफेद गेंद से होने वाले मैचों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। यह तेज गेंदबाज एलिस का बीबीएल में घरेलू मैदान भी है, जो स्थानीय फ्रेंचाइजी होबार्ट हरिकेंस के कप्तान हैं। इस दौरे पर बल्लेबाजी की गहराई को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन का जुनून चर्चा का विषय रहा है और एमसीजी में 125 रन के मामूली स्कोर पर आउट होने के बाद उसकी इस रणनीति पर सवाल उठने लग गए हैं।

हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव

जहां तक गेंदबाजी का सवाल है तो हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। अब यहां देखना दिलचस्प होगा कि अर्शदीप को उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। अगर टीम प्रबंधन हर्षित को टीम में बनाए रखने की रणनीति पर कायम रहता है तब भी अर्शदीप को किसी एक स्पिनर के स्थान पर अंतिम एकादश में रखना चाहिए क्योंकि यहां के विकेट से स्विंग मिलने की संभावना है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस।

टेनिस

बोपन्ना ने छोड़ा रैकेट, पेशेवर टेनिस को कहा अलविदा

- रोहन ने कहा, टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया, जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला, जिसमें वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने ' अलविदा ..लेकिन अंत नहीं ' शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा,' आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा ,' आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं, जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है।' उन्होंने लिखा,'भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर , सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है।'

रोहन ने 2023 में डेविस कप से ली थी विदाई

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा। उन्होंने लिखा,'हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता था, तो इसने मुझे हिम्मत और फिर से लड़ने की सीख दी जब मेरे अंदर से आवाज आती थी कि मैं नहीं कर सकता और सबसे बढ़कर इसने मुझे याद दिलाया कि मैंने क्यों शुरू किया था और मैं कौन हूं।' बोपन्ना ने अपने परिवार को भी धन्यवाद दिया।

नॉर्थ कोस्ट स्क्वाश

रतिका का दमदार प्रदर्शन सेमीफाइनल में मारी एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की रतिका सुथांथरा सीलन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया के कॉफ्स हार्बर में चल रही 6 हजार अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला वर्ग के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की तीसरी वरीयता प्राप्त बोबो लैम को 3-1 से हराया। तमिलनाडु की रहने वाली इस सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी लैम को 11-13, 11-4, 14-12, 12-10 से हराया। सीलन का अगला मुकाबला मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त लोजैन गोहारी से होगा।

अय्यर को अस्पताल से मिली छुट्टी, बीसीसीआई ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली । भारत के वनडे उप-कप्तान श्रेयस अय्यर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में कैच लेने के सफल प्रयास के दौरान तिल्ली और पसलियों में चोट लगने के बाद सिडनी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीसीसीआई ने कहा, 'उनकी (अय्यर) हालत और वह चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं। सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनके स्वास्थ्य लाभ से संतुष्ट है और उन्हें आज अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।' इस 30 वर्षीय खिलाड़ी को 25 अक्टूबर को तीसरे वनडे में हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच लेने के दौरान बायीं पसलियों के निचले हिस्से और तिल्ली में चोट लग गई थी और आंतरिक रक्तस्राव होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। वह फिट होने पर भारत लौट आएंगे, लेकिन कम से कम अगले दो महीने तक वह मैदान से बाहर रहेंगे।

प्रो कुश्ती लीग जनवरी में वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण चार सत्र के बाद निलंबित हुई प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) जनवरी 2026 में वापसी के लिए तैयार है तथा इस बार वित्तीय पारदर्शिता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पहलवानों और फ्रेंचाइजी को सीधे भुगतान करेगा। डब्लयूएफआई ने यह भी कहा कि पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल पहलवानों के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा और उन्हें नीलामी में अपना नाम दर्ज कराने की अनुमति दी जाएगी। डब्ल्यूएफआई ने पहले सालाना रॉयल्टी फीस पर पीडब्ल्यूएल को मेजबानी करने का अधिकार प्रोस्पोर्टिफाई को दिया था। लेकिन तब संकट खड़ा हो गया जब ज्यादातर प्रतिभागियों ने शिकायत की कि उन्हें कई साल से अपने टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) की जानकारी नहीं मिली। डब्ल्यूएफआई ने भी यह दावा किया कि उसे तय रॉयल्टी नहीं मिली। जून 2022 में डब्ल्यूएफआई ने 30 करोड़ रुपये का भुगतान करके लीग का पूरा मालिकाना हक हासिल करने के लिए प्रोस्पोर्टिफाई के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए। लीग के नए चेयरमैन और प्रमोटर दयान फारूकी ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "सभी अधिकार ओनएनओ मीडिया को दिए गए हैं। हमने अतीत से सबक सीखा है, डब्ल्यूएफआई भुगतान पर नियंत्रण रखेगा। जो कोई भी मुकाबला करना चाहता है, वह आगे आ सकता है, किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा।

विश्व कप जीतने पर महिला टीम को मिलेगी बड़ी राशि

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगर नवी मुंबई में रविवार को वनडे विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर इतिहास रच देती है तो बीसीसीआई हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को बड़े नकद पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए तैयार है।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह की 'समान वेतन' नीति का अनुकरण करते हुए शीर्ष अधिकारी महिला टीम को उतनी ही पुरस्कार राशि देने पर विचार कर रहे हैं, जितनी पिछले साल टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को दी गई थी। भारतीय पुरुष टीम ने टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था, जिससे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की पूरी टीम को उनके प्रदर्शन के लिए 125 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी गई थी।

बीसीसीआई ने किया समान वेतन का समर्थन

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'बीसीसीआई पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन का समर्थन करता है इसलिए इस बात पर काफी चर्चा हो रही है कि अगर हमारी लड़कियां विश्व कप जीत जाती हैं तो पुरस्कार राशि पुरुषों की विश्व कप जीत की तुलना में कम नहीं होगी। लेकिन विश्व कप जीतने से पहले घोषणा करना अच्छा नहीं है।'

नहीं मिल रहे महिला विश्व कप फाइनल के टिकट

नवी मुंबई। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आईसीसी वनडे विश्व कप में इतिहास रचने से एक जीत दूर है और ऐसे में प्रशंसकों के बीच इस मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह है लेकिन टिकट नहीं मिलने से उन्हें निराशा का सामना करना पड़ रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल रविवार को खेला जाना है और सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके पांच विकेट से हराने वाली मेजबान टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।सेमीफाइनल में भारतीय टीम के प्रदर्शन के बाद फाइनल के लिए डीवाई पाटिल स्टेडियम के बाहर टिकट के लिए प्रशंसकों की भीड़ देखी जा सकती है। स्टेडियम में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए टिकट की कीमत महज 100 रुपए से शुरू थी लेकिन शनिवार दोपहर तक स्टेडियम में दर्शकों के लिए टिकट उपलब्ध नहीं थे।

पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर, अब सिनर से मुकाबला

दो साल बाद ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ तोड़ा हार का सिलसिला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दो मैच प्वाइंट बचाकर दानिल मेदवेदेव को 2-6, 6-3, 7-6 (5) से हराया और पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीद बरकरार रखी। ज्वेरेव ने इस जीत से मेदवेदेव के खिलाफ पिछले दो साल से चला आ रहा पांच मैचों की हार का सिलसिला समाप्त कर दिया। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव सेमीफाइनल में दूसरे नंबर के यानिक सिनर से भिड़ेंगे। पिछले सप्ताहांत वियना फाइनल में दोनों की भिड़ंत हुई थी, जहां सिनर ने तीसरे सेट में 7-5 से जीत हासिल की थी।

दोनों का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड 4-4 से बराबर है। निर्णायक सेट में 4-5 के स्कोर पर ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ दोनों मैच प्वाइंट बचाए। पेरिस मास्टर्स में 2020 फाइनल में ज्वेरेव को हराने वाले मेदवेदेव ने टाईब्रेकर में 5-5 की बराबरी कर ली, लेकिन ज्वेरेव ने फिर से बढ़त बनाते हुए ढाई घंटे में जीत हासिल कर ली।

सिनर ने शेल्टन को हराया सेमीफाइनल में पहुंचे

सिनर ने नंबर सात बेन शेल्टन को 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे वह फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के करीब पहुंच गए। यदि सिनर खिताब जीत लेते हैं, तो यह वर्ष की उनकी पहली मास्टर्स ट्रॉफी होगी और इससे वह फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी भी बन जाएंगे। अमेरिकी खिलाड़ी पर सिनर की यह लगातार सातवीं जीत है। फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले वैलेन्टिन वेचेरोत को 6-2, 6-2 से पराजित किया।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public that **St. Patricks Realty Pvt. Ltd. and M/s. MLT Propmart Pvt. Ltd.**, having their registered office at The Median, Central Park Resorts, Sector-48, Sohna Road, Sector-48, Gurugram-122018, intend to create a equitable mortgage by deposit of title deeds in favour of **IndusInd Bank Limited,** for securing the credit facilities sanctioned / to be sanctioned by the said Bank in their favour.

The mortgage is proposed to be created over the following property:

Description of the Property:

All that piece and parcel of Unsold Inventory along with Proportionate rights in land beneath in Commercial Project known as The Selene Tower built on ALL THAT piece and parcel of land admeasuring 3.818 acres i.e. 30K-10M-85 comprised in Land admeasuring 4 Kanal 7 Marla 4 Sarsai in Rect no. 46 Killa no. 4/2/1min east (1-2-1), 7/1 (1-4), 14/2 (1-4), 17/1 (0-7), Rect. No.41 Killa No.24/2min (0-6-3), Rect. No.46 Killa No. 4/1/2 (0-4) and Land admeasuring 26 Kanal 3 Marla 4 Sarsai in Rect. no. 45 Killa No.10min south (1-15-5), 11 (8-0), 20 (3-0), Rect. No.46 Killa No. 5min west (0-12), 6/1min west (0-7-5), 6/2min south west (1-17-3), 15 (8-0) and 16 (2-11) in Village Dhunela Sector 32 Tehsil Sohna and District Gurugram, Haryana. (License Bearing No. 163 of 2023), together with all rights, easements, and appurtenances thereto.

Any person, company, authority, or institution having any claim, right, title, interest, or objection whatsoever in respect of the aforesaid property or any part thereof is hereby called upon to make their objection, if any, in writing, supported with documentary evidence, to the undersigned within 7 **(seven) days** from the date of publication of this notice.

If no such objection is received within the stipulated time, it shall be presumed that there are no objections to the proposed mortgage, and the same shall be completed accordingly.

For and on behalf of
St. Patricks Realty Pvt. Ltd. and
M/s. MLT Propmart Pvt. Ltd.

Authorized Signatory

Address: The Median, Central Park Resorts, Sector-48, Sohna Road, Gurugram-122018
Email ID: Rajeshwar.khurana@centralpark.in
Mobile No: +91 9911292938

ट्रंप का बड़ा ऐलान, पेंटागन फिर शुरू करे परमाणु हथियारों का परीक्षण, मचा हड़कंप

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 रिपोर्ट ने भी चेतावनी दी है कि कमजोर हथियार नियंत्रण व्यवस्था के बीच परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो रही है। ट्रंप का यह कदम तकनीकी रूप से जटिल है। मगर उनका यह ऐलान परमाणु हथियारों की होड़ को और अधिक बढ़ा सकता है।

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 30 अक्टूबर को दिये गए एक अप्रत्याशित ऐलान ने पूरी दुनिया को हिला दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने पेंटागन को निर्देश दिया है कि अमेरिका 33 वर्षों के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करे। ट्रंप की ओर से यह घोषणा दक्षिण कोरिया के बुसान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ व्यापार वार्ता से ठीक पहले की गई, जिसने वैश्विक तनाव को नई ऊंचाई दे दी है। ट्रंप ने इसे रूस और चीन की परमाणु गतिविधियों का जवाब बताया, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम परमाणु हथियारों के प्रसार को बढ़ावा देगा और दुनिया को महायुद्ध की कगार पर ले जा सकता है।

■ दुनिया महायुद्ध की कगार पर!

पिछले महीने रूस कर चुका है परमाणु मिसाइल और ड्रोन का परीक्षण

अमेरिका की नेवादा साइट पर 24 जून 1957 को परमाणु परीक्षण का एक दृश्य

अमेरिकी सीनेटर माज़ी हिरोनो ने 'अनियंत्रित और खतरनाक' कहा

यूएस ने 1000 से अधिक परमाणु परीक्षण किए

1945 से 1996 तक अमेरिका ने 1,000 से अधिक परमाणु परीक्षण किए, लेकिन 1992 में स्वैच्छिक मोरेटोरियम लगा। व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) 1996 में बनी, जिसपर अमेरिका ने हस्ताक्षर तो किया, लेकिन सीनेट ने अनुमोदन नहीं किया। उत्तर कोरिया के अलावा कोई देश 1990 के दशक के बाद वास्तविक विस्फोट परीक्षण नहीं कर पाया।

चीन ने साधी चुप्पी

ट्रंप के इस बयान से सिर्फ रूस ही नहीं, बल्कि ईरान और चीन भी भड़क उठा है। ईरान ने इसे 'अरुचिपूर्ण' करार दिया, जबकि चीन ने चुप्पी साधी.. परमाणु स्टॉकपाइल के विस्तार की खबरें तनाव बढ़ा रही हैं। अमेरिकी सीनेटर माज़ी हिरोनो ने इसे 'अनियंत्रित और खतरनाक' बताया। यह भी कहा कि 1992 के बाद अमेरिका ने परीक्षण न करने का फैसला पर्यावरण, स्वास्थ्य और प्रसार रोकने के लिए लिया था।

रूस ने किया परमाणु हथियारों का परीक्षण

ट्रंप का ऐलान तब सामने आया जब रूस ने 21 अक्टूबर को परमाणु-सक्षम बुरेवेस्टनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जो 8700 मील की दूरी (14000 किलोमीटर) तय कर 15 घंटे हवा में रही। मॉस्को ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बताया। इसके तुरंत बाद रूस ने पोसेडॉन परमाणु ड्रोन का भी परीक्षण किया, जो उसकी सरमत मिसाइल से 1000 गुना ज्यादा खतरनाक बताया जा रहा है। ऐसे में अमेरिका द्वारा फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने का अब ट्रंप का यह नया बयान रूस के हालिया परीक्षणों से प्रेरित लगता है। क्रेमलिन ने ट्रंप के ऐलान पर सदमा जताते हुए कहा कि यदि अमेरिका वास्तविक विस्फोट परीक्षण करेगा तो 'उचित कदम' उठाए जाएंगे।

परमाणु युद्ध का बढ़ सकता है वैश्विक खतरा

अगर अमेरिका ने परमाणु परीक्षण किया तो दुनिया में परमाणु युद्ध का वास्तविक खतरा बढ़ सकता है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की 2025 रिपोर्ट ने भी चेतावनी दी है कि कमजोर हथियार नियंत्रण व्यवस्था के बीच परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो रही है।

अमेरिका का कई देशों के साथ बढ़ सकता है परमाणु तनाव

कार्नेगी एंडोमेंट की अप्रैल 2025 रिपोर्ट चेताती है कि अमेरिका-चीन-रूस-उत्तर कोरिया तनाव से पारंपरिक युद्ध परमाणु में बदल सकता है। भारत जैसे देशों के लिए यह चिंताजनक है, जहां 'नो फर्स्ट यूज' नीति है, लेकिन पड़ोसी पाकिस्तान और चीन की होड़ से भारत पर भी दबाव बढ़ रहा। विशेषज्ञ कहते हैं कि आधुनिक तकनीकें जैसे एआई और हाइपरसोनिक मिसाइलें जोखिम दोगुना कर रही हैं। ट्रंप के सलाहकारों को भी यह ऐलान चौंका गया है।

विश्व के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार यूएस और रूस के पास

वैश्विक परमाणु हथियारों की संख्या शीत युद्ध के बाद 70,000 से घटकर 12,241 हो गई। अमेरिका और रूस के पास विश्व के 90 फीसदी परमाणु हथियार हैं। इनमें से रूस के पास 5,580 परमाणु बम और अमेरिका के पास 5,044 परमाणु बमों की खेप है। वहीं चीन 2030 तक 1,000 परमाणु हथियारों के लक्ष्य को लेकर चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र की सितंबर 2025 रिपोर्ट में कहा गया कि यूक्रेन युद्ध, ताइवान संकट और मध्य पूर्व तनाव से इसका जोखिम बढ़ा है।

खबर संक्षेप

दिल्ली में 10 साल में 1.8 लाख बच्चे लापता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के अनुसार पिछले 10 साल में राष्ट्रीय राजधानी में 1.84 लाख से अधिक बच्चे लापता हुए हैं। इनमें से 50 हजार से अधिक का अभी तक पता नहीं चल पाया है। 2015 से 2025 तक शहर भर में 1.84 लाख बच्चे लापता हुए। इनमें से 1.33 लाख का पता लगा लिया गया 50771 बच्चे अभी भी लापता हैं। हर साल लड़कों की तुलना में लड़कियां ज्यादा लापता होती हैं।

चीन ने रिकॉर्ड स्पीड से स्पेस में भेजे यात्री व चूहे

बीजिंग। चीन ने बताया कि उसका शेनझोउ-2 अंतरिक्ष यान अपने तीन सदस्यीय दल के साथ देश के अंतरिक्ष स्टेशन तियानगोंग से रिकॉर्ड समय में जुड़ गया है। यह डॉकिंग प्रक्रिया केवल 3.5 घंटे में पूरी हुई- जो पिछले मिशनों की तुलना में करीब तीन घंटे तेज है। मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री 27 वैज्ञानिक प्रयोगों पर काम करेंगे। इस बार चीन पहली बार अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर चूहे भी भेज रहा है।

रक्षा मंत्री ने क्वालालंपुर में की मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, सिंगापुर और कंबोडिया के रक्षा मंत्रियों संग मुलाकात

आसियान ने सराही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति को बनाए रखने में भारत की भूमिका

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

आसियान और उसके सहयोगी देशों के रक्षा मंत्रियों के 12वें सम्मेलन (एडीएमएम-प्लस) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मलेशिया के दौरे पर हैं। शनिवार को उन्होंने सम्मेलन से इतर उसके मेजबान देश मलेशिया के अलावा समूह के कई अन्य देशों जैसे फिलीपींस, थाईलैंड, सिंगापुर और कंबोडिया के अपने समकक्ष रक्षा मंत्रियों के साथ एक अनौपचारिक बैठक के जरिए मुलाकात की।

जिसका निचोड़ ये निकला की सभी ने एक स्वर में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को जस का तस कायम रखने में एक जिम्मेदार महाशक्ति के रूप में भारत की भूमिका की सराहना की और क्षेत्रीय स्तर पर भारत के साथ अपने रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की मांग की। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

ये दो जरूरी घोषणाएं हुई

बैठक में दिए अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा, भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की दूसरी अनौपचारिक बैठक समूह के साथ हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी, मुख्य रूप से 2026 से 2030 के लिए भारत-आसियान कार्य योजना के रक्षा-सुरक्षा घटकों को आगे बढ़ाने का एक रणनीतिक अवसर प्रदान करती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं पर आसियान-भारत पहल और आसियान-भारत रक्षा थिंक टैंक संपर्क जैसी दो दूरदर्शी पहलों की घोषणा की।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सम्मेलन के दौरान कई देशों के मंत्रियों से मुलाकात करते हुए।

भारत की आत्मनिर्भरता से मिलेगा फायदा

बैठक के अध्यक्ष के रूप में मलेशिया के रक्षा मंत्री ने राजनाथ सिंह का स्वागत किया और कहा कि बतौर महाशक्ति भारत के साथ साइबर, डिजिटल, रक्षा उद्योग-नवाचार के क्षेत्र में अपने संबंधों को मजबूत बनाकर आसियान को एक समुदाय के रूप में लाभ हो सकता है। फिलीपींस के रक्षा मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय कानून और बहुपक्षवाद के प्रति भारत के सम्मान की प्रशंसा की और कहा कि यूएन के समुद्री कानून संधि पत्र का पालन कर उसने इलाके में अन्य देशों के लिए एक महत्वपूर्ण मिसाल पेश की है।

थाईलैंड, सिंगापुर के रक्षा मंत्रियों का मत

सिंगापुर के रक्षा मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा सुनिश्चित करने में निभाई जाने वाली अहम भूमिका में भारत की क्षमता और योग्यता पर आसियान को पूर्ण विश्वास है। साथ ही उन्होंने भारत-आसियान के बीच युवा पीढ़ी के स्तर पर ज्यादा संयुक्त गतिविधियों, अधिक नीतिगत संवादों, संयुक्त अभ्यासों और बातचीत का भी प्रस्ताव रखा। क्योंकि इन पर भविष्य के सहकार्य की नींव टिकी हुई है। वहीं, थाईलैंड के रक्षा मंत्री ने इस मुद्दे पर सहमति जताई कि आसियान देशों को भारत के रक्षा उद्योग और प्रौद्योगिकी प्रणाली से फायदा मिलेगा। उन्होंने रक्षा उत्पादन में क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता का भी आह्वान किया।

इसके अलावा उन्होंने आगामी भारत-आसियान समुद्री अभ्यास के लिए अपना पूरा समर्थन प्रदान किया है। साथ ही फिलीपींस के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में आने वाले समय में होने वाली संयुक्त सहकारी गतिविधि पर भी जोर दिया।

अधिकारियों ने अपना कार्यभार संभाला

रक्षा मंत्रालय में शीर्ष पदों पर चार वरिष्ठ अधिकारियों ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय में शनिवार को चार महत्वपूर्ण उच्च-पदों पर नियुक्त किए गए अधिकारियों ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। जिसमें नौसेना और मंत्रालय के वित्त संबंधी मामलों के क्रमशः दो-दो अधिकारी शामिल हैं। वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने नौसेना के कार्मिक प्रमुख के रूप में और वाइस एडमिरल बी.शिवकुमार ने बल के चीफ ऑफ मैटेरियल का पदभार ग्रहण किया है। जबकि रक्षा महालेखा नियंत्रक के रूप में विश्वजीत सहाय और वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) के रूप में राज कुमार अरोड़ा ने कार्यभार ग्रहण किया है। मंत्रालय ने बताया कि 1 नवंबर को कार्यभार संभालने वाले वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह 1 जुलाई 1990 को नौसेना में कमीशन हुए थे। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (खड़कवासला) के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्हें जल और तट दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का लंबा अनुभव है। उनकी शैक्षणिक योग्यताओं में रक्षा-सामरिक अध्ययन में एमएससी और एमफिल जैसी डिग्रियां शामिल हैं। जबकि डीएसएससी वेलिंगटन में स्टाफ कोर्स, नेवल वॉर कॉलेज में उच्च कमान कोर्स और स्वदेश में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज का पाठ्यक्रम उन्होंने बतौर पेशेवर अधिकारी के रूप में पूरा किया है।

नौसेना के चीफ ऑफ मैटेरियल की विशेषता: मंत्रालय ने कहा कि 1 नवंबर को ही बल के नए चीफ ऑफ मैटेरियल की जिम्मेदारी संभालने वाले वाइस एडमिरल बी.शिवकुमार 1 जुलाई 1987 को नौसेना में बतौर इलेक्ट्रिकल अधिकारी के रूप में कमीशन हुए थे। उन्होंने अपनी करीब चार दशक की सेवा के दौरान नौसेना मुख्यालय, कमांड, डॉकयार्ड में कई जरूरी और नेतृत्व करने वाले पदों पर काम किया है। उनकी शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो अधिकारी ने आईआईटी मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। वे राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से उच्च-रक्षा प्रबंधन में परास्नातक और मद्रास विश्वविद्यालय से एमफिल की डिग्रियां हासिल की हैं।

वित्त विभाग को मिले ये अधिकारी: वहीं, रक्षा महालेखा नियंत्रक के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभालने वाले विश्वजीत सहाय भारतीय रक्षा लेखा सेवा के 1990 बैच के अधिकारी हैं। उन्हें रक्षा वित्त और लोक प्रशासन में तीन दशक से अधिक का कार्य अनुभव है। वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभालने वाले 1990 बैच के ही अधिकारी राज कुमार अरोड़ा को रक्षा अधिग्रहण, वित्तीय नीति, लेखांकन, लेखा परीक्षा, बजट और कार्मिक प्रबंधन के क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है। इस नियुक्ति से पहले वह रक्षा लेखा महानियंत्रक के पद के कार्यरत थे।

बयान जारी कर कहा, खबरों में कोई सच्चाई नहीं, दूतावास रूस के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है

विक्टोरिया बसु मामले में भारतीय मीडिया की खबरों को रूसी दूतावास ने किया खारिज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रूस की नागरिक विक्टोरिया बसु के मामले में शनिवार को रूस के दूतावास ने एक बयान जारी किया है। जिसमें उन्होंने मामले को लेकर बीते कुछ दिनों से भारत के मीडिया में प्रकाशित-प्रसारित खबरों का खंडन किया है। बयान में ये कहा गया है कि मीडिया में इस संबंध में आई हालिया तमाम खबरें केवल अटकलों पर आधारित हैं, जिनका हकीकत से कोई लेना देना नहीं है। रूस का दूतावास अपने नागरिकों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस संबंध में हम अपने प्राथमिक कर्तव्यों का पालन करते हैं।

ये है पूरा मामला

गौरतलब है कि वर्ष 2019 से भारत में रह रही विक्टोरिया अचानक इस साल जुलाई महीने में अपने चार वर्षीय बेटे को लेकर देश छोड़कर चली गई थी। बच्चे के पिता और भारतीय नागरिक सैकत बसु का कहना है कि उनकी जानकारी के बिना विक्टोरिया बसु ने ऐसा किया है। जो कस्टडी समझौते की अवहेलना है। सैकत और विक्टोरिया फिलहाल अलग हो चुके हैं। लेकिन बच्चे की कस्टडी को लेकर उनका मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। शीर्ष अदालत ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि बच्चे को माता-पिता में से किसे सौंपा जाएगा। ऐसे में बच्चा शीर्ष अदालत की कस्टडी में है। अपने एक पूर्व फैसले में अदालत ने दिल्ली पुलिस और विदेश मंत्रालय से भी मामले में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। जिस पर पुलिस का ये कहना था कि रूसी महिला के देश छोड़कर जाने में उसे रूस के दूतावास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मदद की है। जबकि विदेश मंत्रालय का पक्ष है कि उसने मामले में साझा कानूनी सहायता संधि के माध्यम से रूस के दूतावास को एक अनुरोध भेजा है। जिससे महिला और बच्चे का पता लगाने के साथ ही रूसी दूतावास के अधिकारी की भूमिका की मामले में जांच की जा सके।

यूएन में भारत ने पाक के मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को फिर से आईना दिखाया है। भारत की प्रथम सचिव भाविका मंगालानंद ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हो रहे मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन का मुद्दा उठाया और पाकिस्तान से इसे तुरंत बंद करने की मांग की। साथ ही, भारत ने संयुक्त राष्ट्र की उस रिपोर्ट को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि देश की पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां खतरे में हैं। भारत ने साफ कहा कि उसकी पारंपरिक कलाएं और शिल्प आज भी खूब फल-फूल रहे हैं। यह भारत की मजबूत कूटनीति का एक और उदाहरण है, जो एक साथ कई मोर्चों पर अपनी बात मजबूती से रख रहा है।

भारतीय सेना के 'त्रिशूल' युद्धाभ्यास से डरा आतंकी हाफिज सईद!

सम्मेलन टालने की घोषणा नुक्कड़ सभाओं के जरिए की

लाहौर में होने वाला विशाल सम्मेलन टला, बाहरी 'खतरे' का दिया हवाला

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाक मिल्ली मुस्लिम लीग (एमएमएल) ने 2 नवंबर को लाहौर की मीनार-ए-पाकिस्तान पर होने वाले अपने वार्षिक कार्यकर्ता सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।

एमएमएल को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जमात-उद-दावा (जेयूडी) का राजनीतिक मोर्चा माना जाता है। ये गुट आतंकी हाफिज सईद के हैं, जिसे अपने भारत विरोधी रुख के लिए जाना जाता है। सम्मेलन को टालने के पीछे की वजह त्रिशूल अभ्यास को माना जा रहा है।

आतंकी हाफिज सईद

युद्धाभ्यास के दौरान थल सेना अत्याधुनिक मिसाइल दागती

त्रिशूल में 25 हजार जवान शामिल

भारतीय सेना पाकिस्तान सीमा के पास त्रिशूल नाम का अब तक का संयुक्त युद्धाभ्यास कर रही है। 30 अक्टूबर को शुरू हुए और 10 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में तीनों सेनाओं के 25 हजार जवान शामिल हो रहे हैं। भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक बयान में कहा कि यह युद्धाभ्यास नियमित प्रकृति के हैं। हर साल तीनों सेनाओं का विशाल युद्धाभ्यास करना भारतीय सेना की परंपरा है।

नई तारीख का ऐलान नहीं

एमएमएल सम्मेलन टालने की घोषणा लश्कर कमांडरों ने नुक्कड़ सभाओं के जरिए अनौपचारिक रूप से की है। इस निर्णय को समूह के प्रमुख हाफिज सईद ने मंजूरी दे दी है। सईद के व्यक्तिगत रूप से लाहौर सम्मेलन में उपस्थित होकर उसे संबोधित करने की संभावना थी।

पाकिस्तान ने दूसरी बार जारी किया नोटम

पाकिस्तान की नौसेना ने जो नया युद्धाभ्यास के लिए नोटम जारी किया है, वो भारत की तरफ से जारी किए गये पुराने नोटम वाले क्षेत्र में है। तस्वीर में भारत और पाकिस्तान का नोटम वाला क्षेत्र ओवरलैप हो रहे हैं। जानकारों का मानना है कि भारत हवा में अभ्यास कर रहा है और पाकिस्तान समुद्र में, इसलिए शायद टकराव ना हो। हालांकि यह भौगोलिक रूप से ओवरलैप करता है, लेकिन दोनों देशों के बीच स्थापित सैन्य-तकनीकी कॉर्डिनेशन की वजह से किसी अप्रत्याशित टकराव की संभावना नहीं मानी जा रही है। नोटम के मुताबिक पाकिस्तान का यह नौसैनिक अभ्यास 2 से 5 नवंबर तक चलेगा।

पाकिस्तान की ओर से जारी नोटम वाला क्षेत्र

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109